HRA Sazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

> साप्ताहिक WEEKLY

सं. 10] No. 10]

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II - खण्ड 3 — उप-खण्ड (ii) PART II - Section 3 — Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) द्वारा जानी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (Other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(वित्तीय सेवाएं विभाग)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2009

का.आ. 541.—सरकारी स्थान (अनिधकृत अधिभोगियों के बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की श्वार 3 द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के 20 जनवरी, 1997 के सं. का.आ. 15 का अतिक्रमण करते हुए, ऐसे अतिक्रमण से पहले किए गए कार्यों और करने के लिए छोड़े गए कार्यों को छोड़कर केंद्रीय सरकार एतदद्वारा निम्नलिखित सारणी के कालम (2) में उल्लिखित उन अधिकारियों को नियुक्त करती है जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के स्तर के समकक्ष अधिकारी हों और अवत अधिनियम के प्रयोजन के लिए संपदा अधिकारी (एस्टेट ऑफिसर) होंगे। ये अधिकारी उक्त अधिनियम द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा उक्त अधिनियम के अधीन उक्त सारणी के कालम (3) में उल्लिखित सरकारी स्थानों के संबंध में संपदा अधिकारियों को सौंपे गए कार्यों को पूरा करेंगे।

सारणी

क्रम सं.	अधिकारी का पद	सरकारी स्थानों की श्रेणियां और क्षेत्राधिकार की सीमाएं
1	2	3
1.	क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, अहमदाबाद	भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से गुजरात राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान।
2.	क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्च बैंक, बंगलूर	भारतीय रिजर्न बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से कर्नाटक राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान।

695 GI/2009

(1041)

THE GAZETTE OF INDIA: MARCH 7, 2009/PHALGUNA 16, 1930 3 2 1 भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 3. से मध्य प्रदेश राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। रिजर्व बैंक, भोपाल भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 4. से उड़ीसा राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। रिजर्व बैंक, भवनेश्वर भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 5. से संघ शासित क्षेत्र चंडीगढ तथा पंजाब और हरियाणा राज्य में रिज़र्व बैंक, चंडीगढ पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 6. से तमिलनाड राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। रिजर्व बैंक, चेन्नै भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 7. से असम राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। रिजर्व बैंक, गवाहाटी क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर 8. से आंध्र प्रदेश राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। रिजर्व बैंक, हैदराबाद भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 9. से राजस्थान राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। रिज़र्व बैंक, जयपुर भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 10. से जम्मू और कश्मीर राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित रिज़र्व बैंक, जम्मू स्थान। भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 11. से कानपुर में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। रिज़र्व बैंक, कानपुर भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर महाप्रबंधक (प्रभारी अधिकारी), भारतीय रिजर्व बैंक, 12. मे कोच्चि में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। कोच्चि भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 13. से पश्चिम बंगाल राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। रिज़र्व बैंक, कोलकाता भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 14. से उत्तर प्रदेश राज्य (कानपुर को छोड़कर) में पटटे पर लिया रिज़र्व बैंक, लखनऊ गया अवस्थित स्थान। भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 15. से महाराष्ट्र राज्य (नागपुर तथा पुणे को छोड़कर) में पटेटे पर रिजर्व बैंक, मुंबई लिया गया अवस्थित स्थान। भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 16. से नागपुर में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। रिज़र्व बैंक, नागपुर भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 17. से दिल्ली/नई दिल्ली में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान। रिज़र्व बैंक, नई दिल्ली भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर

उप महाप्रबंधक, (प्रभारी अधिकारी), विदेशी मुद्रा विभाग, 18. भारतीय रिज़र्व बैंक, पणजी

क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 19. रिज़र्घ बैंक, पटना

क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, भारतीय 20. रिज़र्ब बैंक, तिरुवनंतपुरम

प्रधानाचार्य, कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, भारतीय रिजर्व 21. बैंक, पुणे

भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से केरल राज्य (कोच्चि को छोड़कर) में पट्टे पर लिया गया अवस्थित स्थान।

भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर

से गोवा राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान।

से बिहार राज्य में पटटे पर लिया गया अवस्थित स्थान।

भारतीय रिज़र्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पुणे में पर्टे पर लिया गया अवस्थित स्थान।

1	2	3
22.	महाप्रबंधक (प्रभारी अधिकारी), भारतीय रिजर्व बैंक, देहरादून	भारतीय रिजर्व वैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से उत्तराखंड राज्य में पट्टे पर लिया गया अवस्थित स्थान।
23.	महाप्रबंधक (प्रमारी अधिकारी), भारतीय रिजर्व बैंक, रायपुर	भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से छत्तीसगढ़ राज्य में पट्टे पर लिया गया अवस्थित स्थान।
24.	महाप्रबंधक (प्रभारी अधिकारी), भारतीय रिजर्व बैंक, संची	भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से झारखंड राज्य में पट्टे पर लिया गया अवस्थित स्थान।
25.	महाप्रबंधक (प्रभारी अधिकारी), भारतीय रिजर्व बैंक, शिमला	भारतीय रिजर्व बैंक का अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से हिमाचल प्रदेश राज्य में पट्टे पर लिया गया अवस्थित स्थान।

[फा. र्स. 65(1)/2007-बी ओ-II] एस. गोपाल कृष्ण, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE (Department of Financial Services)

New Delhi, the 23rd February, 2009

S.O. 541.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs S.O. No. 15 dated 20th January 1997 except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (2) of the Table below, being officers equivalent to the rank of a gazetted officer of Government, to be Estate Officers for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in column (3) of the said Table.

TARLE

S. No.	Designation of the Officer	Categories of public premises and limits of jurisdiction
1	2	3
1.	The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Ahmedabad.	Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of, the Reserve Bank of India in the state of Gujarat.
2.	The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Bangalore.	Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of, the Reserve Bank of India in the state of Karnataka
3.	The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Bhopal.	Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of, the Reserve Bank of India in the state of Madhya Pradesh
4.	The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Bhubaneshwar.	Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of, the Reserve Bank of India in the state of Orissa
.5.	The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Chandigarh	Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the Union Territory of Chandigarh and states of Punjab and Haryana.
6.	The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Chennai.	Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Tamil Nadu.
7.	The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Guwahati	Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Assam.
8.	The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Hyderabad.	Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Andhra Pradesh.
9.	The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Jaipur	Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Rajasthan.

1

10.

The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India,

Jammu

 The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Kanpur

12. The General Manager, (Officer-in-Charge), Reserve Bank of India, Kochi

2

- The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Kolkata
- The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Lucknow
- The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Mumbai
- The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Nagpur.
- The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, New Delhi
- The Deputy General Manager, (Officer-in-Charge), Foreign Exchange Department, Reserve Bank of India, Panaji
- The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India, Patna
- The Regional Director, Chief General Manager, General Manager, Reserve Bank of India. Thiruvananthapuram
- 21. The Principal, College of Agricultural Banking, Reserve Bank of India, Pune
- 22. The General Manager (Officer-in-Charge), Reserve Bank of India, Dehradun
- 23. The General Manager (Officer-in-Charge), Reserve Bank of India, Raipur
- 24. The General Manager (Officer-in-Charge), Reserve Bank of India, Ranchi
- 25. The General Manager (Officer-in-Charge), Reserve Bank of India, Shimla.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Jammu and Kashmir.

3

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in Kanpur.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in Kochi.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of West Bengal.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Uttar Pradesh except in Kanpur.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Maharashtra except in Nagpur and Pune.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in Nagpur.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in Delhi/New Delhi.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Goa.

Premises belonging to or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Bihar.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Keral except in Kochi.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in Pune.

Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the state of Uttarakhand.

Premises belonging to, or taken or lease by, or on behalfof the Reserve Bank of India in the State of Chhattisgarh.

Premises belonging to, or taken or lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the State of Jharkhand.

Premises belonging to, or taken or lease by, or on behalf of the Reserve Bank of India in the State of Himachal Pradesh.

> [F. No. 65/1/2007-BO-II] S. GOPAL KRISHNA, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 मार्च, 2009

का.आ. 542.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खण्ड 3 के उपखंड (1) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उप-धारा 3(ज) एवं (3-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री बी. इब्राहिम को उनकी नियुक्ति संबंधी इस अधिसूचना की तारीख से तीन वर्ष की अविध के लिए अथवा अगले आदेश होने तक, जो भी पहले हो, विजया बैंक के निदेशक मंडल में अंशकालीन गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 9/22/2006-बी ओ-1]

डॉ. तरसेम चन्द, उप सचिव

New Delhi, the 2nd March, 2009

S.O. 542.—In exercise of the powers conferred by sub section 3(h) and (3-A) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (1) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government hereby nominates Shri B. Ibrahim as part-time non-official Director on the Board of Directors of Vijaya Bank, for a period of three years from the date of notification of his appointment or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/22/2006-BO-1]

Dr. TARSEM CHAND, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 2 मार्च, 2009

का.आ. 543.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) तथा खण्ड 8 के उप-खण्ड (1) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उप-धारा 3 के खण्ड (क) के द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करके, एतद्द्वारा इस समय राष्ट्रीय आवास बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री एस. श्रीधर (जन्म तिथि : 9-5-1951) को इस पद पर उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से दिनांक 31-05-2011 तक अर्थात् जिस महीने वे अपनी अधिवर्षिता की आयु पूरा करेंगे, उस महीने के अन्तिम दिन तक की अविध तक अथवा अगले आदेश होने तक, जो भी पहले हो, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 9/22/2008-बी ओ-1]

डॉ. तरसेम चन्द, उप सचिव

New Delhi, the 2nd March, 2009

S.O. 543.—In exercise of the powers conferred by clause (a) sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (1) of clause 3 and sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Managerment and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government, in consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri S. Sridhar (DoB: 09-05-1951) presently Chairman and Managing Director, National Housing Bank as Chairman and Managing Director, Central Bank of India for a period from the date of taking charge of the post, till 31-05-2011 i.e., the last day of the month in which he would attain the age of superannuation or until further orders, whichever event occurs earlier.

** [F. No. 9/22/2008-BO-I]

Dr. TARSEM CHAND, Dy. Secy.

(राजस्व विभाग) (केन्द्रीव प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2009

का.आ. 544.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग्र और 5ड़ के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उप-धारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2007 से संगठन संजीवन मेडिकल फाउंडेशन्स डा. डी. के. गोसावी मेमोरियल श्री सिद्धि विनायक गणपित कैंसर हॉस्पिटल, मीराज, महाराष्ट्र को निम्नलिखित शर्तों के अधीन आंशिक रूप से अनुसंधान कार्यकलापों में लगे 'अन्य संस्था' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, अर्थात :-

- अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा;
- (ii) अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित छात्रों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;
- (iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके द्वारा प्राप्त राशि के संबंध में अलग खाता बही रखेगा अनुसंधान करने के लिए प्रयुक्त राशि दर्शाई गई हो, उक्त अधिनियम की धारा 288 की उप-धारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित किसी लेखाकर से अपनी खाता-बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मामले में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा;
- (iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित ऐसे विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा ।
 - 2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन वापस ले लेगी यदि अनुमोदित संगठन :--
 - (क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित लेखा बही नहीं रखेगा; अथवा

695 GI/09-2

- (ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (घ) अपना अनुसंधान कार्य करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जाएगा; अथवा
- (ङ) उक्त नियमावली के नियम 5ग और 5ङ के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उप-धारा (1) के खण्ड (ii) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा ।

[अधिसूचना सं. 19/2009/फा. सं. 203/99/2008-आ.क.नि.-II]

पदम सिंह, अवर सचिव

(Department of Revenue)

(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 25th February, 2009

- S.O. 544.—It is hereby notified for general information that the organization Sanjeevan Medical Foundation's Dr. D. K. Gosavi Memorial Shri Siddhi Vinayak Ganapati Cancer Hospital, Miraj, Maharashtra has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with Rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules), with effect from 1-4-2007 in the category of 'other Institution', partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:—
 - (i) The sums paid to the approved organization shall be utilized for scientific research;
 - (ii) The approved organization shall carry out scientific research through its faculty members or its enrolled students;
 - (iii) The approved organization shall maintain separate books of accounts in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of Section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;
 - (iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.
 - 2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization :
 - (a) fails to maintain separate books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
 - (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
 - (c) fails to furnish its statement of the donations received and sums applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
 - (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
 - (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the said Act read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No. 19/2009/F. N. 203/99/2008-ITA-II] PADAM SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2009

का.आ. 545.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कंन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग और 5ड़ के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उप-धारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2009 से संगठन वनस्थली यूनिवर्सिटी, राजस्थान को निम्नलिखित शर्तों के अधीन ऑशिक रूप से अनुसंधान कार्यकलापों में लगे 'विश्वविद्यालय' की श्रेणी में अनुसोदित किया गया है, अर्थात :—

- (i) अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा:
- (ii) अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित छात्रों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;

- (iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके द्वारा प्राप्त राशि के संबंध में अलग खाता वही रखेगा अनुसंधान करने के लिए प्रमुक्त राशि दर्शाई गई हो, उक्त अधिनियम की धारा 288 की उप-धारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित किसी लेखाकार से अपनी खाता-बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मामले में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा;
- अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा
 िरपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित ऐसे विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा ।
 केन्द्र सरकार यह अनुमोदन वापस ले लेगी यदि अनुमोदित संगठन :--
- (क) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित लेखा बही नहीं रखेगा; अथवा
- (ख) पैराग्राफ 1 के उप–पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (घ) अपना अनुसंधान कार्य करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जाएगा; अथवा
- (ङ) उक्त नियमावली के नियम 5ग और 5ङ के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उप-धारा (1) के खण्ड (ii) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा ।

[अधिसूचना सं. 21/2009/फा. सं. 203/125/2008-आ.क.नि.-II]

पदम सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 25th February, 2009

- S.O. 545.—It is hereby notified for general information that the organization Banasthali University, Rajasthan has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Incometax Act, 1961 (said Act), read with Rules 5C and 5E of the Incometax Rules, 1962 (said Rules), with effect from 1-4-2009 in the category of 'University', partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:—
 - (i) The sums paid to the approved organization shall be utilized for scientific research;
 - (ii) The approved organization shall carry out scientific research through its faculty members or its enrolled students;
 - (iii) The approved organization shall maintain separate books of accounts in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of Section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;
 - (iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.
 - 2. The central Government shall withdraw the approval if the approved organization:
 - (a) fails to maintain separate books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
 - (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
 - (c) fails to furnish its statement of the donations received and sums applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
 - (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
 - (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the said Act read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No. 21/2009/F, N. 203/125/2008/ITA-II]
PADAM SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2009

का.आ. 546.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा यह अधिसृचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग और 5ड़ के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उप-धारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2003 से संगठन नौरोजी गोदरेज सेंटर फॉर प्लांट रिसर्च, मुंबई को निम्नलिखित शर्तों के अधीन आंशिक रूप से अनुसंधान कार्यकलापों में लगे 'अन्य संस्था' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, अर्थात :-

- (i) अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा;
- (ii) अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित छात्रों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;
- (iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके द्वारा प्राप्त राशि के संबंध में अलग खाता बही रखेगा अनुसंधान करने के लिए प्रयुक्त राशि दशाई गई हो, उक्त अधिनियम की धारा 288 की उप-धारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित किसी लेखाकर से अपनी खाता-बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के अंतर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मामले में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा;
- (iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा
 िरपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापित ऐसे विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा ।
 - 2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन वापस ले लेगी यदि अनुमोदित संगठन :--
- (क) पैराग्राफ 1 के उप–पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित लेखा बही नहीं रखेगा; अथवा
- (ख) पैराग्राफ) के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा: अथवा
- (घ) अपना अनुसंधान कार्य करना बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जाएगा; अथवा
- (ङ) उक्त नियमावली के नियम 5ग और 5ङ के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उप-धारा (1) के खण्ड (ii) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 20/2009/फा. सं. 203/44/2008-आ.क.नि.-II] पदम सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 25th February, 2009

- S.O. 546.—It is hereby notified for general information that the organization Naoroji Godrej Centre for Plant Research, Mumbai has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (!) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with Rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules), with effect from 1-4-2003 in the category of 'other Institution', partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:—
 - (i) The sums paid to the approved organization shall be utilized for scientific research;
 - (ii) The approved organization shall carry out scientific research through its faculty members or its enrolled students;
 - (iii) The approved organization shall maintain separate books of accounts in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of Section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;
 - (iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.
 - 2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization :—
 - (a) fails to maintain separate books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
 - (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
 - (c) fails to furnish its statement of the donations received and sums applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
 - (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
 - (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the said Act read with rules 5C and 5E of the said Rules.

[Notification No. 20/2009/F. No. 203/44/2008-IT'A-II] PADAM SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2009

का.आ. 547.— सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर नियमावली, 1962 (उक्त नियमावली) के नियम 5ग और 5ड़ के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (उक्त अधिनियम) की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-4-2005 से संगठन सेंटर फॉर विंड एनर्जी टेक्नोलॉजी, चेन्नई को निम्नलिखित शतौँ के अधीन आंशिक रूप से अनुसंधान कार्यकलार्पों में लगे 'अन्य संस्था' की श्रेणी में अनुमोदित किया गया है, अर्थात् :—

- (i) अनुमोदित संगठन को प्रदत्त राशि का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाएगा;
- (ii) अनुमोदित संगठन अपने संकाय सदस्यों अथवा अपने नामांकित छात्रों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान करेगा;
- (iii) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए इसके द्वारा प्राप्त राशि के संबंध में अलग खाता बही रखेगा अनुसंधान करने के लिए प्रयुक्त राशि दर्शाई गई हो, उक्त अधिनियम की धारा 288 की उप-धारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाष्ति किसी लेखाकार से अपनी खाता-बही की लेखा परीक्षा कराएगा और उक्त अधिनियम की धारा 139 की उप धारा (1) के अन्तर्गत आय विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि तक ऐसे लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित एवं हस्ताक्षरित लेखा परीक्षा रिपोर्ट मामले में क्षेत्राधिकार रखने वाले आयकर आयुक्त अथवा आयकर निदेशक को प्रस्तुत करेगा।
- (iv) अनुमोदित संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त दान तथा प्रयुक्त राशि का अलग विवरण रखेगा और उपर्युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत् सत्यापित ऐसे विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।
- 2. केन्द्र सरकार यह अनुमोदन वापिस ले लेगी यदि अनुमोदित संगठन :--
- (क) पैराग्राफ । के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अलग लेखा बही नहीं रखेगा ; अथवा
- (ख) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iii) में उल्लिखित अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (ग) पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (iv) में उल्लिखित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त एवं प्रयुक्त दान का अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करेगा; अथवा
- (ग) अपना अनुसंधान कार्य बंद कर देगा अथवा इसके अनुसंधान कार्य को जायज नहीं पाया जाएगा; अथवा
- (ङ) उक्त नियमावली के नियम 5ग और 5ड़ के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होगा तथा उनका पालन नहीं करेगा।

[अधिसूचना सं. 22/2009/फा. सं. 203/32/2008-आ.क.नि.-II] पदम सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 25th February, 2009

- S.O. 547.—It is hereby notified for general information that the organization Centre for Wind Energy Technology, Chennai, has been approved by the Central Government for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (said Act), read with rules 5C and 5E of the Income-tax Rules, 1962 (said Rules) with effect from 1-4-2005 in the category of 'other Institution' partly engaged in research activities subject to the following conditions, namely:—
 - The sums paid to the approved organization shall be utilized for scientific research;
 - (ii) The approved organization shall carry out scientific research through its faculty members or its enrolled students;
 - (iii) The approved organization shall maintain separate books of accounts in respect of the sums received by it for scientific research, reflect therein the amounts used for carrying out research, get such books audited by an accountant as defined in the explanation to sub-section (2) of Section 288 of the said Act and furnish the report of such audit duly singed and verified by such accountant to the Commissioner of Income-tax or the Director of Income-tax having jurisdiction over the case, by the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of Section 139 of the said Act;
 - (iv) The approved organization shall maintain a separate statement of donations received and amounts applied for scientific research and a copy of such statement duly certified by the auditor shall accompany the report of audit referred to above.
 - 2. The Central Government shall withdraw the approval if the approved organization:—
 - (a) fails to maintain separate books of accounts referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
 - (b) fails to furnish its audit report referred to in sub-paragraph (iii) of paragraph 1; or
 - (c) fails to furnish its statement of the donations received and sums applied for scientific research referred to in sub-paragraph (iv) of paragraph 1; or
 - (d) ceases to carry on its research activities or its research activities are not found to be genuine; or
 - (e) ceases to conform to and comply with the provisions of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the said Act, read with rules 5C and 5B of the Rules.

. [Notification No. 22/2009/F. No. 203/32/2008/ITA-II] PADAM SINGH, Under Secy.

895 GI/09-3

कार्यालय मुख्य आयकर आयुक्त

जयपुर, 25 फरवरी, 2009

सं.16/2008-09

का,आ. 548.—आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43वां) की धारा 10 के खण्ड (23 सी) की उपधारा (vi) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर एतदद्वारा निर्धारण वर्ष 2007-08 एवम आगे के लिए कथित धारा के उददेश्य से "श्री बागडिया बाल विद्धा निकेतन, लक्ष्मणगढ़, जिला-सीकर" को स्वीकृति देते हैं।

बशर्ते कि समिति आयकर नियम 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के खण्ड (23 सी) की उपधारा (vi) के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करे।

[क्रमांक:मुआआ/अआआ/(मु.)जय/10(23सी)(vi)/08-09/4105]

बी.एस. ढिल्लों, मुख्य आयकर आयुक्त

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX

Jaipur, the 25th February, 2009

No. 16/2008-09

S.O. 548.—In exercise of the powers confered by sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) read with rule 2CA of the Incometax Rules, 1962 the Chief Commissioner of Incometax, Jaipur hereby approves "Shri Bagaria Bal Vidya Niketan, Laxmangarh, Distt.-Sikar" for the purpose of said section for the A.Y. 2007-08 & onwards.

Provided that the society conforms to and complies with the provisions of sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962.

[No.CCTT/JPR/Addl.CTT(Hars.V10(23C)(vi)/2008-09/4105]

B. S. DHILLON, Chief Commissioner of Income-tax

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2009

का,आ. 549,—केन्द्रीय सरकार तंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के बाद एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थात् :

2. राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलुरू से संबंधित दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूचि के भाग-I में निम्निलिखित डेंटल कालेजों के बारे में क्रमांक 49 के XIV एवं XVI के सामने कालम 2 एवं 3 की वर्तमान प्रविष्टियों के अंतर्गत निम्निलिखत प्रविष्टियां उसके नीचे रखी जाएंगी, अर्थात :—

"(ii) दंत शल्य क्रिया निष्णात संरक्षण दंत चिकित्सा (यदि 6-5-2008 को या इसके बाद प्रदान की गई हो)

एम डी एस (कोन. डेंनटिस्ट्री) राजीव गांधी यूनिवर्सिटी आफ हैल्थ साइंसिज, बंगलुरू, (आर जी यू ओ एच एस)

आर्थोडोनटिक्स (यदि 6-5-2008 को या इसके बाद प्रदान की गई हो) एम डी एस (आर्थोडोनटिक्स) राजीव गांधी यूनिवर्सिटी आफ हैल्थ साइंसिज, बंगलुरू, (आर जी यू ओ एच एस)"

सामुदायिक दंतचिकित्सा (यदि 06-05-2008 को या इसके बाद प्रदान की गई हो) एम डी एस (कम्युनिटी डेनटिस्ट्री) राजीव गांधी यूनिवर्सिटी आफ हैल्थ साइंसिज, बंगलुरू, (आर जी यू ओ एच एस)"

XVI कृष्ण देव राय दंत चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, बंगलुरू

''दंत शल्य क्रिया निष्णात ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी (यदि 6-5-2008 को या इसके बाद प्रदान की गई हो) - एम डी एस (ओरल एंड मैक्सि-लोफेशियल सर्जरी) राजीव गांधी यूनिवर्सिटी आफ हैल्थ साइंसिज, बंगलुरू, (आर जी यू ओ एच एस)

आर्थोडोनटिक्स (यदि 6-5-2008 को या इसके बाद प्रदान की गई हो) एम डी एस (आथोंडोनटिक्स) राजीव गांधी यूनिवर्सिटी आफ हैल्थ साइंसिज, बंगलुरू, (आर जी यू ओ एच एस)

पेरियोडोनटिक्स (यदि 6-5-2008 को या इसके बाद प्रदान की गई हो) एम डी एस (पेरियोडोनटिक्स) राजीव गांधी यूनिवर्सिटी आफ हैल्थ साइंसिज, बंगलुरू, (आर जी यू ओ एच एस)''

[सं.वी.12017/08/2004-डी ई]

राज सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTHAND FAMILY WELFARE (Department of Health and Family Welfare)

New Delhi, the 16th February, 2009

S.O. 549.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely:—

2. Under the existing entries of column 2 and 3 against XIV and XVI of serial No. 49 in respect of the following dental colleges in part-I of the Schedule to the

Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore, the following entries shall be inserted thereunder :-

XIV A.E.C.S. Maaruti College of Dental Sciences and Research Centre, Bangalore

"(ii) Master of Dental Surgery

Conservative Dentistry (If granted on or after 6-5-2008)

MDS (Con. Dentistry) Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore, (RGUOHS)

Bangalore, (RGUOHS)

Orthodontics

(If granted on or after 6-5-2008)

MDS (Orthodontics) Rajiv Gandhi University of Health Sciences.

Community Dentistry

MDS (Community (If granted on or after 6-5-2008) Dentistry) Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore, (RGUOHS)"

XVI Krishnadevaraya College of Dental Sciences and Hospital, Bangalore

"(ii) Master of Dental Surgery Oral and Maxillofacial Surgery

(If granted on or after 6-5-2008)

MDS (Oral and Maxillofacial Surgery) Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore, (RGUOHS) MDS (Orthodontics)

Orthodontics

(If granted on or after 6-5-2008)

Rajîv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore, (RGUOHS)

Periodontics

(If granted on or after 6-5-2008)

MDS (Periodontics) Rajiv Gandhi University of Health Sciences, Bangalore, (RGUOHS)"

[No.V-12017/08/2004-DE] RAJ SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2009

का.आ. 550.—केन्द्रीय सरकार दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद से परामर्श करने के बाद एतदुद्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-। में निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थातु:

2. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-! में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा प्रदान की जाने वाली डेंटल डिग्नियों को मान्यता दिए जाने के संबंध में क्रम संख्या 72 के सामने स्तम्भ 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अंतर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियां शामिल की जाएंगी :---

"4. जोधपुर डेंटल कॉलेज, सामान्य अस्पताल, जोधपुर

(i) दंत शल्य चिकित्सा स्नातक (यदि यह 6-10-2007 को अथवा इसके उपरांत प्रदान की गई हो ।)

बीडीएस. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, ज्यपर''

[संवी.12017/53/2002-डी ई] राज सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 2009

S.O. 550 .—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :-

2. In the existing entries of column 2 & 3 against Serial No. 72, in part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to recognition of dental degrees awarded by Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur, the following entries shall be inserted thereunder :--

"IV Jodhpur Dental College, General Hospital, Jodhpur

(i) Bachelor of Dental Surgery (When granted on or after 6-10-2007)

BDS, Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur."

[No. V-12017/53/2002-DE] RAJ SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2009

का.आ. 551,-केन्द्रीय सरकार दंत चिकित्सक अधिनियम. 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद से परामर्श करने के बाद एतदृद्वारा उक्त अधिनियम की अनुसची के भाग-I में निम्नलिखित और संशोधन करती है: अर्थात:

2. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-! में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) के संबंध में क्रम संख्या 71 के सामने स्तम्भ 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अंतर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियां शामिल की जाएंगी :---

"II. गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज, रायपुर छत्तीसगढ़

(i) दंत शल्य चिकित्सा स्नातक बीडीएस, पं. रविशंकर (यदि यह 5-10-2007 को अथवाः शक्ल विश्वविद्यालय, इसके उपरांत प्रदान की गई हो ।) रायपुर (छत्तीसगढ्)''

> [संवी.12017/43/2002-डी ई] राज सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 2009

- S.O. 551.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :-
- 2. In the existing entries of column 2 & 3 against Serial No. 71, in part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to Pt. Ravishankar Sukla University, Raipur (Chhattisgarh), the following entries shall be inserted thereunder :-

"II. Government Dental College, Raipur, Chhattisgarh.

Bachelor of Dental Surgery BDS, Pt. Ravishankar (When granted on or after 5-10-2007)

Sukla University, Raipur (Chhattisgarh)"

[No. V-12017/43/2002-DE] RAJ SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2009

का.आ. 552. केन्द्रीय सरकार दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद से परामर्श करने के बाद एतदुद्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-। में निम्नलिखत और संशोधन करती है; अर्थात :-

2. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा प्रदान की जाने वाली डेंटल डिग्रियों को मान्यता दिए जाने के संबंध में क्रम संख्या 69 के सामने स्तम्भ 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अंतर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी :---

"2. आर.के.डी.एफ.डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल, मध्य प्रदेश

(i) दंत शल्य चिकित्सा स्नातक बीडीएस, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल" (यदि यह 12-3-2008 को अथवा इसके उपरांत प्रदान की गई हो 1)

> [सं.वी.-12017/11/2002-डी ई] राज सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 2009

- S.O. 552.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :--
- 2. In the existing entries of column 2 & 3 against Serial No. 69, in part-I of the Schedule to the Dentists Act,

1948 (16 of 1948) pertaining to recognition of Dental Degrees awarded by Barkatullah University, Bhopal, the following entries shall be inserted thereunder :-

"II. RKDF Dental College & Research Centre, Bhopal, Madhya Pradesh.

Bachelor of Dental Surgery BDS, Barkatullah (When granted on or after University, Bhopal" 12-3-2008)

> [No. V-12017/11/2002-DE] RAJ SINGH, Under Secy.

(दंत शिक्षा अनुभाग) नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2009

का.आ. 553.—दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) के खंड (ङ) के अनुसरण में डा. अनिल कुमार चांदना को भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद के सदस्य के रूप में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा नामित किया गया है ।

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 3 के खंड (ङ) के अनुसरण में केंद्र सरकार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में भारत सरकार के दिनांक 24 जनवरी, 1984 की अधिसचना सं. का. आ. 430 में एतदहारा निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसुचना में शीर्षक "धारा 3 के परंतुक के साथ पठित खंड (ङ) के अधीन नामित" के नीचे क्रमांक 20 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित को उसमें रखा जाएगा अर्थात् :---

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र "20 डा. अनिल कुमार चांदना, दिल्ली सरकार जे-5/6], (दूसरा तल), राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027

> [सं.वी.-12013/1/2001-डो ई] राज सिंह, अवर सचिव

(Dental Education Section)

New Delhi, the 18th February, 2009

S.O. 553 .- Whereas in pursuance of clause (e) of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), Dr. Anil Kumar Chandna has been nominated by the Government of National Capital Territory of Delhi to be member of the Dental Council of India.

Now, therefore, in pursuance of clause (e) of Section 3 read with sub-section (1) of section 6 of the said Act the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare, No. S.O. 430 dated 24th January, 1984 namely: -

In the said notification under head "Nominated under clause (e) read with proviso to Section 3" for serial No. 20 and the entries relating thereto, the following shall be substituted therein, namely:—

"20. Dr. Anil Kumar, Nominated

Government 16-11-2006"

Chandna J-5/61, (2nd Floor),

of National Capital

Rajouri Garden New Delhi-110027 Territory of Delhi.

[F. No. V-12013/1/2001-DE] RAJ SINGH, Under Secy.

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2009

का. आ. 554.— मैसर्स श्रेराप्यूटिक्स केमिकल रिसर्च कार्पोरेशन जिनका प्रचालन पता वार्ड संख्या 8, प्लॉट संख्या 17, दुर्गाचौक कालोनी मार्केट, हाल्दिया, वेस्ट बंगाल, पिन - 721602 ने केंदीय सरकार को निनिप की निरीक्षण अभिकरण मान्यता योजना, 2002 के अधीन निरीक्षण अभिकरण की मान्यता के लिए आवेदन किया है;

और, केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त मैसर्स थैराप्यूटिक्स केमिकल रिसर्च कार्पोरेशन निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा . 7 की उपधारा (1) के प्रयोजन के लिए निरीक्षण अधिकरण के रूप में कार्य करने के लिए उपयुक्त है;

अत: अब केंद्रीय सरकार, निर्यात (क्वासिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1964 के नियम 12 के उपनियम (2) के अनुसरण में और निर्यात (क्वासिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स धैराप्यूटिक्स केमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए, भारत सरकार के तत्कालीन वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 तारीख 20 दिसम्बर, 1965 में उपाबद्ध अनुसूची में विनिदिष्ट खनिज और अयस्क, (समूह-1) अर्थात् लौह अयस्क और मैंगनीज अयस्क, मैंगनीज डॉयआक्साइड को छोड्कर के निर्यात से पूर्व निम्नलिखित शतों के अधीन हिल्दया में, खनिजों और अयस्कों का निरीक्षण करने के लिए एक अधिकरण के रूप में मान्यता प्रदान करती है, अर्थात :—

- (i) यह कि उक्त मैसर्स थैराप्यूटिक्स केमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, खनिज और अयस्क, समूह-I (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अधीन निरीक्षण का प्रमाण-पत्र देने के लिए उनके द्वारा अपनाई गई पद्धति की जांच करने के लिए, इस निमित्त निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा नाम निर्देशित अधिकारियों को पर्याप्त सुविधाएं देगा;
- (ii) यह कि उक्त मैसर्स थैराप्यूटिक्स केमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के अनुपालन में निदेशक (निरीक्षण और क्वालिटी

नियंत्रण), निर्यात निरीक्षण परिषद्, द्वारा समय-समय पर लिखित में दिए गए निर्देशों से आबद्ध होगा।

[फा. सं. 5/23/08-ईआई एण्ड ईपी]

किरण पुरी, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

New Delhi, the 3rd March, 2009

S.O. 554.—Whereas M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation having their operating address at Ward No. 8, Plot No. 17, Durgachowk Colony Market, Haldia, West Bengal, PIN-721602 has applied to the Central Government for recognizing them as an Inspection Agency under EIC Inspection Agency Recognition Scheme, 2002.

And whereas, the Central Government is satisfied that the said M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation is fit to act an inspection agency for the purpose of sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) read with sub-rule (2) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government hereby recognizes the said M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation as an agency for a period of three is swith effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette, for inspection of Minerals and Ore at roup-I), namely, Iron Ore and Manganese Ore excluding Langanese Dioxide, as specified in the Schedule annexed to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Commerce number S.O. 3975 dated the 20th day of December, 1965, prior to the export of the said Minerals and Ores at Haldia, subject to the following conditions, namely:—

- (i) that the said M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export of Minerals and Ores, Group-I (Inspection) Rules, 1965; and
- (ii) that the said Mis. Therapeutics Chemical Research Corporation in the performance of their functions under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control), Export Inspection Council may give in writing from time to time.

[F. No. 5/23/08-EI & EP] KIRAN PURI, Director

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

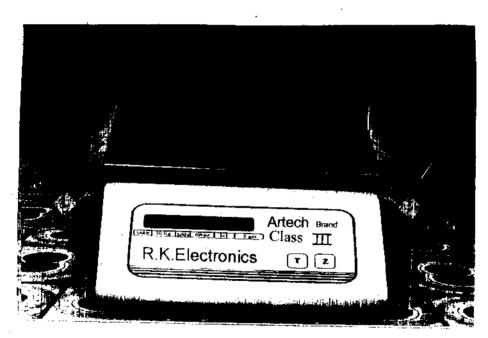
(उपभोक्ता भामले विभाग)

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 2008

का.आ. 555.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अविध में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनयम को धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स आर.के. इलैक्ट्रॉनिक्स, इन्दु बँगला के सामने, मणिभाई, सावरकुण्डला-364515, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आरके-टी 213" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "आरटैक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/469 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (टेबलटाप प्रकार) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि. ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन भाषमान अंतराल (ई) 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्टस, और 50 हर्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।



मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

तोलन उपकरण के इंडिकेटर पर दिए गए दो बिन्दुओं पर स्टाम्पिंग प्लेट के पास सीलिंग की जाती है। सील तोड़े बिना उपकरण को खोला नहीं जा सकता। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 कि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सिहत 50 कि. ग्रा. की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10[‡], 2×10[‡] या 5×10[‡], के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णोंक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(158)/2008] आर. माथुरब्र्थम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

New Delhi, the 30th December, 2008

S.O. 555.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication of "RK-T 213" series of medium accuracy (accuracy class-III) and with brand name "ARTECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. R.K. Electronics, Opp. Indu Bunglow, Manibhai Chowk, Savarkundala-364515, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/469;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with a maximum capacity of 30 kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.

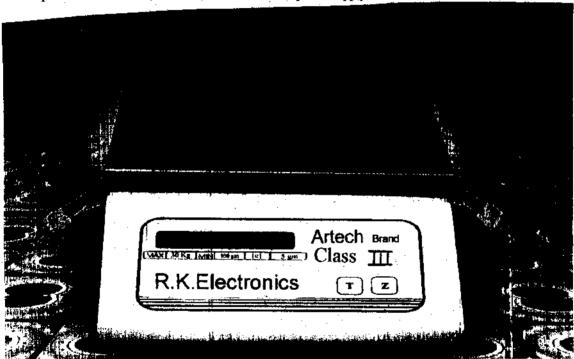


Figure 2. Sealing diagram of the model.

Sealing is done near the stamping plate for which two points are given on the body of the weighing instrument. The instrument cannot be opened without tampering the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100 mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k or 5×10^k , where k is a positive or nagative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (158)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 2008

का.आ. 556.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अविध में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए मैसर्स आर.के. इलैक्ट्रोनिक्स, इन्दु बँगला के सामने, मणिभाई, सावरकुण्डला-364515, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आरके.-पी 411" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "आरटैक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/470 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्त्रचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 100 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट्स, और 50 हट्जं प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।



मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

तोलन उपकरण के इंडिकेटर पर दिए गए दो बिन्दुओं पर स्टाम्पिंग प्लेट के पास सीलिंग की जाती है। सील तोड़े बिना उपकरण को खोला नहीं जा सकता। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सिंहत 50 कि. ग्रा. से अधिक और 5000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^क, 2×10^क या 5×10^{के}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या स्नुत्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(158)/2008] आर. माथुरबुथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 30th December, 2008

S.O. 556.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Plateform type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of Series "RK-P411" and with brand name "ARTECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. R.K. Electronics, Opp. Indu Bunglow, Manibhai Chowk, Savarkundala-364515, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/470;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Plateform type) with a maximum capacity of 1000 kg and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternate current power supply.

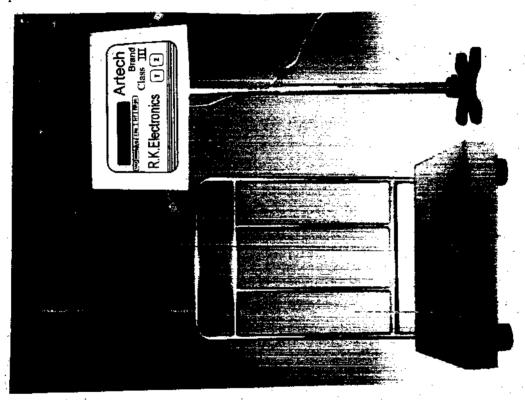


Fig. 2 sealing provision of the indication of model 7.

Sealing is done near the stamping plate for which two points are given on the body of the indicator of the weighing instrument. The indicator can not be opened without tampering the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg and up to 5000kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k or 5×10^k , where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (158)/2008]

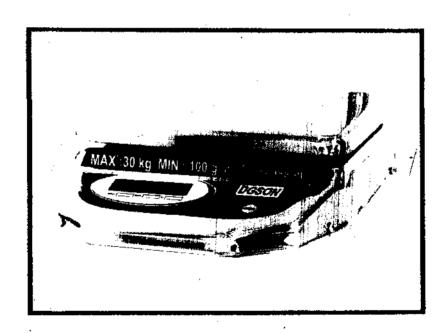
R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 2008

का.आ. 557.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्रधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा:

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए मैसर्स अंकुर इंटरप्राइजिज, "कुणाल" आई हास्पिटल रोड, नियर बाला हनुमानजी, सावरकुण्डला-364515 गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "AE-030" शृंखला के अस्वचालित, अंकक सूचन सिंहत तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "DGSON" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/173 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (टेबल टाप प्रकार) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि. ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट्स, और 50 हट्जं प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।



मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

तोलन उपकरण को सीलबंद करने के लिए इसके **बाई तथा दायीं तरफ तल तथा शीर्ष** पर छेद किए जाते हैं तथा इन छेदों के जरिये एक सील तार लगाई जाती है और जिस पर सीसा सील लगाई जाती है । **मॉडल को सीलबंद क**रने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 मि. ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{के}, 2×10^{के} या 5×10^{के}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(39)/2008] आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 30th December, 2008

S.O. 557.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of "AE-030" series of medium accuracy (accuracy class-III) and with brand name "DGSON" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Ankur Enterprises, "Kunal" Eye's Hospital Road, Nr. Bala Hanumanji, Savarkundala-364515, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/173;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (tabletop type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 5 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

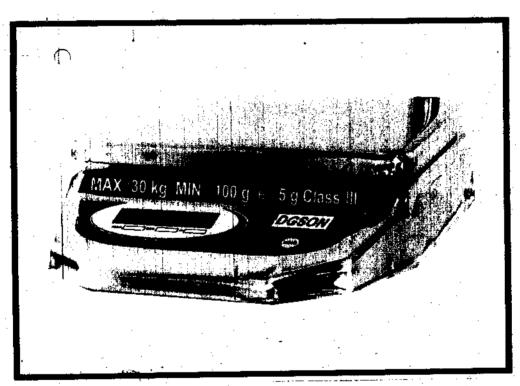


Figure-2: Sealing diagram of the model.

For sealing the holes are drilled at the bottom and the top cover of the weighing instrument from the left and right side and a seal wire is passed through these holes upon which a lead seal is applied. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10000 for 'e' value of 100 mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5 g. or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k or 5×10^k , where k is a positive or nagative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (39)/2008]

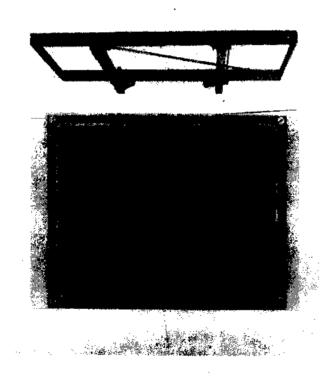
R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 30 **दिसम्ब**र, 2008

का.आ. 558.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अविध में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए मैसर्स पावर बिल्ड लिमिटेड, पी.ओ. बॉक्स # 28, आनन्द सोजित्रा रोड, विठल उद्योगनगर-388121, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग I वाले "माइक्रोसॉफ्ट मेट इंटीग्रेटर" शृंखला के निरंतर गणना करने वाला स्वचालित तोलन उपकरण (बेल्ट व्हीयर) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "माइक्रोसॉफ्ट मेट इंटीग्रेटर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/504 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है;

ं उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित निरंतर गणना करने वाला (बेल्ट व्हीयर) बेल्ट कन्वेयर, वेइंग सिस्टम और इलेक्ट्रोनिक कंट्रोल पैनल सिंहत स्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता Q_{max} 1600 टन/घंटा और न्यूनतम क्षमता Q_{max} 320 टन/घंटा है और मापमान अंतराल (डी) 0.01 टन और स्पीड 3m/s है। उपकरण 230 वोल्ट्स, 50 हर्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।



मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

सीलिंग मुंथित धातु के तार और लीड सील से की जाती है जिसे संस्थापन के स्थान पर किया जाता है। मॉडल को सीलबंद करने का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के स्वचालित निरंतर गणना करने वाले तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी क्षमता 5000 टन/घंटा है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(153)/2008]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 30th December, 2008

S.O. 558.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of Continuous Totalizing Automatic Weighing Instrument (Belt Weigher) belonging to accuracy class-1 of 'Micro Mate Integrator' series with brand name "Micro Mate Integrator" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Power Build Limited, P.O. Box #28, Anand-Sojitra Road, Vithal Udyognagar-388121, Vallabh Vidyanagar, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/504;

The said model is a strain gauge type load cell based Continuous Totalizing Automatic Weighing Instrument (Belt Weigher) along with belt conveyor, weighing system and electronic control panel. Its maximum capacity Q_{max} is 1600 tonne/hour and minimum capacity Q_{min} is 320 tonne/hour and scale interval (d) is 0.01 tonne and speed is 3m/s. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

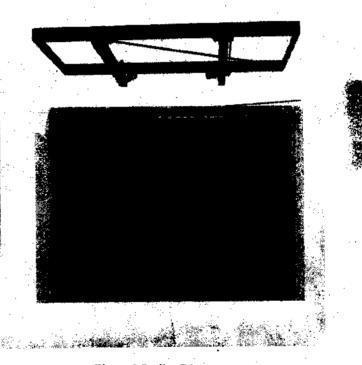


Figure-2 Sealing Diagram

For sealing is done with twisted metal wire and lead seal which is to be done at the place of installation. A schematic diagram of sealing provision is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the continuous Totalizing Automatic Weighing Instrument of similar make, accuracy and performance of same series with capacity up to 5000 tonne/hour manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (153)/2008]

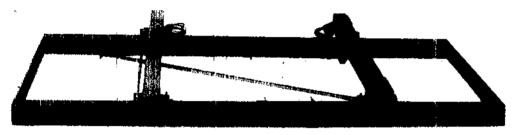
R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

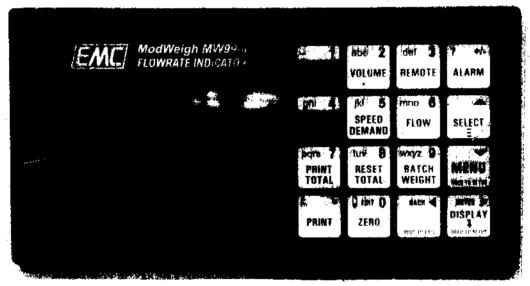
नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 2008

का.आ. 559.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अविध में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स पावर बिल्ड लिमिटेड, पी.ओ. बॉक्स # 28, आनन्द सोजिज्ञा रोड, विठल उद्योग नगर-388121, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग-0.5 वाले "मोडवे" शृंखला के निरंतर गणना करने वाला स्वचालित तोलन उपकरण (बेल्ट व्हीयर) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "मोडवे" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/08/581 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित निरंतर गणना करने वाला (बेल्ट व्हीयर) बेल्ट कन्वेयर, वेइंग सिस्टम और इलेक्ट्रोनिक कंट्रोल पैनल सिहत स्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता Q_{\max} 1600 टन/घंटा और न्यूनतम क्षमता Q_{\min} 320 टन/घंटा है और मापमान अंतराल (डी) 0.01 टन और स्पीड 3m/s है। उपकरण 230 वोल्ट्स, 50 हर्ड प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।





मॉडल को सीलिंग करने के प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

सीलिय गुंथित धातु के तार और लीड सील से की जाती है जिसे संस्थापन के स्थान पर किया जाता है। मॉडल को सीलबंद करने का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के स्वचालित निरंतर गणना करने वाले तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी क्षमता 5000 टन/घंटा है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(153)/2008]

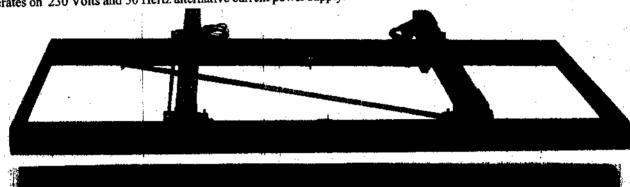
आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक भाप विज्ञान

New Delhi, the 30th December, 2008

S.O. 559.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of Continuous Totalizing Automatic Weighing Instrument (Belt Weigher) belonging to accuracy class-10.5 of "Modweigh" series with brand name "Modweigh" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Power Build Limited, P.O. Box #28, Anand-Sojitra Road, Vithal Udyognagar-388121, Vallabh Vidyanagar, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/08/581;

The said model is a strain gauge type load cell based Continuous Totalizing Automatic Weighing Instrument (Belt Weigher) along with belt conveyor, weighing system and electronic control panel. Its maximum capacity Q_{\max} is 1600 tonne/hour and minimum capacity Q_{\min} is 320 tonne/hour and scale interval (d) is 0.01 tonne and speed is 3m/s. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.



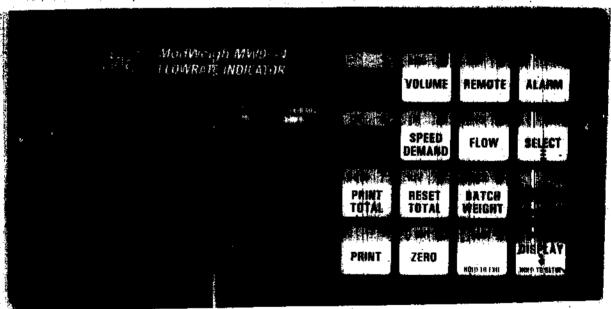


Figure-2 Sealing Diagram

The sealing is done with twisted metal wire and lead seal which is to be done at the place of installation. A schematic diagram of sealing provision is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the continuous Totalizing Automatic Weighing Instrument of similar make, accuracy and performance of same series with acpacity up to 5000 tonne/hour manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (153)/2008]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2009

का. आ. 560 .—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानक(कों) में संशोधन किया गया/किये गये हैं:---

अनुसुची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक(कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 7098(भाग 1) : 1988 की संशोधन संख्या 3	03, नवम्बर, 2007	13-02-2009

इन भारतीय संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली; कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : ईटी 09/टी-43]

प्रकाश बचानी, वैज्ञानिक-ई एवं प्रमुख (विद्युत तकनीकी वि.)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 19th February, 2009

S.O. 560.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendment to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been issued:—

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Year of the Indian Standards	No. and Year of the Amendments	Date from which the Amendments shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 7098 (Part 1): 1988 Specification for Crosslinked Polyethylene Insulated PVC Sheathed Cables Part 1 For working voltages up to and including 1100 V (First Revision)	03, November, 2007	13-02-2009

Copy of these Amendments are available with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: ET 09/T-43]

PRAKASH BACHANI, Sc. E & Head (Electrotechnical Department)

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 2009

का. आ. 561.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :—

अनुसूची				
क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि	
(1)	(2)	(3)	(4)	
1.	आई एस 15807 भाग 1: 2008 लिग्नाइट के पेट्रोग्राफिक विश्लेषण की पद्धतियाँ भाग 1 लिग्नाइट के पेट्रोग्राफिक विश्लेषण से संबंधित पारिभाषिक शब्दों की परिभाषा	कुछ नहीं	अक्तूबर, 2008	

इस भारतीय मानक की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली- 110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों: अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : पीसीडी/जी-7 (गजट)]

डा. (श्रीमती) विजय मलिक, निदेशक एवं प्रमुख (पी सी डी)

New Delhi, the 20th February, 2009

S.O. 561.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each:—

SCHEDULE

Sl. No.	No and Year and title of the Indian Standards Established	No and Year of Inc Superseded by the I	Date of Established	
(1)	(2)	(3)		(4)
1.	IS 15807 (Part 1): 2008 Methods of Petrographic Analysis of Lignite Part 1 Definition of terms Relating to Petrographic Analysis of Lignite	None	Octob	er, 2008

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi- 110002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: PCD/G-7 (Gazette)]

DR. (SMT.) VIJAY MALIK, Director & Head (PCD)

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 2009

का.आ. 562.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानकों में संशोधन किये गये हैं :—

अनुसूची

क्रम. संख्या	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
1	2	3	4
<u> </u>	आई एस 12592: 2002	2, दिसम्बर, 2008	01 मार्च, 2009

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों: अहमदाबाद, बंगलौर, मोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : सीईडी/राजपत्र]

ए, के. सैनी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियरी)

New Delhi, the 20th February, 2009

S.O. 562.— In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies the amendments to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued:

SCHEDULE

Sl. No. No. and year of the Indian Standards	No. and year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1) (2)	(3)	(4)
1. IS 12592:2002	2, December, 2008	1March 2009

Copy of these amendments are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: CED/Gazette]

A.K. SAINI, Sc. 'F' & Head (Civil Engg.)

(जयपुर शाखा कार्यालय)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2009

का. आ. 563.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के नियम (4) के उप नियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेन्सों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिये गए हैं :-

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस सं.	चालू तिथि	लाइसेंसधारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्षक व संबंधित भारतीय मानक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	8976618	27-10-2008	मैसर्स राजधानी डिस्ट्रीब्यूटर्स, प्लॉट नं. 4, नारायण पुरी खातीपुरा, जयपुर- 302006 (राजस्थान)	374:1979 इलेक्ट्रिक सीलिंग फैन्स एण्ड रैग्यूलेटर्स
2	8977923	31-10-2008	मैसर्स अपार पॉवर केंबल्स (प्रा.) लि. एफ-540, रोड नं. 1, डी, वि.औ. क्षेत्र, जयपुर-302013 (राजस्थान)	7098 (भाग 1) :1988 एक्सएलपीई इन्सुलेटेड पीवीसी केबल्स
3	8978723	07-11-2008	मैसर्स मिलबोर्न स्विच गियर्स (प्रा.) लि. 36-सी, सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर- 302006 (राजस्थान)	13947 (भाग 3) : 1993 लो वोल्टेज स्विचिगयर एण्ड कन्ट्रोलगियर
4	8979018	11-11-2008	मैसर्स गोला स्टील एण्ड कास्टिंग प्रा.लि. ए-बी रोड, गॉव-आदलपुर, जिला-धौलपुर (राजस्थान)	1729:2002 कास्ट आयरन/डक्टाईल आयरन ड्रेनेज पाइप्स एण्ड पाइप फटिंग्स
5	8979119	11-11-2008	मैसर्स ममता इण्डस्ट्रीज़, एच-424, औद्योगिक क्षेत्र खुशखेडा, भिवाडी, जिला-अलवर (राजस्थान)	14543:2004 पैकेज्ड ड्रिकिंग वॉटर
6	8979220	11-11-2008	मैसर्स श्री बेवरेजेस, ई-9 औद्योगिक क्षेत्र, परबतपुरा माखुपुरा विस्तार, अजमेर -305002 (राजस्थान)	14543:2004 पैकेज्ड ड्रिकिंग वॉटर

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
7	8979321	11-11-2008	मैसर्स गोला स्टील एण्ड कास्टिंग प्रा.लि. ए-बी रोड, गॉव- आदलपुर, जिला- धोलपुर, (राजस्थान)	3989: 1984 सैन्ट्रिफ्यूगल कास्ट (स्पन) आयरन स्पाइगोट एण्ड सॉकेट
8	8979422	11-11-2008	मैसर्स कोचर एग्रो इण्डस्ट्रीज प्रा. लि. ए-22, एम.आई. ए., अलवर-301030 (राजस्थान)	3975:1999 माइल्ड स्टील वायर्स, फोर्म्ड वायर्स एण्ड टेप्स फॉर आरमरिंग आफ केबल्स
9	8980710	12-11-2008	मैसर्स डी.एस. इण्डस्ट्रीज एफ -424(ए), मरूधर औद्योगिक क्षेत्र फेज-II, बासनी, जोधपुर (राजस्थान)	14927:(भाग 2): 2001 केबल ट्रॉकेंग एण्ड डक्टाईल सिस्टम्स फॉर इलैक्ट्रिकल इन्स्टालेशन
10	8981611	17-11-2008	मैसर्स कैपिटल स्टील्स एण्ड कैमीकल्स (प्रा.) लिमिटेड प्लॉट नं. 148, बैनाडा मोड़, गॉव-शान्तिपुर, पी.ओ. मानसरखेडी बस्सी, जिला-जयपुर- 303301 (राजस्थान)	2645:2003 इन्टीग्रल सीमेन्ट वॉटरप्रूफिंग कम्पाउण्ड
11	8982411	17-11-2008	मैसर्स श्री राठी स्टील (दक्षिण) प्रा.लि. एसपी-ए-1, रीको औद्योगिक क्षेत्र, खुशखेडा, भिवाडी जिला-अलवर (राजस्थान)	1786:1985 एचएसडी स्टील बार्स एण्ड वायर्स फॉर कंक्रीट रिइनफोर्समेंट
12	8981712	18-11-2008	मैसर्स शिव दत्त राय लिखमी चन्द ज्वैलर्स गढ चौराहे के पास, मेन मार्केट चूरू– 331001 (राजस्थान)	1417:1999 स्वर्णाभूषणों की हॉलमार्किंग
13	8981813	18-11-2008	मैसर्स संजय बैराठी जैम्स लिमिटेड 401, एमराल्ड टॉवर, के.जी.बी.का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर (राजस्थान)	1417:1999 स्वर्णाभूषणों की हॉलमार्किंग
14	8982007	19-11-2008	मैसर्स पीएसजे ज्वैलर्स प्रा.लि. प्लॉट नं. 19, शिवराज निकेतन, गौतम मार्ग, वैशाली सर्किल, वैशाली नगर, जयपुर-302021 (राजस्थान)	1417:1999 स्वर्णाभूषणों की हॉलमाकिंग
15	8982108	20-11-2008	मैसर्स पालीवाल सन्स डेयरी प्रा.लि. प्लॉट नं. एफ-475-76, जी 463-64, ग्रोथ सैन्टर एक्सटेंशन, रीको, धौलपुर-328001 (राजस्थान)	13334(भाग 1):1998 स्किम्ड मिल्क पाठडर-स्टैण्डर्ड ग्रेड

	068	THE GAZETTE	OF INDIA: MARCH 7,	2009/PHALGUNA 16.	1930
--	-----	-------------	--------------------	-------------------	------

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
16	8982209	21-11-2008	मैसर्स सनराईज केबल्स एण्ड कण्डक्टर्स बी-1, मनु विहार रोड नं. 9एफ-2 लेन के पीछे वि.औ.क्षेत्र, जयपुर-302013 राजस्थान	398 (भाग 2): 1996 एसीएसआर
17	8972509	19-11-2008	मैसर्स श्री श्याम एण्टरप्राईजेज ए-405 बी-1, रोड नं. 9एफ वि.औ.क्षेत्र, जयपुर-302013 (राजस्थान)	15500 (भाग 7):2004 डीपवैल हैण्ड पम्पस, कम्पोनेन्ट्स एण्ड स्पेशल टूल्स- रबर कम्पोनेन्ट्स
	•			[सं. सी एम डी/13:11] पी.के. गम्भीर, उपमहानिदेशक (मुहर)

(Jaipur Branch Office)

New Delhi, the 23rd February, 2009

S.O. 563.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards Certification Regulation, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licence particulars of which are given in the following schedules.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Operative Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by the licences and the relevant IS: Designation
]	2	3	4	5
	November 200	8		
1	8976618	27-10-2008	M/s Rajdhani Distributors Plot No.4, Narayan Puri Khatipura Jaipur-302006 Rajasthan	374:1979 Electric Celling Type Fans & Regulators
2	8977923	31-10-2008	M/s Appar Power Cables (Pvt.) Ltd. F-540, Road NoID, V.K.I. Area Jaipur-302013 Rajasthan	7098 (Part 1): 1988 XLPE Insulated PVC Cables
3	8978723	07-11-2008	M/s Millborn Switch Gears (P) Ltd. 36-C, Sudarshanpura Industrial Area Jaipur-302006 Rajasthan	13947 (Part 3): 1993 Low Voltage Switchgear and Controlgear
4	8979018	11-11-2008	M/s Gola Steel and Casting Pvt. Ltd. A-B Road Village: Adalpur Distt. Dholpur Rajasthan	1729:2002 Cast Iron/Ductile Iron Drainage Pipes & Pipe Fittings
5	8979119	11-11-2008	M/s Mamta Industries H-424, Industrial Area Khushkhera, Bhiwadi Distt. Alwar-301019 Rajasthan	14543: Packaged Drinking Water

1	2	3	4	5
6	8979220	11-11-2008	M/s Shree Beverages E 9, Industrial Area, Parbatpura, Makhupura Extension, Ajmer-305002 Rajasthan	14543: Packaged Drinking Water
7	8979321	11-11-2008	M/s Go1a Steel and Casting Pvt. Ltd. A-B Road Village: Adalpur Distt. Dholpur (Rajasthan)	3989: 1984 Centrifugally Cast (Spun) Iro Spigot and Socket
8	8979422	11-11-2008	M/s Kochar Agro Industries Pvt. Ltd A-22 M.I.A. Alwar - 301030 (Rajasthan)	3975:1999 Mild Steel Wires, Formed Wires and Tapes for Armouring of Cables
9	8980710	12-11-2008	M/s D.S. Industries F-424(A), Marodhar Industrial Area Phase-II, Basni Jodhpur - 342 003 (Rajasthan)	14927(Part 2):2001 Cable Tunking and Ductile Systems for Electrical Installation
10	89816 11	17-11-2008	M/s Capital Steels & Chemicals (P)	2645:2003
			Ltd.	Integral Cement
			Plot No.148, Benara Mord	Waterproofing Compound
			Village: Shantipur	
		•	P.O. Mansarkhedi	
			Bassi, Distt. Jaipur - 303 301	
			Rajasthan	
11	8982411	17-11-2008	M/s Shri Rathi Steel (Dakshin) Pvt Ltd.	1786: 1985
			SP-A-1, RIICO Industrial Area Khushkhera, Bhiwadi Distt. Alwar (Rajasthan)	HSD Steel Bars & Wires for Concrete Reinforcement
12	8981712	18-11-2008	M/s Shiv Dutt Rai Likhami Chand Jewellers Near Garh Choraha, Main Market Churu - 331 00 1 (Rajasthan)	1417: 1999 Hallmarking of Gold Jewellery
13	8981813	18-11-2008	M/s Sanjay Bairathi Gems Limited	1417: 1999
		•	401, Emerald Tower K.G.B. Ka Rasta, Johri Bazar Jaipur (Rajasthan)	Hallmarking of Gold Jewellery
]4 ·	8982007	19-11-2008	M/s PSJ Jewellers Pvt. Ltd.	1417: 1999
			P.No. 19, Shivraj Niketan, Gautam Marg, Vaishali Circle Vaishali Nagar Jaipur - 302 021 (Rajasthan)	Hallmarking of Gold Jewellery
15	8982108	20-11-2008	M/s Paliwal Sons Dairy Private Ltd. Plot No. F-475-76, G-463-64 Growth Centre Extension, RIICO Dholpur - 328001 Rajasthan	13334 (Part 1): 1998 Skimmed Milk Powder - Standard Grade

1	2	3	4	5
16	8982209	21-11-2008	M/s Sunrise Cables & Conductors 1, Manu Vihar Behind Road No. 9F-2 Lane V.K.I. Area, Jaipur - 302013 Rajasthan	398 (Part 2): 1996 ACSR
17	8972509	19-11-2008	M/s Shree Shyam Enterprises A-405 B-1, Road No. 9F V.K.I. Area Jaipur - 302013 Rajasthan	15500 (Part 7):2004 Deepweil Hand Pumps, Components and Special Tools - Rubber Components.

No.CMD/13:11]

P.K. GAMBHIR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2009

का, आ. 564.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के-विनियम 5 के उप विनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतदृद्वारा अधिसूचित करता है कि जिनके विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, को लाइसेंस प्रदान किए गए हैं :

	अनुसूची						
क्रम सं. 	लाइसेंस सं.	वैधता तिथि	पार्टी का नाम एवं पता (कारखाना)	उत्पाद	आई एस सं./भाग/खण्ड/ वर्ष		
1.	7860388	03-10-2008	मिलेनियम बेवरेजेज सर्वे क्र. 39/1 बी विलेज हेडवली (दोलखंब), शहापुर जिला ठाणे-421601	पैक्रेजबंद पीने का पानी (प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	भामा 14543:2004		
2.	7875203	26-09-2008	सिलवासा बेवरेजेज गाला क्र. 1/ए, सर्वे क्र. 2/2/2 गुजरात पावर स्टेशन के सामने मधुबन डैम रोड, कराड़ दादरा और नगर हवेली-396240	पैकेजबंद पीने का पानी (प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	भामा 14543:2004		
3.	7880394	24-09-2008	जोसेफ लेसलाई ड्रेगर मॅन्यू. प्रा.लि. बोरा इण्ड. इस्टेट सागर माथन इण्ड. इस्टेट के नजदीक घोकीवारा, भोईपाडा गाँव, सातीवली रोड वसई (पूर्व) जिला थाणे-401208	श्वसन संरक्षी उपकरण	भामा 14166:1994		
4.	7879716	23-10-2008	संजीवनी फूड एण्ड बेवरेजज शेड सं. 726 (क्र.सं. 240पी) पेलहर गॉव, वसई (पूर्व) जिला ठाणे-401208	पैकेजबंद पीने का पानी (प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	भामा 14543 : 2004		

[सं. के.प्र.वि/13:11] पी.के. गंभीर, उप-महानिदेशक

New Delhi, the 23rd February, 2009

S.O. 564.—In pursuance of sub-regulation (6) of regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given below in the following Schedule:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Licence grant date	Name and Address (factory) of the Party	Product	IS No./Part/Sec./ Year
1.	7860388	03-10-2008	Mellennium Beverages Survey No.39/1/B Village Hedvali (Dolkhamb), Shahpur Dist Thane-421601	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543:2004
. 2.	7875203	26-09-2008	Silvassa Beverages Gala No. 1/A, Survey No. 2/2/2 Opp. Gujarat Power Station Madhubhan Dam Road, Karad Dadra & Nagar Haveli-396240	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	141543:2004
3.	7880394	24-09-2008	Joseph Leslie Drager Mfg. Pvt. Ltd., Vora Indl. Estate Near Sagar Manthan Indl. Estate, Ghokiwara Village Bhoidapada Sativali Road, Vasai (E) Dist Thane-401 208	Respiratory Protective Devices: Full face masks	14166:1994
4.	7 879 716	23-10-2008	Sanjeevani Food & Beverages Shed No. 726 (Sr No.240 P) Village Pelhar, Vasai Dist Thane-401 208	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543:2004

[No.CMD/13:11]

P.K. GAMBHIR, Dy. Director General

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2009

का. आ. 565.—मारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 5 के उप-विनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिनके विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं को लाइसेंस प्रदान किए गए हैं ;

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस सं.	वैधता तिथि	पार्टी का नाम एवं पता (कारखाना)	उत्पाद	आई एस सं./भाग/खण्ड/ वर्ष
1.	7866505	25-11-2008	सागर इन्टरप्राईजेज सी-45, एसटीआईसीई, एमआईडीसी, मुसलगाँव, सिन्नर नासिक-422112	पैकेजबंद पीने का पानी (प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	मामा 14543 :2004
2.	7875506	25-11-2008	सुमीत फ्लोरीन प्रा.लि. प्लॉट सं. 130, श्रीनाथ इण्डस्ट्रीयल इस्टेट संबरोली गाँव, तलसारी, जिला-थाणे-401606	पैकेजबंद पीने का पानी (प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	भामा 14543 :2004

1072		THE GAZETTE	E OF INDIA: MARCH 7, 2009/PH	[PART II—SEC. 3(ii)]	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3.	7883808	04-11-2008	आदित्य इण्डस्ट्रीज प्लॉट सं. 81, रोड सं. 1 और 7 सेक्टर 1/एस, एचडीएफसी बैंक के पीछे, नया पनवेल जिला–रायगढ-410206	पैकेजबंद पीने का पानी (प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	भामा 14543:2004
4.	7885812	11-11-2008	रप्ताकोस ब्रेट एण्ड कं. लि. 1 पोखरण रोड, माजीवाडा `शास्त्री नगर ठाणे (प.) 400606	अनुसरित फार्मूला अनुपूरक आहार	भामा 15757:2007
5.	7887715	19-11-2008	अमेया इन्टरप्राईजेज कृष्णां भवन, कसेली पोस्ट: कलहेर	पैकेजबंद पीने का पानी (प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	भामा 14543:2004
6.	7887816	07-11-2008	साई गणेश एग्रो प्लॉट सं. 108, शिवाजी नगर एमआयडीसी, सतपुर नासिक-422007	फसल संरक्षा उपकरण -हस्त प्रचालित पीठ पर लादा जाने वाला फुहारा, पिस्टन किस्म	भामा 3906:1995

[सं. को.प्र.वि./13:11]

पी.के. गंभीर, उप-महानिदेशक

New Delhi, the 23rd February, 2009

S.O. 565.—In pursuance of sub-regulation (6) of regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given below in the following schedule:

SCHEDULE

Sl No.	Licence No.	Licence grant date	Name and Address (factory) of the Party	Product	IS No./Partr/Sec Year
1	2	3	4	5	6
l.	7866505	25-11-2008	Sagar Enterprises C-45, Stice, MIDC At: Musalgaon, Sinnar Nashik-422112	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543:2004
2,	7875506	25-11-2008	Summit Flourine Pvt. Ltd. Plot No. 130, Shreenath Indl. Estate, Village Savroli, Talasari, Dist Thane-401606	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543:2004
3.	7883808	04-11-2008	Aaditya Industries Plot No. 81, Road No. 1 & 7, Sector 1/S Behind HDFC Bank New Panvel Dist Raigad-410206	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543:2004
4.	7885812	11-11-2008	Raptakos Brett & Co. Ltd. 1st Pokhran Road, Majiwada, Shastri Nagar Thane (W)-400 606	Follow-up Formula- Complementary Foods	15757:2007

1	2	3	4	5	6
5.	7887715	19-11-2008	Ameya Enterprises Krushna Bhuvan, At: Kasheli, Post Kalher	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543:2004
6.	7887816	07-11-2008	Sai Ganesh Agro Tech Pvt. Ltd. Plot No. 108, Shivaji Nagar, Near MIDC Satpur, Nashik-422007	Crop Protection Equipment -Hand Operated Knapsack Sprayer, Piston Type	3906:1995
					[No.CMD/13:11]

P.K. GAMBHIR, Dy. Director General

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2009

का. आ. 566.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 5 के उप विनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिनके विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं को लाइसेंस प्रदान किए गए हैं :

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस सं.	वैधता तिथि	पार्टी का नाम एवं पता (कारखाना)	उत्पाद	आइ एस सं./भाग/खण्ड वर्ष
1.	7868711	02-12-2008	फ्रेश अक्वा मल्टीलिक ए/7–111, प्रितेश कामप्लैक्स, पोस्ट: वाल भिवंडी, जिला थाणे	पैकेजबंद पीने का पानी (प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	भामा 14543:2004
2.	7883505	05-12-2008	अवलांची फूड एण्ड बेवरेजेब प्रा.लि. 11/13 पुराना कापरीहेन्स बिल्डिंग, कमानी, एल.बी.एस. मार्ग, कुर्ला (प.), मुबंई-400070	पैकेजबंद पीने का पानी (प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	भामा 14543:2004

[सं. के. प्रवि./13:11] पी.के. गंभीर, उपमहानिदेशक

New Delhi, the 23rd February, 2009

S.O. 566—In pursuance of sub-regulation (6) of regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given below in the following schedule:

SCHEDULE

SI No.	Licence No.	Licence grant date	Name and Address (factory) of the Party	Product	IS No./Part/Sec. Year
1.	7868711	2-12-2008	Fresh Aqua Multilink A/7-111, Pritesh Complex, At Post: Val Bhiwandi, Dist Thane	Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water) Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543:2004
2.	7883505	5-12-2008	Avalanche Food & Beverages Pvt Ltd 11/13 Old Caprihence Building, Kamani, L.B.S. Marg, Kurla (W) Mumbai-400070		14543:2004
					No.CMD/13

P.K. GAMBHIR, Dy. Director General

नई दिल्ली, 23 फंरवरी, 2009

का. आ. 567.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के नियम (4) के उप नियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेन्सों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिये गए हैं :-

अनस	चा

क्रम सं.	लाइसेंस सं. दिसम्बर 2008	चालू तिथि	लाइसेंसधारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्षक व संबंधित भारतीय मानक
01.	8984718	28-11-2008	मैसर्स बिरधी चन्द घनश्याम दास, 9, लक्ष्मी कॉम्पलैक्स, एम. आई. रोड, जयपुर-302001 राजस्थान	I417: 1999 स्वर्णाभूषणों की हॉलमार्किंग
02.	8984819	01-12-2008	मैसर्स नॉर्थ इण्डिया प्लास्टर, ए-307, आई.जी.सी. खारा, बीकानेर, राजस्थान	2547 (भाग 1): 1976 जिप्सम बिल्डिंग प्लास्टर
03.	8985922	05-12-2008	मैसर्स एस के खेतान पाईप इण्डस्ट्रीज, आराजी नं. 845/782, गांव तिजवाड, डूंगरपुर, राजस्थान	458: 2003 प्री–कास्ट कॉॅंक्रोट पाइप्स (विद एण्ड विदाउट रीइन्फोर्समेंट)
04.	8987522	10-12-2008	मैसर्स अपार पॉवर केबल्स (प्रा.) लि., एफ-540, रोड नं. 1डी, वि.औ. क्षेत्र, जयपुर-302013 राजस्थान	1554 (भाग 1) : 1988 पोवीसी इन्सुलेटेड (एचडी) केबल्स
	8989021	16-12-2008	मैसर्स जैन ज्योति ज्वैलर्स प्रा. लि., मुखीजा मैन्शन, महावीर पार्क के पास, भीलवाड़ा-311001 राजस्थान	1417: 1999 स्वर्णाभूषणों की हॉलमार्किंग
16 .	8988322	17-12-2008	मैसर्स आर.एम. इण्डस्ट्रीज, प्लॉट नं. जी 1-695, रीको औद्योगिक क्षेत्र, भिवाडी-301019, जिला-अलवर, राजस्थान	14543: 2004 पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर
7.	8983716	19-11-2008	मैसर्स एन आर सन्स ज्वैलर्स एण्ड क. प्रा. लि., 942/4, मिश्रा टकसाली मैन्शन, द्वितीय तल, चौड़ा रास्ता, जयपुर, राजस्थान	1417: 1999 स्वर्णाभूषणों की हॉलमार्किंग
8.	8984314	28-11-2008	मैसर्स ओरियन्ट केबल्स (इण्डिया) प्रा. लि., ए-784, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, भिवाडी–301019, जिला–अलवर, राजस्थान	7098 (भाग 1): 1988 क्रॉस लिक्ड पोलीथिलीन इन्सुलेटेड पीवीसी शीथेड केबल्स
9.	8989122	18-12-2008	मैसर्स अग्रवाल उद्योग, एफ-47, बीचवाल औद्योगिक क्षेत्र, बीकानेर-334002, राजस्थान	2547 (भाग 1) : 1976 जिप्सम बिल्डिंग प्लास्टर

ł	n	7	4
1	v		•

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
10.	8989223	18-12-2008	मैसर्स ऑगरा सीमेण्ट वर्क्स (प्रा.) लि., एन.एच. नं. 89, अथियासन अजमेर रोड, नागौर-341001 (राजस्थान)	8112 : 1989 43 ग्रेड ओपीसी
11.	8989324	18-12-2008	मैसर्स श्री नाथ केबल एण्ड कण्डक्टर्स, सी-953, रोड न. 14, वि. औ क्षेत्र, जयपुर-302013 (राजस्थान)	7098 (भाग 1): 1988 क्रॉस लिंब्ड पोलीथिलीन इन्सुलेटेड पीवीसी शीथेड केंबल्स
12.	8991109	22-12-2008	मैसर्स राजधानी डिस्ट्रीब्यूटर्स, प्लॉट नं. 4, नारायण पुरी, खातीपुरा, जयपुर-302006 (राजस्थान)	996 : 1979 सिंगल फेज स्मॉल एसी एण्ड यूनिविर्सल इलैक्ट्रिक मोटर
13.	8991008	22-12-2008	मैसर्स राजस्थान ट्रांसमीशन वायर्स प्रा. लि., ए-190, रोड नं. 1-डी, वि. औ. क्षेत्र, जयपुर-302013 (राजस्थान)	7098 (भाग 1): 1988 क्रॉस लिंक्ड पोलिथिलीन इन्सुलेटेड पीवीसी शीथेड केबल्स

[सं. सी एम डी/13: 11]

पी.के. गम्भीर, उपमहानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 23rd February, 2009

S.O. 567.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification Regulation, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licence particulars of which are given in the following schedules.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-) December 2008	Operative Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by the licences and the relevant IS: Designation
1	2	3	4	5
1.	8984718	28-11-2008	M/s. Birdhi Chand Ghanshyam Das, 9, Lakshmi Complex, M.I. Road, Jaipur-302001 Rajasthan	1417 : 1999 Hallmarking of Gold Jewellery
2.	8984819	01-12-2008	M/s. North India Plaster, A-307, I.G.C. Khara, Bikaner, Rajasthan	2547 (Part 1): 1976 Gypsum Building Plaster
3.	8985922	05-12-2008	M/s. S K Khetan Pipe Industries, Aaraji No. 845/782, Village Tijwad, Dungarpur, Rajasthan	458:2003 Precast Concrete Pipes (With & Without Reinforcement)

1	2	3	· 4	5
.4.	8987522	10-12-2008	M/s. Appar Power Cables (Pvt.) Ltd., F-540, Road No. 1-D, V.K.I. Area, Jaipur-302 013 Rajasthan	1554 (Part 1): 1988 PVC Insulated (HD) Cables
5.	8989021	16-12-2008	M/s. Jain Jyoti Jewellers Pvt. Ltd. Mukhija Mansion, Near Mahaveer Park Bhilwara-311 001 Rajasthan	1417: 1999 Hallmarking of Gold Jewellary
6.	8988322	17-12-2008	M/s. R. M. Industries, Plot No. G1-695, RIICO Industrial Area, Bhiwadi-301 019 Distt. Alwar, Rajasthan	14543 : 2004 Packaged Drinking Water
7.	8983716	19-11-2008	M/s. NR Sons Jeweilers & Co. Pvt. Ltd., 942/4, Mishra Taksali Mansion, 2nd Floor, Chaura Rasta, Jaipur, Rajasthan	1417: 1999 Hallmarking of Gold Jewellery
8.	8984314	28-11-2008	M/s. Orient Cables (India) Pvt. Ltd., A-784, Industrial Area, Phase II, Bhiwadi-301 019 Distt. Alwar Rajasthan	7098 (Part 1): 1988 Crosslinked Polyethylene Insulated PVC Sheathed Cables
9.	8989122	18-12-2008	M/s. Aggarwal Udyog, F-47, Bichwal Industrial Area, Bikaner-334002 Rajasthan	2547 (Part 1): 1976 Gypsum Building Plaster
10.	8989223	18-12-2008	M/s. Angira Cement Works (P) Ltd., N.H. No.89, Athiyasan Ajmer Road, Nagaur-341 001 Rajasthan	8112:1989 43 Grade Ordinary Portland Cement
11.	8989324	18-12-2008	M/s. Shri Nath Cable & Conductors, C-953, Road No. 14, V.K.I. Area, Jaipur-302 103 Rajasthan	7098 (Part I): 1988 Crosslinked Polyethylene Insulated PVC Sheathed Cables
12.	8991109	22-12-2008	M/s. Rajdhani Distributors, Plot No.4, Narayan Puri, Khatipura, Jaipur-302 006 Rajasthan	996:1979 Single phase Small ac and Universal Electric Motors
13.	8991008	22-12-2008	M/s. Rajasthan Transmission Wires Private Limited, A-190, Road No.1-D, Vishwa Karma Industrial Area, Jaipur-302 013 Rajasthan	7098 (Part 1): 1988 Crosslinked Polyethylene Insulated PVC Sheathed Cables

लखनक शाखा कार्यालय

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2009

का.आ 568.—भारतीय मानक ब्यूरो प्रमाणन विनियम, 1988 के विनियम (5) के उपविनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि निम्न विवरण वाले लाइसेंसों को उनके आगे दर्शायी गयी तारीख से रद्द/स्थिगत कर दिया गया है :--(माह 1 जुलाई से 31 अक्तूबर)

अनुसूची

١	अनुसूचा					
क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या सीएम/एल-	रद्द्/स्थगित करने की तिथि	लाइसेंसधारी का नाम व पता	लाइसेंस के अंतर्गत वस्तु/प्रक्रम सम्बद्ध भारतीय मानक का शीर्षक		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		
1.	9579916	21-2-2008	मे. वुड फैब्स, ए-12 एण्ड डी-6, सेक्टर 13 गिडा, जिला-गोरखपुर-273 209	IS 4990 : 1993 प्लाईबुड फार कंक्रीट सटरिंग वर्क		
2.	9580089	21-2-2008	मे. वुड फैब्स, ए-12 एण्ड डी-6, सेक्टर 13 गिडा, जिला-गोरखपुर-273 209	IS 2202:Part 1: 1999 वुडेन फलश डोर शर्ट्स (सालिड कोर टाइप) भाग-1: प्लाईवुड फेस पैनेल्स		
3.	9598112	27-5-2008	मे. वुड फैब्स, ए-12 एण्ड डी-6, सेक्टर 13 गिडा, जिला-गोरखपुर-273 209	IS 303: 1989 प्लाईवुड फार जनरल पर्यजेज		
4.	9598213	27-5-2008	मे. वुड फैब्स, ए-12 एण्ड डी-6, सेक्टर 13 गिडा, जिला-गोरखपुर-273 209	IS 1659: 2004 ब्लाक बोर्ड्स		
5.	9613987	30-7-2008	मे. आर्चिड प्लाई इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, प्लाट नं. 7, सेक्टर-9, सिडकल, पन्त नगर, रुद्रपुर, जिला-अधमसिंह नगर	IS 12823: 1990 प्री-लेमिनेटेड पार्टिकल बोर्ड्स		
6.	1107326	15-8-2008	मे. डिजिन्फैक्टो केमिकल इण्डस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड,नीसांचल प्लेस, 569/135-का, बरगवा, बारा बिरवा, कानपुर रोड, जिला-लखनक	IS 1061: 2991 डिस्इन्फेक्टेन्ट फ्लूड्स, फेनोलिक टाइप		
7.	9015058	30-4-2008	मे. किटप्लाई इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, साहाबाद रोड, पीओ. रामपुर, जिला-रामपुर-244 901	IS 3087: 1985 बुड पार्टिकल बोर्ड्स (मीडियम डेन्सिटी) फार जनरल पर्पजेज		
8.	9176587	31-5-2008	मे. इण्डिया-पेस्टीसाइड्स लि., प्लाट नं. ई-18 से 23, यूपीएसआईडीसी इण्ड. एरिया, चिनहट, देवा रोड, जिला-लखनऊ	IS 632: 1978 गामा-बीएचसी (लिन्डेन) इमल्सिफिऐबल कन्सेन्ट्रट्स		
9.	9284388	31-5-2008	में. इण्डिया पेस्टीसाइड्स लि., प्लाट नं. ई-18 से 23, यूपीएसआईडीसी इण्ड. एरिया, चिनहट, देवा रोड, जिला-लखनक	IS 11010: 1984 जिरम कोलोएडाल संसपेन्सन		
10.	9313975	15-1-2008	मे. कनोरिया केमिकल एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, पीओ-रेनूकूट जिला-सोनमद्र-231 217	IS 14833: 2000 लिन्डेन वेलेबल पावर		

1078	THE GAZETTE OF INDIA: MARCH 7, 2009/PHALGUNA 16, 1930			16, 1930 [PART II—SEC. 3(ii)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
11.	9382691	15-6-2008	मै. इण्डिया पेस्टीसा इड्स लि. प्लाट नं. ई-18 से 23, यूपीएसआईडीसी इण्ड. एरिया, चिनहट, देवा रोड, जिला, लखनऊ	IS 5277:1978 डिक्लोरवस इमि्सफिएबल कन्सट्रेट्स

[सं. सी एम डी/13:13]

पी. को. गम्भीर, उपमहानिदेशक(मुहर)

Lucknow Branch Office

New Delhi, the 23rd February, 2009

S.O. 568.—In pursuance of sub-regulation(6) of the regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation, 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the licence particulars of which given below have been cancelled/expired with effect from the date indicated against each (Period from 01-07-2008 to 31-10-2008).

SCHEDULE

	SCHEDULE				
Sl. No.	Licence No. Cm/L	Date of Cancelled/ expired	Name & Address of the Licence	Article/Process With Relevent Indian Standards Covered by the Licence	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
1.	9579916	21-02-2008	M/s. Wood Fabs A-12 & D-6, Sector 13 Gida, Distt: Gorakhpur-273209	IS 4990: 1993 Plywood for concrete shuttering work	
2.	9580089	21-02-2008	M/s. Wood Fabs A-12 & D-6, Sector 13 Gida, Distt: Gorakhpur-273209	IS 2202:Part 1:1999 Wooden Flush Door Shutters (Solid Core Type) Part 1:Plywood Face Paels	
3.	9598112	27-05-2008	M/s. Wood Fabs A-12 & D-6, Sector 13 Gida, Distt: Gorakhpur-273209	IS 303:1989 Plywood for General Purposes	
4.	9598213	27-05-2008	M/s. Wood Fabs A-12 & D-6, Sector 13 Gida, Distt: Gorakhpur-273209	IS 1659:2004 Block Boards	
5.	9613987	30-07-2008	M/s. Archidply Industries Limited Plot No. 7, Sector 9, Sidcul, Pantnagar, Rudrapur Distt: Udham Singh Nagar	IS 12823:1990 Pre-laminated Particle Boards	
6.	1107326	15-08-2008	M/s. Disinfecto Chemical Industries Pvt. Ltd, Neelanchal Place, 569/135-Ka, Bargawa, Bara Birwa, Kanpur Road, Distt: Luucknow	IS 1061:2991 Disinfectant fluids, phenolic type	
7.	9015058	30-04-2008	M/s. Kitply Industries Ltd. Shahbad Road, P.O. Rampur, Distt: Rampur-244901	IS 3087: 1985 Wood particle boards (medium density) for general purposes	
8.	9176587	31-05-2008	M/s. India Pesticides Ltd. Plot No. E-18 to 23, UPSIDC Indl. Area, Chinhat, Deva Road, Distt: Lucknow-227105	IS 632:1978 Gama-bhc (lindane) emulsifiable concentrates	
9.	9284388	31-05-2008	M/s. India Pesticides Ltd. Plot No. E-18 to 23, UPSIDC Indl. Area, Chinhat, Deva Road,	IS 11010:1984 Ziram colloidal suspension	

1	_	~
- 1	ш	,,,

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
10.	9313975	15-01-2008	Distt: Lucknow-227105 M/s. Kanoria Chemicals & Industries Ltd. P.ORenukoot, Distt: Sonbhadra-231217	IS 14833:2000 Lindane wettable power
11.	9382691	15-06-2008	M/s. India Pesticides Ltd. Plot No. E-18 to 23, UPSIDC Indl. Area, Chinbat. Deva Road, Distt: Lucknow-227105	IS 5277:1978 Dichlorvos emulsifiable concentrates

[No. CMD/13:13]

P. K. GAMBHIR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2009

का.आ 569.—भारतीय मानक ब्यूरो प्रमाणन विनियम, 1988 के विनियम (5) के उपविनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि निम्न विवरण वाले लाइसेंसों को उनके आगे दर्शायी गयी तारीख से लाइसेंस प्रदान किया गया है :- (माह 1 जुलाई से 31 अक्टूबर)

अनुसूची

		• .			
क्रम संख्या			लाइसेंसधारी का नाम व पता	लाइसेंस के अंतर्गत वस्तु/प्रक्रम सम्बद्ध भारतीय मानक का शीर्षक	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
1.	9673197	1-7-2008	मै. बृजिकशोर सराफ एण्ड सन्स प्रा. लि., अक्वाब बजाजा, चौक, जिला-फैजाबाद-224001	IS 1417 : 1999 गोल्ड एण्ड गोल्ड एलाएज, ज्वैलरी एलाएज/आर्टिफैक्ट्स- फाइनेन्स एण्ड मार्किंग	
2	9674405	10-7-2008	मै. जेएम एग्रो प्रोडक्ट्स प्रा. लि., डी–1/17, सेक्टर-13, गिडा, सहजनवा, जिला-गोरखपुर	IS 14543 : 2004 पैकेज्ड ड्लिंकग वाटर (अदर देन पैकेज्ड नेजुरल मिनरल वाटर)	
3.	9675306	15-:7-2008	मै. मोहनश्याम कल्याणदास ज्वैलर्स बी-339, गोल मार्केट महानगर, जिला-लखनऊ	IS 1417 : 1999 गोल्ड एण्ड गोल्ड एलाएज, ज्वैलरी एलाएज/आर्टिफैक्ट्स- फाइनेन्स एण्ड मार्किंग	
4.	9675407	16-7-2008	मै. गलविलया इस्पात उद्योग लिमिटेड नरायण नगर इण्डस्ट्रियल एरिया, बाजपुर रोड, काशीपुर जिला, ऊधमसिंह नगर	IS 2830 :1992 कार्बन स्टील कास्ट , बाइलेट इनगाट्स, बाइलेट्स, ब्लूम्स, एण्ड स्लेब्स फार रि-रोलिंग इनटु स्टील फार जनरल स्ट्रक्चर पर्पजेज	
5.	9676005	22-7-2008	मै. हाकिन्स कुकर लिमिटेड प्लाट नं. ए-1, ए-2, ए-14 एवं ए-15 यूपीएसआईडीसी, सथारिया इण्डस्ट्रियल एरिया, सथारिया जिला-जौनपुर-222202	IS 2347 : 2006 डोमेस्टिक प्रेशर कुकर	
6.	9677209	31-7-2008	मै. ग्रीनप्लाई इण्डस्टीज लि., प्लाट नं. 2, सेक्टर 9, आईआईई, सिडकल, पन्तनगर, रूद्रपुर, जिला, कथमसिंह नगर	IS 1328 : 1996 वीनियर डेकोरेटिव प्लाइवुड	
7.	9678514	11-8-2008	मै. लक्ष्मी डोर्स, विपेज सेमरा, चिनहट, फैजाबाद रोड, जिला, लखनऊ	IS 4990 : 1993 प्लाईबुड फार कंक्रीट सटरिंग वर्क	
		•	•	·	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
8.	9678615	11-8-2008	मे. केशव मिल्क प्रोडक्ट प्रा. लि., शाहबाद रोड आंवला, जिला बरेली	IS 13334 : पार्ट 2 : 1992 स्किम्ड मिल्क पावडर-भाग 2 एक्स्ट्रा ग्रेड
9.	9679314	13-8-2008	मे. ग्रीनप्लाई इण्डस्ट्रीज लि., प्लाट नं. 2, सेक्टर 9, आई आई ई, सिडकल, पन्तनगर, रूद्रपुर, जिला, ऊधमसिंह नगर	IS 1659 : 2004 ब्लाक बोर्ड्स
10.	9679415	13-8-2008	मे. ग्रीनप्लाई इण्डस्ट्रीज लि., प्लाट नं. 2, सेक्टर 9, आईआई ई, सिडकल, पन्तनगर, रूद्रपुर, जिला, ऊथमसिंह नगर	IS 4990 : 1993 प्लाईबुड फार कंक्रीट सटरिंग वर्क
11.	9680602	21-8-2008	मे. सी पी मिल्क एण्ड फूड प्रोडक्ट प्रा. लि., विलेज-गुडम्बा स्पोर्ट कालेज के पास, कुर्सी रोड, जिला लखनऊ	IS 13334 : पार्ट 1 : 1998 स्किम्ड मिल्क पावडर-भाग 1 स्टैण्डर्ड ग्रेड
12.	9681297	25-8-2008	मे. पन्ना ज्वैलर्स, सिविल लाइन आर्य समाज मन्दिर, जिला बिजनौर	IS 1417 : 1999 गोल्उ एण्ड गोल्ड एलाएज, ज्वैलरी एलाएज/आर्टिफैक्ट्स- फाइननेस एण्ड मार्किंग
13.	9681301	25-8-2008	मे. पन्ना ज्वैलर्स, सिविल लाइन आर्य समाज मन्दिर जिला बिजनौर	IS 2112 : 2003 सिल्वर एण्ड सिल्वर एलाएज, ज्वैलरी/आर्टिफैक्ट्स-फाइननेस एण्ड मार्किंग
14.	9681402	25-8-2008	मे. बहादुर ज्वैलर्स, ए-5, प्रथम तल, प्रताप मार्केट, फैजाबाद रोड, लखनक	IS 1417 : 1999 गोल्ड एण्ड गोल्ड एलाएज, ज्वैलरी एलाएज/आर्टिफेक्ट्स- फाइननेस एण्ड मार्किंग
15.	9681907	29-8-2008	मे. नवनीता बेवरेजेज, चक नं. 720, विलेज- अखारी, पोस्ट-बचट्छाव, परगना कसावर राजा, जिला वाराणसी	IS 14543 : 2004 पैकेन्ड ड्रिकिंग वाटर (अदर देन पैकेन्ड नेचुरल मिनरल वाटर)
16.	9682097	29-8-2008	मे. एस के गलवनाइजिंग वर्कस प्रा. लि., प्लाट नं. बी-2 फेस 1 सिडकल इण्ड. पार्क, सितारगंज जिला, कथमसिंह नगर	IS 2062 : 2006 स्टील फार जनरल स्ट्रक्चरल पर्पजेज
17	9682101	29-8-2008	मे. भारत आर्गेनिक्स, ए-2/3, युपीएसआईडीसी इण्ड. एरिया सन्डीला, जिला हरदोई	IS 11995 : 1987 आइसोप्रोटूरान, डब्ल्यू पी
18.	9683810	10-9-2008	मे. गोमती बेवरेजेज, 5 पुराना आरटीओ कम्पाडण्ड लाटूस रोड, लखनऊ	IS 14543 : 2004 पैकेज्ड डिकिंग वाटर (अदर देन पैकेज्ड नेचुरल मिनरल वाटर)
19.	9683911	10-9-2008	मे. गुप्ता भावर इन्फ्रास्ट्रक्चर लि., प्लाट नं. 132, 132ए,132बी नन्द नगर इण्ड. इस्टेट, फेस एलआई, महुआ खेरा गंज, काशीपुर, जिला–कथमसिंह नगर	IS 398 : पार्ट 2 : 1996 एल्यूमीनियम कल्डक्टर्स फार ओवरहेड ट्रान्समिशन पर्पजेज : भाग 2 एल्युमीनियम कन्डक्टर्स, गैल्वनाइज्ड स्टील रेनफोर्स्ड
20.	9684004	10-9-2008	मे. गुप्ता पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर लि., प्लाट नं. 132, 132ए, 132बी, नन्द नगर इण्ड. इस्टेट, फेस एलआई, महुआ खेरा गंज, काशीपुर, जिला-ऊधमसिंह नगर	IS 398: पार्ट 4: 1994 अल्यूमीनियम कल्डक्टर्स फार ओवरहेड ट्रान्सिमशन पर्पजेज: भाग 4 एल्युमीनियम एलाय स्ट्रेन्डेड कन्डक्टर्स, एल्युमीनियम मैगनीसियम सिलिकान टाइप
21.	9685612	18-9-2008	मे. रामा पैनल प्रा. लि., प्लाट नं. 8, सेक्टर 9, आईआईई, पन्त नगर, जिला कथमसिंह नगर	IS 710 : 1976 मैरिन प्लाईबुड

•	$\Lambda \alpha$	1
	11X	1
	UU	

भारत का राजपत्र :	मार्च 7, 2	2009/फाल्गुन	16,	1930

सग 11—	- ख ण्ड 3(ii)]	भ	रत का राजपत्र : मार्च 7, 2009/फाल्गुन 16, 1930	1081
.)	(2)	(3)	(4)	(5)
<u></u>	9685713	18-9-2008	मे. रामा पैनल प्रा. लि., प्लाट नं. ८, सेक्टर ९, आईआईई, पन्त नगर, जिला कघमसिंह नगर	IS 303 : 1989 य्लाईवुड फार जनरल पर्पजेज
	9685814	18-9-2008	मे. रामा पैनल प्रा. लि., प्लाट नं. ८, सेक्टर ९, आईआईई, पन्त नगर, जिला ऊथमसिंह नगर	IS 1659 : 2004 ब्लाक बोर्ड्स
	9685915	18-9-2008	मे. ग्रामा पैनल प्रा. लि., प्लाट नं. 7, सेक्टर 9, सिडकल, पन्त नगर, रुद्रपुर, जिला कथमसिंह नगर	IS 4990 : 1993 प्लाईवुड फार कंक्रीट सटरिंग वर्क
5.	9688012	30-9-2008	मे. आर्चिडप्लाई इण्डस्टीज लि., प्लाट नं. 7, सेक्टर 9, आईआईई, सिडकल, पन्त नगर, रुद्रपुर, जिला कथमसिंह नगर	IS 2046 : 1995 डेकोरेटिव थर्मोसेटिंग सिन्थेटिक रेजिन बान्डेड लेमिनेटेड शीट्स
6.	9688214	30-9-2008	मे. राम प्लाईवुड इण्डस्टीज, नैपालपुर, लखोमपुर रोड, जिला सीतापुर-261001	IS 1659 : 2004 ब्लाक बोर्ड्स
:7.	9688315	30-9-2008	मे. राम प्लाईवुड इण्डस्टीज, नैपालपुर, लखीमपुर रोड, जिला सीतापुर-261001	IS 303 : 1989 प्लाईवुड फार जनरल पर्पजेज
28.	9688416	30-9-2008	मे. राम प्लाईवुड इण्डस्टीज, नैपालपुर, लखीमपुर रोड, जिला सीतापुर-261001	IS 2202 : पार्ट 1 : 1999 बुडेन फलश डोर शर्ट्स (सालिड कोर टाइप) माग 1: प्लाईवुड फैस पैनेल्स
29.	9688113	1-10-2008	मे. ग्लोबल स्मेलटर्स लि., प्लाट नं. 1, यूपीएसआईडीसी इण्ड. एरिया, जिला	IS 2062 : 2006 स्टील फार जनरल स्ट्रक्चरल पर्पनीय
30.	9689115	6-10-2008	उन्नाव मे. नारायण दास सर्राफ एण्ड सन्स, सीके 21/39ए, ठठेरी बाजार, जिला–वाराणसी	IS 1417 : 1999 गोल्ड एण्ड गोल्ड एलाएज, ज्वैलरी एलाएज/आर्टिफैक्ट्स फाइननेस एण्ड भाकिंग
31.	' • 9693106 .	6-10-2008	मे. केमिकल एण्ड इनसेक्टिसाइड्स, राम नगर करनजहां, पीओ-भैसहा, 14–15 किमी. देवरिया रोड, जिला-गोरखपुर	IS 8446 : 1991 पेस्टीसाइड कार्बेन्डाजिम (एमबीसी) डब्ल्यूपी
32.	9690504	10-10-2008	मे. गोविन्द प्रोडक्ट्स प्रा. लि., विलेज-जरहारा जैदपुर रोड, जिला-बाराबंकी-225001	IS 9020 : 2002 पावर थ्रेसर्स-सेफटी रिक्वायरमेन्ट्स
33.	9690605	15-10-2008	मे. सिंहानिया मिल्स प्रोडक्ट्स प्रा. लि., श्रामनगर, हरदोई रोड, जिला-सीतापुर-261001	IS 33334 : पार्ट 1 : 1998 स्किम्ड मिल्क पाउडर-भाग 1 स्टैण्डर्ड ग्रेड
34.	9691405	20-10-2008	मे. केशव मिल्क प्रोडक्ट प्रा. लि., शाहबाद रोड आंवला, जिला-बरेली	
35.	9691506	20-10-2008	मे. जालानकान कास्ट लि., नकहा नं. 2 एफसीआई के पास, वाया फर्टिलाइजर फैक्ट्री, जिला-गोरखपुर	IS 2830 : 1992 कार्बन स्टील कास्ट बाइलेंट इनगाट्स, बाइलेट्स ब्लूम्स, एण्ड स्लेब्स फार रि-रोलिंग इनटु स्टीह फार जनरल स्ट्रक्चर पर्यजेज
36.	9691708	20-10-2008	मे. वीआरएस फूड लि., सी 5 एवं सी 6 सन्डीला इण्ड. एरिया, जिला हरदोई-241127	IS 13334 : पार्ट 1 : 1998 स्किम्ड मिल्क पावडर भाग 1 स्टैण्डर्ड ग्रेड

[सं. सी एम डी/13:13]

पी. के. गम्भीर, उपमहानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 23rd February, 2009

S. O. 569—. In pursuance of sub-regulation(6) of the regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation 1988, of the. Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the licence particulars of which given below have been granted with effect from the date indicated against each (Period from 1-7-2008 to 31-10-2008)

SCHEDULE

SI	Licence No	Grant Of	SCHEDULE	
No	CM/L	D. Grant Of Licence Date	Name and Address Of The Licence	Article/Process With Releven Indian Standards Covered B The Licence
	2	3	4	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
1 2	9673197	01-07-2008	M/s Brijkishore Saraf & Sons Pvt.Ltd. Aqwab Bajaja, Chowk, Distt: Faizabad-224001	IS:1417:1999 Gold and Gold Alloys Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking
	9674405	10-07-2008	M/s J M AGRO PRODUCTS (P) LTD D-1/17 Sec-13, GIDA, Sahjanawa, Distt: Gorakhpur-445697	IS 14543:2004 Packaged Drinking Water (other than Packaged Natural Mineral Water)
3	9675306	15-07-2008	M/s Mohan Shyam Kalyan Das Jewellers B-339, Gole Market Mahanagar, Distt: Lucknow-226006	IS:1417:1999 Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking
4	9675407	16-07-2008	M/s GALW ALIA ISPA TUDYOG LIMITED Narain Nagar Indl. Area. Bajpur Road, Kashipur Distt: Udham Singh Nagar-244713	IS 2830:1992 Carbon steel cast billet ingots, billets, blooms and slabs for re-rolling into steel for general structural purposes
5	9676005	22-07-2008	M/s HAWKINS COOKERS LIMITED Plot Nos. Al, A2, A14 & A15, U.P.S.I.D.C. Sathariya Industrial Area, Satharia Distt: Jaunpur-222202	IS 2347 : 2006 Domestic Pressure Cookers
6	9677209	31-07-2008	M/s GREENPLY INDUSTRIES LTD. Plot No. 2, Sector-9, IIE, Sidcul, Pant Nagar. Rudrapur Distt: Udham Singh Nagar	IS 1328: 1996 Veneered Decorative Plywood
7	9678514	11-08-2008	M/s Laxmi Doors Village- Semra, Chinhat. Faizabad Road. Distt: Lucknow -227105	IS 4990:1993 Plywood for concrete shuttering work
8	9678615	11-08-2008	M/s Keshav Milk Product Pvt.Ltd. Shahbad Road Aonla, Distt: Bareilly	IS 13334 : Part 2 : 1992 Skim Milk Powder - Specification - Part 2 : Extra Grade
9	9679314	13-08-2008	M/s GREENPLY INDUSTRIES LTD. Plot No.2, Sector-9, IIE, Sidcul, Pant Nagar, Rudrapur Distt: Udham Singh Nagar	IS 1659:2004 Block Boards
10	9679415	13-08-2008	M/s GREENPLY INDUSTRIES LTD. Plot No.2, Sector-9, IIE, Sidcul, Pant Nagar, Rudrapur Distt: Udham Singh Nagar	IS 4990:1993 Plywood for concrete shuttering work
1.	9680602	21-08-2008	M/s C.P. Milk And Food Products Pvt Ltd Vill-Gudamba Near Sports College Kursi Road, Distt: Lucknow-226006	IS 13334; Part 1: 1998 Skimmed Milk Powder - Specification - Part 1: Standard Grade
2.	9681297	25-08-2008	M/s Panna Jewellers Civil Line Arya Samaj Mandir, Distt: Bijinor	IS:1417:1999 Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking
3.	9681301		M/s Panna Jewellers Civil Line Arya Samaj Mandir, Distt : Bijinor	IS 2112: 2003 Silver and Silver Alloys, Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking/ Specification

1	2	3 ·	4	5
14.	9681402	25-08-2008	M/s Bhadawar Jewellers A-5,Frist Floor, Pratap Market, Faizabad Road, Distt: Lucknow	IS:1417:1999 Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking
15.	9681907	29-08-2008	M/s NAVNEETA BEVERAGES Chack No-720, Village-Akhari, Post-Bachcchhaw Paragana Kasawar raja, Distt: Varanasi	IS 14543:2004 Packaged Drinking Water (other than Packaged Natural Mineral Water)
16.	9682097	29-08-2008	M/s S.K. Galvanising Works (P) Ltd. Plot No. B-2, Phase 1, Sidcul Industrial Park, Sitarganj, Distt: Udham Singh Nagar-262405	IS 2062: 2006 Steel for General Structural Purposes
17.	9682101	29-08-2008	M/s Bharat Organics A-2/3,Upside Industrial Area Sandila, Distt: Hardoi	IS 11995 : 1987 Isoproturon, WP
18.	9683810	10-09-2008	M/s Gomti Beverages India (P) Ltd. 5 Old Rto Compound Latouche Road., Distt: Lucknow-226018	IS 14543:2004 Packaged Drinking Water (other than Packaged Natural Mineral Water)
19.	9683911	10-09-2008	M/s Gupta Power Infrastructure Limited Plopt No.132,132a & 132b Nand Nagar Industrial Estate, Phase Ii, Mahua Khera Ganj. Kashipur Distt: Udham Singh Nagar-244713	IS 398: Part 2: 1996 Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced
20.	9684004	10-09-2008	M/s Gupta Power Infrastructure Limited Plopt No. 132. 132a & 132b Nand Nagar Industrial Estate, Phase II, Mahua Khera Ganj, Kashipur Distt: Udham Singh Nagar-244713	IS 398: Part 4: 1994 Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 4 Aluminium alloy stranded conductors (aluminium magnesium silicon type)
21.	9685612	18-09-2008	M/s RAMA PANELS PRIVATE LIMITED Plot No-8. Sector -9. IIE Pant nagar, Distt- U.S.Nagar-263015	IS 710: 1976 Marine Plywood
22.	9685713	18-09-2008	M/s RAMA PANELS PRIVATE LIMITED Plot No-8, Sector -9, IIE Pant nagar, Distt-U.S.Nagar-263015	IS:303:1989 Plywood for General Purposes
23.	9685814	18-09-2008	M/s RAMA PANELS PRIVATE LIMITED Plot No-8, Sector -9, IIE Pant nagar Distt- U.S.Nagar-263015	IS 1659:2004 Block Boards
24.	9685915	18-09-2008	M/s RAM A PANELS PRIVATE LIMITED Plot No-8. Sector -9, IIE Pant nagar, Distt-U. S. Nagar-263015	IS 4990 :1993 Plywood for concrete shuttering work
25.	9688012	30-09-2008	M/s Archidply Industries Limited Plot No.7, Sector 9, Sidcul, Pantnagar Rudrapur Distt : Udham Singh nagar	IS 2046: 1995 Decorative Thermosetting Synthetic Resin Bonded Laminated Sheets
26.	9688214	30-09-2008	M/s RAM PLYWOOD INDUSTRIES Naipalpur, Lakhinpur Road, Distt: Sitapur-261001	IS 1659:2004 Block Boards
27.	9688315	30-09-2008	M/s RAM PLYWOOD INDUSTRIES Naipalpur, Lakhinpur Road, Distt: Sitapur-261001	IS:303:1989 Plywood for General Purposes
28.	9688416	30-09-2008	M/s RAM PLYWOOD INDUSTRIES Naipalpur, Lakhinpur Road, Distt: Sitapur-261001	IS 2202:Part 1:1999 Wooden Flush Door Shutters (Solid Core Type) Part 1: Plywood Face Paels
29.	9688113	01-10-2008	M/s GLOBAL SMELTERS LIMITED PLOT NO-1, UPSIDC INDUSTRIAL AREA, Distt: Unnao, Uttar Pradesh,	IS 2062 : 2006 Steel for General Structural Purposes

1084	THE GAZETTE OF INDIA: MARCH 7, 2009/PHALGUNA 16, 1930 [PART II—Sec. 36]					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		
30. 9689115 (06-1 0-2008	M/s. Narayan Das Saraff & Sons CK 21/39 A, Thatheri Bazar, Distt: Varanasi -221001	IS:1417:1999 Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking		
31.	9693106	06-10-2008	M/s. Chemicals & Insecticides Ram Nagar Karanjaha, P.OBhainsaha, (14-15 Kms. Deoria Road), Distt: Gorakhpur	IS 8446: 1991 Pesticide - Carbendazim (MBC) WP- Specification		
32.	9690504	10-1 0-2008	M/s. Gobind Products Pvt. Limited Vill-Jarhara Jaidpur Road, Distt: Bara Banki-225001	IS 9020 : 2002Power Threshers - Safety Requirements		
33.	9690605	15-10-2008	M/s. Singhania Milk Products (P) Ltd. RamNagar, Hardoi Road, Distt: Sitapur-261001	IS 13334: Part 1: 1998 Skimmed Milk Powder - Specification - Part 1: Standard Grade		
34.	9691405	20-10-2008	M/s. Keshav Milk Product Pvt.Ltd. Shahbad Road Aonla, Distt: Bareilly	IS 1165: 2002 Milk Powder - Specification		
35.	9691506	20-10-2008	M/s. Jalan Con. Cast Ltd. Nakaha No. 2 Near FCI Via Fertilizer Factory, Distt: Gorakhpur-273007	IS 2830: 1992 Carbon steel cast billet ingots, billets, blooms and slabs for re-rolling into steel for general structural purposes		
36.	96 91 7 08	20-10-2008	M/s. Vrs. Foods Limited C-5 & C-6, Sandila Industrial Area.	IS 13334: Part 1: 1998 Skimmed Milk Powder-		

[No. CMD/13:13]

P. K. GAMBHIR, Dy. Directors General (Marks)

Specification - Part 1: Standard

Grade

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

Distt: Hardoi-241127

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2009

का. आ. 570.—भारत सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2442 तारीख 21 अगस्त, 2008 द्वारा, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा यूनियन टैरीटोरी ऑफ पुडुचेरी में वयगाई इंडस्ट्रीज टेप ऑफ से मुरूदेश्वर सिरामिक्स लिमिटेड तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 11-11-2008 से 17-11-2008 तक उपलब्ध करा दी गई थीं ; और निर्धारित अवधि में जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुए ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइनें बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्य किया है ;

अतः, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइनें बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्देश देती है कि पाइपलाइनें बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को, भारत सरकार में निहित होने के बजाए, पाइपलाइनें बिछाने का प्रस्ताव करने वाली गेल (इण्डिया) लिमिटेड में निहित होगा और तदुपरि, भूमि में ऐसे उपयोग का अधिकार, इस प्रकार अधिरोपित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, गेल (इण्डिया) लिमिटेड में निहित होगा ।

	• अन्	सूची	•	
जिला तहसील		सर्वे नं.	आर. ओ. यू. अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल (हैक्टेयर में)	
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	
कारैकल तिरूनल्लार	16. सोराकूडी	226-1	0.01.0 जी. पी	
4//4//	•	226-2	0.01.0 जी. पी	
		224	(0.02.0 जी. पी	
		225 -1	0.06.5	
		225 -4	0.01.0 जी. पी	
		225 -5	0.03.0	
		<u> </u>	0,14,5	
कारैकल तिरूनल्लार	(4. देवमापुरम	151-2	0.02.5	
diffici		152 -1	· 0.01.0 जी. पी	,
		152 - 3सी	0.15.0	
		172-1	0.01.0 जी. पी	
		172-2	0.43.0	•
•		173-3	0.12.5	
•		. 173-4	0.06.0	
		173-5	0.06.0	
		173-10	0.01.0 जी. पी	
	•	200-1	0.14.0	•
•	•	200 -2	0.10.0	
	•	200 -3	0.01 0 जी. पी	
		201 -1	0.08.0	
• • •	. •	201 -2	0.03.0	
		201 -3	0.09.0	
		201 -4	0.06.0	
	•	201 -5	0.03.5 जी. पी	
		202 -1	0.00.5 जी. पी	·.
		202 -5	0.02.0 जी. पी	•
		कुल	1,45,0	

[फा. सं. एल-14014/16/08 जी. पी.]

के. के. शर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 25th February, 2009

S.O. 570.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2442, dated 21st August, 2008 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of natural gas by GAIL (India) Limited from Tap off point at Vaigai Industries in the existing line to Murudeshwar Ceramics Ltd. in the Union Territory of Puducherry;

695 GI 09-12

And whereas copies of the said Gazette notification were made available to the public from 11-11-2008 to

And whereas no objections were received from the public to the laying of the pipeline within the stipulated

And whereas the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted its report to Government of India;

And whereas Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipelines, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land specified appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest, on this date of the publication of the declaration, in GAIL (India) Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Survey No.	Area to be acquired for ROU (in Hectares)
Karikal	Thirunallar	16. Sorakudi	226-1	0.01.0 G.P
			226 - 2	0.01.0 G.P
•			224	0.02.0 G.P
			225 - 1	0.06.5
			225-4	0.01.0 G.P
			225 - 5	0.03.0 .
			TOTAL	0.14.5
Karika!	Thirunallar	4. Devamapura	151-2	0.02.5
			152 - 1	0.01.0 G.P
			152-3C	0.15.0
			172-1	0.01.0 G.P
			172-2	0.43.0
			173 - 3	0.12.5
			173 - 4	0.06.0
			173 - 5	0.06.0
			173 - 10	0.01.0 G.P
			200 - 1	0.14.0
			200-2	0.10.0
		•	200 - 3	0.01.0 G.P
		•	201 - 1	0.08.0
			201-2	0.03.0
			201 - 3	0.09.0
			201-4	0.06.0
			201 - 5	0.03.5 G.P
			202 - 1	0.00.5 G.P
•			202 - 5	$0.02.0{ m G.P}$
·			TOTAL	1.45.0

[F. No. L-14014/16/08-G.P.]

K. K. SHARMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2009

का.आ. 571.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई धारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2704 तारीख 24 सितम्बर, 2008, जो भारत के राजपत्र तारीख 27 सितम्बर, 2008 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाईन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाईनरीज लिमिटेड द्वारा पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 23 नवम्बर, 2008 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाईन विछाने के लिए अपेक्षित है. उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाईन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विस्लगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाईनरीज लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

सील : मो. बडोदिया	•	जिला : शाजापुर	राज्य: मध्य प्रदश
क्र. सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1. ;	सागड़िया	162	0.05
		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	िक्त को अगर-२१०१६/२२/२००९-अगे अगर-म रे

[फा. सं. आर-31015/23/2008-ओ आर-П]

ए, गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 5th March, 2009

S.O. 571.—Whereas by the notification of the Government of Inida in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2704 dated the 24th September, 2008 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Pertoleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (herinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India dated the 27th September, 2008, the Central Government declared its intention to acquire the Right of Users in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujrat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 23rd November, 2008:

And whereas the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted its report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government directs that the Right of User in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrances.

Tehsil: Mo. Badodiya		SCHEDULE District: Shajapur	State : M.P.
Sl. No.	Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1.	Sagadiya	162	0.05
·			TE M. D. 21015/22/2009 OD III

[F. No. R-31015/23/2008-OR-II]
A. GOSWAMI, Under Secy.

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 572.— औंद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 5/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/141/2000-आई आर (सी एम-II)] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 572.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No5/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum- Labour Court, No.1, Chandigarh now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-22012/141/2000-IR (CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER. CENTRAL GOVT., INDUSTRIALTRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH

Case No. 5/2001

Shri Naresh Kumar, C/o Sh. Krishan Lal, Model Town, Bhattu Mandi, Fetehabad.

.....Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India, Hissar, Hissar, Haryana.

... Respondent

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod jain

AWARD

Passed on: 30-1-09 Camp Kurukshetra

Central Govt. vide notification No. -L22012/141/2000-IR (CM-II), dated 21-11-2000 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, in terminating the services of Shri Naresh Kumar son of Shri Hari Ram, Security Guard, w.e.f. August, 97 is legal, justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Govt. because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Govt. Central Government be informed. Chandigarh: 30-1-09

Camp at Kurukshetra

G.K. SHARMA, Presiding Officer नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 573.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 7/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/143/2000-आई आर (सी एम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 573.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No 7/2001) of the Central Government industrial Tribunal-cum-Labour Court, No.1, Chandigarh now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-22012/143/2000-IR (CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer
ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRALGOVT., INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,-I CHANDIGARH.

Case No. 7/2001

Shri Sandeeph Kumar, C/o Sh. Krishan Lal, Model Town. Bhattu Mandi, Fetehabad.

-Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India Hissar, Hissar, Haryana.

... Respondent.

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod jain

AWARD

Passed on: 30-1-09 Camp Kurukshetra

Central Govt. vide notification No. L-22012/143 /2000-IR (CM-II), dated 21-11-2000 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, in terminating the services of Shri Sandeep Kumar son of Ram Partap, Security Guard, w.e.f. August, 97 is legal justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Govt. because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Govt. Central Govt. be informed.

Chandigarh: 30.1.09 Camp at Kurukshetra

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 574.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 367/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/107/2000-आई आर (सीएम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 574.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No 367/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.1, Chandigarh now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-22012/107/2000-IR (CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER. CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I CHANDIGARH

Case No. 367/2000

Shri Vinod Kumar, S/o Sh. Rati Ram, village Bhunapur, PO: Tigaw, District Faridabad-Haryana.

—Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India Gurgaou, Haryana

-Respondent

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod jain

AWARD

Passed on: 30-1-09 Camp Kurukshetra

Central Govt. vide notification No. L-22012/107/2000-IR (CM-II), dated 08-09-2000 has has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, in terminating the services of Shri Vinod Kumar son of Rati Ram, w.e.f. 5-5-99 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Govt. because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Govt. Central Govt, be informed.

Chandigarh: 30-1-09 Camp at Kurukshetra

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 575.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 1/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/147/2000-आई आर (सीएम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 575.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No 1/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.1, Chandigarh now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-22012/147/2000-IR (CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,

CHANDIGARH

Case No. 1/2001

Shri Anand Kumar, Son of Anupam, Model Town, Bhattu Mandi, Fetehabad.

-Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India Hissar, Hissar, Haryana

-Respondent

APPEARANCES

For the Workman:

None

For the Management:

Shri Pramod Jain

AWARD

Passed on: 30-1-09 Camp Kurukshetra

Central Government vide notification No. L-22012/147/2000-IR (CM-II), dated 21-11-2000 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, in terminating the services of Shri Anand Kumar son of Anupam, Security Guard, w.e.f. August, 97 is legal justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government. Central Government be informed.

Chandigarh: 30-1-09 G.K. SHARMA, Presiding Officer Camp at Kurukshetra

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 576.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 63/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/35/1997-आई आर (सी-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 576.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 63/1998) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.1, Chandigarh now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-22012/35/1997-IR (C-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH

Case No. 63/1998

Shri Ram Mehar Singh Son of Shri Suraj Mal, resident of House No. 1652, Urban Estate, Jind, Haryana.

--Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India Rohtak, Haryana

Respondent.

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod Jain

AWARD

Passed on: 30-1-2009, Camp Kurukshetra

Central Government vide notification No. L-22012/35/1997-IR (C-II), dated 11-3-1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether there existed employer-employee relationship between Shri Ram Mehar Singh Watchman and the Management of Food Corporation of India? If Yes, whether the termination of services of Shri Ram Mehar Singh w.e.f. 18-12-1995 is legal and justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government. Central Government be informed.

Chandigarh: 30-1-09. G. K. SHARMA, Presiding Officer Camp at Kurukshetra

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 577.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 69/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/30/1997-आई आर (सी-II)] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 577.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 69/1998) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Cout No.1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-22012/30/1997-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER. CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH.

Case No. 69/1998

Shri Ved Prakash

...Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India Rohtak, Haryana.

...Respondent.

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod Jain

AWARD

Passed on: 30-1-09, Camp Kurukshetra

Central Government vide notification No. L-22012/30/1997-IR (C-II), dated 11-3-1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether there existed employer-employee relationship between Shri Ved Parkash Watchman and the Management of FCI? If Yes, whether the termination of services of Shri Ved Parkash w.e.f. 18-12-1995 is legal and justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interest in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government be informed.

Chandigarh: 30-1-09 G.K. SHARMA, Presiding Officer

Camp at Kurukshetra

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 578.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 67/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/29/1997-आई आर (सी-II)] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 578.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 67/1998) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-22012/29/1997-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. 67/1998

Shri Bihari Lal .

...Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India Rohtak, Haryana.

...Respondent.

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod Jain

AWARD

Passed on: 30-1-09 Camp Kurukshetra

Central Government vide notification No. L-22012/29/1997-IR (CM-II), dated 11-3-1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether there existed employer-employee relationship between Bihari Lal Watchman and the management of FCI? If Yes, whether the termination of services of Shri Bihari Lal w.e.f. 18-12-1995 is legal and justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 p. m. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interest in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government. Central Government informed.

Chandigarh: 30-1-09 G.K. SHARMA, Presiding Officer Camp at Kurukshetra

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 579.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का. 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 361/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/106/2000-आई आर (सी-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 579.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 361/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No.1, Chandigarh as shown in the Amexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-22012/106/2000-IR (C-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. 361/2000

Shri Mulak Raj son of Shri Chand, Village, Bhunapur, PO: Tigaw, District Faridabad-HaryanaApplicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India Gurgoan, Haryana.

...Respondent.

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod Jain

AWARD

Passed on: 30-1-09 Camp Kurukshetra

Central Government vide notification No. L-22012/106/2000-IR (CM-II), dated 8-9-2000 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of FCI in terminating the services of Shri Mulak Raj son of Shri Chand Security Guard, w.c.f. 5-5-99 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 pm. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interest in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government. Central Government be informed.

Chandigarh: 30-1-09

Camp at Kurukshetra

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 580.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 3/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/148/2000-आई आर (सी-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 580.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 3/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No.1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No.L-22012/148/2000-IR (C-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. 3/2001

Shri Raj Kumar, S/o Sh. Net Ram, Modal Town, Bhattu Mandi, Fetehabad Faridabad.

...Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India Hissar, Haryana.

...Respondent

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod Jain

AWARD

Passed on: 30-1-09 Camp Kurukshetra

Central Govt. vide notification No. L-22012/148/2000-IR (CM-II), dated 21-11-2000 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, in terminating the services of Shri Raj Kumar Son of Sh. Net Ram, Security Guard, w.e.f. August-97 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 pm. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government be informed.

Chandigarh: 30-1-09 Camp at Kurukshetra

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 581.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 65/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/32/1997-आई आर (सी-II)] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 581.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.65/1998) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No.1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No.L-22012/32/1997-IR.(C-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT IN DUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH:

Case No. 65/1998

Shri Ram Mehar Singh son of Shri Suraj Mal resident of House No. 1652, Urban Estate, Jind, Haryana. ...Applicant

****-**-r**

Versus

The District Manager, Food Corporation of India Rohtak, Haryana.

...Respondent

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod Jain

AWARD

Passed on: 30-1-09 Camp Kurukshetra

Central Govt. vide notification No. L-22012/32/1997 - IR (CM-II), dated 11-3-1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether there existed employer-employee relationship between Shri Ram Mehar Singh watchman and the management of FCI? If yes, whether the termination of services of Shri Satbir Singh w.e.f. 18-12-1995 is legal and justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 p.m. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government. Central Government be informed.

Chandigarh: 30-1-09 G.K. SHARMA, Presiding Officer Camp at Kurukshetra

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 582.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 47/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/305/1997-आई आर (सी-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 582.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 47/1998) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-22012/305/1997-IR (C-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer
ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT IN DUSTTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH.

Case No. 47/1998

Shri Gopi Chand, C/o Sh. Chandgi Ram, Village & P.O. Moorkhi, Teh. Safidon, District Jind, Haryana.

...Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India, Rohtak, ... Respondent

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod Jain

AWARD

Passed on: 30-1-09 Camp, Kurukshetra

1. Central Govt. vide notification No. -L22012/305/1997 -IR (C-II), dated 27-2-1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, Rohtak in dispensing with the services of Shri Gopi Chand, Watchman w.e.f. 1-5-1991 is just and legal? If not, to what relief is the workman entitled to?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present who has filed one affidavit of Shri Surender Singh Taxak, Area Manager FCl, Rohtak. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 p.m. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government. Central Government be informed.

Chandigarh: 30-1-09 Camp at Kurukshetra

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 583,—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 7/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/60/2005-आई आर (सीएम-II)] अजय कुमार गौड्, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 583.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.7/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-22012/60/2005-IR (CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA. PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT IN DUSTTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH.

Case No. 7/2006

Shri Randhir Singh, C/o Sh. Dharampal, Village Chandana, Teh & District, Kaithal, Haryana.

...Applicant

Versus

The Sr. Regional Manager, FCI, SCO 120-122, Sector 17C, Chandigarh.

...Respondent

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri N.K. Zakhmi

AWARD

Passed on: 30-1-09 Camp Kurukshetra

1. Central Govt. vide notification No. L22012/60/2005 -IR (CM-II), dated 21-12-2005 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, Karnal in terminating the services of Shri Randhir instead of regularizing is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 P.M. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government. Central Government be informed.

Chandigarh: 30-1-09 Camp at Kurukshetra

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 584.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय संख्या-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 49/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/307/1997-आई आर (सी-11)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 584.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.49/1998) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No.1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

> [No. L-22012/307/1997-IR (C-II)] AJAY KUMAR GAUR; Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH.

Case No. 49/1998

Shri Ishwar Singh, C/o Sh. Chandgi Ram, Village & P.O. Moorkhi, Teh. Safidon, District Jind, Haryana. ...Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India, Rohtak, ...Respondent

APPEARANCES

For the workman:

None

For the management:

Shri Pramod jain

AWARD

Passed on: 30-1-09, Camp Kurukshetra

1. Central Govt. vide notification No. L-22012/307/ 1997 -IR (C-II), dated 27-2-1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, Rohtak in dispensing with the services of Shri Ishwar Singh, Watchman w.e.f. 1-5-1991 is just and legal? If not, to what relief is the workman entitled to?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present who has filed one affidavit of Shri Surender Singh Taxak, Area Manager, FCI, Rohtak. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 p.m. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government. Central Government be informed.

Chandigarh: 30-1-09

Camp at Kurukshetra G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 585.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आई.ओ.सी.एल. के प्रवंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, गुवाहाटी के पंचाट (संदर्भ संख्या 04/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30012/5/2008-आई.आर. (एम)] कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 585.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 4/2008) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Guwahati now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of IOCL and their workman, which was received by the Central Government on 10-2-2009.

[No. L-30012/5/2008-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, GUWAHATI ASSAM

Present: Shri D. K. Deb Roy, Presiding Officer In the matter of an Industrial Dispute between: The Management Indian Oil Corporation Ltd.

-Vrs-

Their Workman, Shri S. D. Balmiki

Ref. Case No. 04 of 2008.

APPEARANCES

For the Management:

I. Sri S. N. Sarma

2. Sri N. Sarma

For the Workman:

None appeared.

Date of Award: 2-2-2009

AWARD

1. The present reference Case is arising out of Order No. L-30012/5/2008-IR(M); Dated 5-5-2008, issued by Government of India, Ministry of Labour for adjudicating the following dispute.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Indian Oil Corporation Ltd. (Assam Oil Division), Digboi Refinery is justified in denying the employment of one dependent of Sh. S. D. Balmiki under the option-III of SABF Scheme. If so, what benefit Sh. Balmiki is entitled to?"

- 2. In order to ensure fairness and transparency, both the parties were hard. The Management and the Workman has submitted a joint petition stating *inter-alia* that the matter has been settled up amicably out of Court and the Memorandum of Settlement marked as ANNEXURE-X has also been submitted duly signed by the workman and the Management side.
- 3. Heard the learned Counsel for the Management as well as the Workman personally.
- 4. The statement of the workman has been recorded on oath, wherein he has stated that the matter has been settled up amicably and according the Memorandum of Settlement marked ANNEXURE-X, executed on 1-7-2008 has been submitted. The Workman has prayed before this Court that the necessary Award may be passed in terms of the Memorandum of Settlement.
- 5. Having heard both sides and having considered the entirety of the facts and circumstances of the Case the matter stands disposed of in terms of the Memorandum of Settlement. The Memorandum of Settlement shall form part of the Award.

Given under my hand and seal of this Court on this 2nd day of February, 2009 at Guwahati.

D. K. DEB ROY, Presiding Officer

ANNEXURE-'X'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Presiding Officer, CGIT-Cum-Labour Court, Guwahati

This settlement is arrived at between the management of Indian Oil Corporation Ltd. (Assam Oil Division) (IOCL)(AOD) represented by its Chief Human Resources Manager and between Sri S. D. Balmiki, retired employee on medical ground, on this 1st date of July, 2008 at Digboi.

That Sri S. D. Balmiki, an employee of the Indian Oil Corporation Ltd. (Assam Oil Division) (IOCL)(AOD) was retired pre-maturely on medical ground due to his deteriorated health condition after due assessment by Medical Board w.e.f. 1-12-2001. After his retirement, the workman claimed that one of his dependent son may be given employment under option III of Super Annuation Benefit Fund (SABF) Scheme, though he was fully aware that employment to the dependent is permissible only when an employee who dies while in service or suffers permanent total disablement which results from an incident/accident arising out of employment under option III of the SABF scheme. In the instant case as the workman was retired due to ill health on medical ground, option III of SABF scheme is not applicable to him. Accordingly, the management rejected the demand of the workman. On this issue the workman raised an industrial dispute which has been referred by the appropriate Government for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Guwahati vide notification dated 5-5-2008. On receipt

of the said notification the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Guwahati has registered a case being Reference Case No. 4/08 and issue notice to the parties.

In the meantime one of the son of the workman namely Sri Ranjit Balmiki has appeared in the selection process of "Process Operator" advertised by the IOCL(AOD). However, the result of the said selection is yet to be declared. In the meantime, the workman has approched the management to settle the dispute between the parties out of Court. The management ultimately on humanitarian ground has agreed to settle the dispute pending before Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court on the following:

TERMS AND CONDITIONS:

- That the management agrees to consider favourly the candidature of Sri Ranjit Balmiki, son of the workman provided he fulfills all the requisite criteria of recruitment.
- That on the assurance given by the 2. management, and subject to employment of his son, Sri Ranjit Balmiki, in the IOCL (AOD), the workman agrees that he has no further claim against the management under option III of the SABF scheme and all his claims against the management is fully and finally settled.
- That this agreement fully and finally settles all 3. the disputes between the workman and the management and the workman agrees that he will not raise any further claim against the management in respect of his dependent under SABF scheme.
- That both the parties agree that a joint petition 4. will be filed before the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Guwahati annexing the present agreement for passing an 'Award' in terms of this agreement.

In witness whereof both the parties hereto have signed this agreement on this 1st day of July, 2008.

Witness

For the management

1. Haseen Ahmed

Prafulla Chandra Sunnul

2. Anup Tamuli

Chief HR Manager

3. Rajit Balmiki

S. D. Balmiki

4. Tarun Hazila

Workman

President

A/c Labour Union

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

कां.आ. 586.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी.पी.सी.एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम

न्यायालय सं. २, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी-2/43/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-30011/20/2006-आईआर (एम)] कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 586.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT-2/43/2006) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, No. 2 Mumbai now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BPCL and their workman, which was received by the Central Government on 10-2-2009.

> [No. L-30011/20/2006-IR (M)] KAMAL BAKHRU, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO.2, MUMBAI

Present: Shri A. A. Lad, Presiding Officer Ref. No. CGIT-2/43 of 2006

Employers in Relation to the Management of Bharat Petroleum Corporation Ltd.

The Sr. Manager (HRS-West) Bharat Petroleum Corporation Ltd. Bharat Bhawan 4 & 6, Currimbhoy Road, **Ballard** Estate Mumbai 400038.

V/s.

Their Workman

The General Secretary Bhartiya Kamgar Karamchari Mahasangh

5. Navalkar Lane, 1st Floor

Prarthna Samaj Girgaon Mumbai-400004.

APPEARANCES

For the Employer For the Workman Mr. R. S. Pai, Advocate

Mr. Abhay Kulkarni,

Advocate.

Mumbai, the 9th January, 2009.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-30011/20/2006/IR(M) dated 14-7-2006 in exercise

695 GI/09-15

of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of BPCL, Marketing Division, Mumbai in terminating the services of Shri R. G. Khose is Justified? If not, what relief Shri R. G. Khose is entitled to?"

- 2. Claim statement is filed by second party at Ex-6 which is replied by first party by filling written statement at Ex-9 and reference was fixed for framing issues.
- 3. Meanwhile Hon'ble High Court in Writ Petition No. 8085 of 2008 considering the order passed by CGIT in Approval Application filed under Section 33 (2) (b) of the Industrial Disputes Act, accepted settlement took place out of Court and while disposing of said Approval Application on request of the parties also disposed of the reference pending before this Tribunal in terms of the consent terms presented before Hon'ble High Court, Mumbai. It is brought on record by both parties with Ex-13. Hence the order:

ORDER

In view of Ex-13, reference is disposed of.

Date: 9-1-2009

A. A. LAD, Presiding Officer

BEFORE THE C.G.I.T. No. 11 GI MUMBAI, EXH. No. 13

R/of C.G.I.T: II/43/06

Between

B. P. C. L.

AND

Their Workman

(R. G. Khose)

May I Please the Hon'ble Court

The Corporation pray that in view of the order passed by the Hon'ble High Court, Bombay, in W. P. No. 8085 of 2008 in 15-12-2008 the above reference be disposed of as per the said order of the Hon'ble High Court, Bombay.

Mumbai Dated 9-1-09

Advocate for Corporation: Advocate for the Workman:

R. S. Pai, Advocate Mr. Abhay Kulkarni] Advocate.

HIGH COURT, BOMBAY

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT BOMBAY
CIVIL APPELLATE JURISDICTION
WRIT PETITION NO. 8085 OF 2008

Bharat Petroleum Corporation Ltd.

..Petitioner

V/s.

R. G. Khose and others

..Respondents.

Mr. J. P. Cama, Senior Advocate with Mr. R. S. Pai and Ms. Pallavi Dedhla to M/s. Sanjay Udeshi & Co. for the Petitioner.

Mr. Abhay Kulkarni for Respondent No. 1.

CORAM: Dr. D. Y. CHANDRACHUD, J.

15th December, 2008

P. C.:

The Petition arises out of an order passed by the Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal by which the Tribunal declined to grant approval under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947. First Respondent was dismissed from service on 24th July, 2005, after 27 years of service. He was due for retirement, if he had remained in service, on 30th June, 2009. During the course of the hearing of the Petition, the first Respondent is personally present in the Court. Learned Senior Counsel appearing on behalf of the Petitioner and learned counsel appearing for the First "Disclaimer Clause: Authenticated copy is not a Certified Copy" Respondent have during the course of the hearing Tendered Counsel Terms signed by the learned counsel and by the First Respondent in terms whereof the entire dispute between the parties has been settled in view thereof, the Petition shall stand disposed of in terms of the Consent Terms which are taken on the record and marked as "X" The approval application and the reference before the Industrial Tribunal shall stand disposed of in terms of the Consent Terms.

HIGH COURT (A.S.) BOMBAY

W. P. No. 8085 of 2008

B. P. C.L.

-Petitioner

V/s

R. B. Khose & on

- Respondents

Consent Terms

In substitution of the order pound by the Industrial Tribunal on 31-10-2008 in Annual appendix C.G.I.T.-2/15 of 2005 Petition agreed to following terms:

- In bow of the down of first Respondent to reinstatement and back wages the Petition shall pay to first Respondent a sum equivalent to two years of the last drawn wages inclusive of all endowments within a period of two weeks from today.
- The order of disowned panel by management shall stand substituted by the parent engagement and the 1st Repunishment shall be deemed to have ultimately relinquished service w.e.f. date of order of disordered.

- 3. The Petition has already paid to 1st Respondent all reimbursement dues P.F. due was paid to 1st Respondent amount of Rs. 64,64,63 on January, 2008 and Gratuity amount of Rs. 3, 37, 700.
- The 1st Respondent shall be entitled to medical benefits as are provided to and applicable to all others.
- The 1st Respondent shall also be entitled to Superannuation Pension Schemes as applicable.
- The Pending Reference before Tribunal will also stand disposed of,
- 7. W. P. is accordingly disposed off.

Place: Mumbai

Dated: 15-12-2008.

(R. G. Khose)

Abhay Kulkarni, Respondent No. 1 Adv. for R-1

R. S. Pai, Advocate for Publication

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 587.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सुकिन्दा क्रोमाइट माईन्स ऑफ टिस्को के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, भुवनेशवर के पंचाट (संदर्भ संख्या 170/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल-29012/113/1997-आईआर (एम)] कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 587.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 170/2001) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Bhubaneswar now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Sukinda Chromite Mines of Tisco and their workman, which was received by the Central Government on 10-2-2009.

[No. L-29012/113/1997-IR (M)]
KAMAL BAKHRU, Desk Officer
ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BHUBANESWAR

Present: Shri N. K. R. Mohapatra Presiding Officer, Tr. Industrial Dispute Case No. 170/2001 Date of Passing Award—23rd December, 2008
Between

The Management of Deputy
General Manager, Sukinda Chromite
Mines of TISCO, P.O. Kalarangiatta,
Distt. Jaipur-755 001. ...1st

...1st Party-Management.

AND

Their Workman, Shri Lalit Kumar Mahalik,
P. No. 195813, Sukinda Chromite Mines of TISCO,
P.O. Sukinda, Jaipur-755 001. ...2nd Party-Workman.

APPEARANCES

M/s. B. P. Tripathy & Associates
Advocates

M/s. S. Mishra & Associates
Advocates

Morkman.

M/s. B. P. Tripathy & Associates

Management.

Morkman.

AWARD

1. The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of powers conferred by Clause (d) of sub-section (I) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) have referred the following dispute for adjudication *vide* their Order No. L-29012/113/97/IR(M), dated 15-6-1998.

"Whether the demand of the workman Shri Lalit Kumar Mahalik, Personal No. 195813 of Sukinda Chromite Mines of TISCO for reinstatement with full back wages is justified? If so, what relief the workman is entitled to?"

2. The father of the disputant-workman was an employee under the Management. As his retirement age came closure he made a representation to provide a job to his son, the disputant who was qualified to be appointed in any clerical job. The Management on such request agreed to consider the case of the disputant whenever such vacancies would be available. In the meantime it engaged the workman as a Mazdoor in consecutive terms for 30 days and 85 days by issuing separate appointment letters each time. The Management in its first letter dated 11-9-1991(Ext.-2) appointed him as Mazdoor on temporary basis for a period of 85 days commencing from 19-7-1991 and thereafter from time to time he was given separate appointment orders. These appointment letters figured as Ext-2 to 2/11. Ext.-2/11 the last letter is dated 6-1-1994 and it was issued for a period of 30 days. The workman alleged that after expiry of the said period he was refused of employment with effect from 8-2-1994 without any compensation etc. It is further alleged that even though the Management assured him from time to time to accommodate him in a better post be fitting his qualification he was also not given any such accommodation even though some of the Mazdoors who were working along with him were absorbed permanently. After being refused employment with effect from 8-2-1994 the workman approached the Management several times with the hope that he would be accommodated elsewhere. But not being successful in his said attempt he ultimately raised an Industrial Dispute before the Asst. Labour Commissioner (Central) resulting in the present reference.

- 3. While giving his reply to the above contention of the workman the Management filed its written statement admitting the entire period of engagement as claimed by the workman. Going little further it also contended that after the workman was disengaged on 8-2-1994 he was again given a letter of appointment after gap of seven months on 5-9-1994 for a period of 85 days. The Management also filed all such appointment letters that were issued to the workman from time to time and these are nothing but the self same documents which have been marked as Ext.-2 to 2/11 from the side of the workman. By admitting almost the entire case of the workman, the Management simply contended that the workman was engaged as a Mazdoor to assist in the plantation work as and when required for a specific period depending upon job requirement. But due to recruitment of experts, fencing of the plantation area, introduction of dump plantation and its entrustment to contractors, there was no necessity of engaging the workman and therefore he was disengaged from 8-2-1994 after the engagement period was over as per appointment letter dated 6-1-1994. It is further averred by the Management that since the workman's engagement was term based, there was no necessity to pay him any retrenchment compensation when he was finally disengaged from 8-2-1994 onwards and as such the question of his reinstatement does not arise.
- 4. On the basis of the above pleadings of the parties the following issues were framed.

ISSUES

- 1. Whether the reference is maintainable?
- Whether the termination of the disputant is covered under Section—2 (oo) (bb) of the Industrial Disputes Act 1947?
- Whether the demand of the 2nd Party-Workman for reinstatement with full back wages is justified?
- 4. What relief the 2nd Party is entitled to?
- 5. At the hearing the Management chronically remained absent on and off for which he was set exparte number of times. However each time he was restored to file on his paying the cost. While this was going on the Management again remained absent for which he was last set exparte on 29-8-2007. To provide him a further chance he was restored to file on 22-10-2007 with cost of Rs. 500 which he paid on 7-11-2007. But despite the same he again remained absent repeatedly for several dates and on 21-4-2008 his legal representative moved a petition for time. This petition though allowed same day with cost of Rs. 1000 the Management did not pay the cost on the next

date remained absent for which he was again set exparte on 3-6-2008 and on 24-6-2008 the exparte evidence of the workman was recorded and the case was posted to 15-7-2008 for argument. Most surprisingly the legal representative of the Management appeared on that day and moved a petition to set aside the exparte order but did not like to pay the arrear cost and in consequence he remained exparte.

6. While adducing exparte evidence the workman alone examined himself besides producing several documents marked as Ext.-1, 2, 2/1 to 2/11 and 3 to 6.

FINDINGS

ISSUE NO. 1

 Since the disputant was admittedly engaged as a Mazdoor in the mines of the Management-Company there appears every justification to hold that the reference is maintainable.

ISSUE NOS. 2 TO 4

- 8. These issues are taken up together as they are inter-linked. Before dealing with the merit of the case, I would like to repeat here that the Management during prehearing stage filed several documents in support of his case on 18-9-2001. Some of these documents refer to those of the documents which have been marked as Ext.-2 and Ext.-2/1 to 2/11. These are nothing but appointment letters issued to the workman from time to time. Since basing on these documents the Management has admitted in its pleadings that after engaging the workman on 19-7-1991 for a specified period had subsequently extended it from time to time until he was refused employment on 8-2-1994, the only question that emerges for consideration is whether the said refusal of employment amounts to retrenchment or not so as to attract Section 25-F of the Industrial Disputes Act.
- 9. Section 25-F specifies that a workman employed in "continuous service" for not less than one year is entitled in the event of his retrenchment to be served with a one month notice or one month pay in lieu thereof besides being paid retrenchment compensation.
- 10. Section 25-B which deals with the term "continuous service" specify under its clause (2) read with sub-clause 2(a) and 2(a)(ii) that where a workman is not in continuous uninterrupted service during a given period within the meaning of Clause-I, then in that case he shall be deemed to be in "continuous service" during a period of one year if he has worked for 240 days during a period of 12 calender months preceding the date with reference to which calculation is to be made.
- 11. Thus for the purpose of calculating the continuous service of a workman over a period of one year it is not necessary that his engagement period over a period of one year should be continuous without any gap. Rather

as per Section 25-B clause-2 read with clause 2(a) and 2(a)(ii) if a workman works for 240 days during a period of 12 months preceding the date of his termination, he shall be deemed to have rendered continuous service during a year for the purpose of Section 25-F of the Industrial Disputes Act.

12. It has been admitted by the Management that the workman was disengaged from 8-2-1994. Now therefore it is necessary to find out for how many days the workman was engaged during 12 months preceding 8-2-1994 i.e. during 8-2-1993 to 8-2-1994. His appointment letters dated 27-2-1993, 5-10-1993, 30-10-1993, 3-12-1993 and 6-1-1994 marked respectively as Ext.-2/7, 2/8, 2/9, 2/10 and 2/11 show that he was given engagement for a period of 180 days in Ext.-2/7 and thereafter for a period of 30 days each time, calculated to 300 days during 8-2-1993 to 8-2-1994. Therefore as per the deeming clause 2, 2(a) and 2(a)(ii) of Section 25-B of the Act the workman is held to be in continuous service for more than one year by the time he was disengaged on 8-2-1994, fulfilling the requirements of Section 25-F of the Industrial Disputes Act.

13. It has been averred by the Management in its written statement that since the workman was given appointment against a specific job of plantation work, his termination after the specific period of engagement can not be regarded as a case of retrenchment. But I am inclined not to accept the said view of the Management in as much as there is no mention in any of the appointment letters that he was engaged against any specified job.

14. Section 2(00) of the Industrial Disputes Act which defines the term "retrenchment" speak that termination of a workman for any reason whatsoever would amount to retrenchment. But termination made by way of disciplinary action or cases falling under clause a, b (bb) & c would not amount to retrenchment. Since the case of the workman is not falling under any of the exceptional clauses his termination is held to be a case of retrenchment and such retrenchment having not been made, as admitted by the Management, in accordance with the provisions of Section 25-F, I futher hold that the action of the Management is highly prejudicial and not in accordance with Section 25-F of the Industrial Disputes Act.

15. The evidence of the workman and the pleadings of the parties show that the disputant-workman was not engaged as a Mazdoor on daily rated basis. Rather he was being paid basic salary of Rs. 1350 per month along with admissible allowance, other perquisites and amenities of the company except living accommodation as evident from various appointment letters mentioned earlier. The representatives of the workman marked Ext.-3/2 show that he possesses intermediate qualification in Arts. Ext.-1 shows that he was once given assurance that he would be adjusted against any future vacancies according to

employment procedure. These suggest that the workman was engaged time to time as a Mazdoor giving him the hope to wait until his chances come. It also suggests that in the garb of temporary engagement the workman was being exploited. In such circumstances the Management is directed to provide an opportunity to the workman to compete in the next recruitment test likely to be held in near future. Besides for terminating him illegally the Management is further directed to reinstate the workman in his former post by giving a consolidated amount of Rs. 50,000 toward his back wages, calculated on an average basis, within two months from the date of receipt of this

16. Accordingly the reference is answered exparte against the Management.

N.K.R. MOHAPATRA, Presiding Officer

List of witnesses examined on behalf of the 2nd Party-Workman.

W.W.-1-Shri Lalit Kumar Mahalik

List of Documents exhibited on behalf of the 2nd Party-Workman.

Ext.-1-Letter of Management No. 9998/22.

Ext.-2-Appointment letter No. 661.

Ext.-2/1-Appointment letter No. 1071.

Ext.-2/2-Appointment letter No. 1259.

Ext.-2/3-Appointment letter No. 63.

Ext.-2/4-Appointment letter No. 492.

Ext.-2/5-Appointment letter No. 713.

Ext.-2/6-Appointment letter No. 1026.

Ext.-2/7-Appointment letter No. 219.

Ext.-2/8-Appointment letter No. 1418.

Ext.-2/9-Appointment letter No. 1566. Ext.-2/10-Appointment letter No. 1792.

Ext.-2/11-Appointment letter No. 42.

Ext.-3-Letter dated 2-2-1995 of DGM (P & IR) R.M.

Ext.-3/1-Letter dated 28-3-1995.

Ext.-3/2-Representation dated 15-11-1996.

Ext.-3/3-Representation dated 20-8-1997.

Ext.-4-P.F. Receipt.

Ext. -5-Reply of Management to the A.L.C.(C),

Bhubaneshwar.

Ext.-6-Letter of Shri Lalit Kumar Mahalik to A.L.C.(C),

Bhubaneshwar.

Ext.-7-Letter of Management dated 24-9-1997 to Shri Lalit Kr. Mahalik.

List of Witnesses Exhibited on behalf of the 1st Party-Management.

No witnesses examined on behalf of the Management.

List of Documents Exhibited on behalf of the 1st Party-Management.

No documents examined on behalf of the Management.

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 588.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नार्थन रेलवे प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चण्डीगढ सं. 1, के पंचाट (संदर्भ संख्या 105/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/172/2002-आई आर (बी-1)] अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 588.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.105/2003) of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No.1, Chandigarh, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Northern Railway and their workman, received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-41012/172/2002-IR (B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICEER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH.

Case No. I.D. 105/2003

Shri Kuldeep Singh & others C/o Shri B.R. Prabhakar, 63- C, Kailash Nagar, Model Town, Ambala Cantt. (Haryana).

.... Applicant

Versus

The Deputy Chief Engineer, Northern Railway, Jalundhar Cantt-144001.

....Respondent

APPEARANCES

For the Workman

Shri Kuldip Singh and Santokh Singh

For the Management:

Ms. Sinnint Kaur

AWARD

Passed on: 23-1-09

Central Government vide notification No. L-41012/172/2002 -IR(B-1) dated 17-4-2003 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Northern Railway i.e. Deputy Chief Bridge Engineer, Jalandhar Cantt, in not giving the promotion in higher scale to the 53 workers (As per list attached) who have served with the Department about 26 years is legal and justified? If not, what relief the concerned workman and from which date is entitled to?"

2. The case is taken up in Lok Adalat. Representative of the workmen Shri Kuldip Singh and Santokh Singh are present. On behalf of the management, Shri Jagtar Singh Deputy Chief Engineer and Rakesh Sharma Senior Welfare Inspector is present. It is settled in Lok Adalat that out of 53 workers, few workers have already been given the benefit of higher scale on their promotion to group C. or rest of the workers on application (representation) will be moved to the office of the prescribed authority and if as per the rules of the department, they are eligible for higher scale, the same will be granted on availability of posts. On the basis of the above settlement, this reference is disposed off as settled in lok adalat. Central Govt. be informed.

Chandigarh. 23-1-2009

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 589.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ तखनकोर प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण इरनाकूलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 140/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2006 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/222/2001-आई आर (बी-1)] अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 589.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.140/2006) of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ernakulam, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of State Bank of Travancore, and their workmen, received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-12012/222/2001-IR (B-1)] AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM

Present: Shri P.L. Norbert, B.A., LL.B., Presiding Officer (Friday the 23rd day of January, 2009/3rd Magham 1930)

I.D. 140/2006

(I.D. 14/2002 of Industrial Tribunal, Kollam)

Workman

C. Sumathy,

Kalloor-Mahima, Punukkanoor,

Perumpuzha, P.O., Kollam-691504.

By Adv.N. K. Karnis.

Management

The Assistant General
Manager, IV, State Bank of
Travancore Region-IV,
Zonal Office, Shanthinagar,
Thiruvananthapuram.
By Adv. P. Ramakrishnan.

This case comming up for hearing on 20-01-2009, this Tribunal-cum-Labour Court on 23-01-2009 passed the following.

AWARD

This is a reference made under Section 10(1) (d) of Industrial Disputes Act. The reference is ;—

"Whether the action of the management of the State Bank of Travancore, Nallila Branch to dismiss Smt. C. Sumathy from service w.e.f. 28-08-2000 is justified? If not, what relief the said disputant is entitled and from which date?"

- 2. The facts of the case in brief are as follows:Smt.C.Sumathy was a Typist/Clerk of State Bank of
 Travancore, Nallila Branch.While so, she was charge
 sheeted for falsifying accounts of customers,
 committing forgery, withdrawing money from customer's
 account by using cheque leaves taken unauthorisedly
 from the bank and misappropriating Rs.16,500 by various
 fraudulent transactions. An enquiry was conducted and
 she was found guilty of the charges. The disciplinary
 authority dismissed her from service. Though an appeal
 was filed she did not succeed. The findings and
 punishment are under challenge.
- 3. According to the worker on 08-03-2000 the Branch Manager called her to his chamber and alleged that she had fraudulently withdrawn certain amounts from customers' accounts. The Assistant General Manager threatened her that she would be thrown out of service. She was compelled to write letters admitting the guilt. As she was suffering from manic depressive psychosis and was under treatment of a psychiatrist she could not resist the pressure of the management and wrote letters as directed by Assistant General Manager taking up the responsibility of the transactions. Rs. 16,500 was also remitted by her on 09-03-2000. Thereafter she was placed under suspension and a charge sheet was issued and an enquiry was conducted. Though the worker had sought one month's time to reply to the charge sheet the

management did not wait and proceeded with the domestic enquiry. The Branch Manager and other staff are also responsible in the alleged incident. The enquiry officer failed to appreciate the medical evidence. The worker enjoys an unblemished record of service of 13 years. But it is not taken into consideration by the disciplinary authority while imposing the punishment. The punishment at any rate is disproportionate. A mock enquiry was conducted by the management. The worker is entitled to be reinstated with all benefits.

- 4. According to the management the worker did not submit an explanation to the memo of charges within the time stipulated. Hence the management ordered a domestic enquiry. On the basis of the evidence surfaced the enquiry officer came to the conclusion that the worker is guilty of the charges. The disciplinary authority carefully considered the enquiry proceedings, the enquiry report and materials on record and concurred with the findings of Enquiry Officer. After hearing the worker and considering the gravity of the misconduct the disciplinary authority imposed the punishment of dismissal. The worker preferred an appeal to the Deputy General Manager. But the appeal was rejected. Had the worker been suffering from any mental, illness it would have disabled her from attending to normal duties and she would have been advised by the bank to keep off from the duties. Therefore there is no truth in the contention that she was suffering from mental illness. The worker was represented by a defence representative. The worker was given sufficient opportunity to adduce defence evidence. There was no coercion or intimidation to admit guilt. There is no basis for the allegation that Manager and other staff are involved in the incident. The fraud was committed with due deliberation and application of mind. The enquiry was conducted properly, observing the guidelines in the Bipartite Settlement and complying with the principles of natural justice. The dismissal of the workman from service is in no way illegal or unjust. The claim is liable to be dismissed.
- 5. In the light of the above contentions the following points arise for consideration:

1. Are the findings sustainable?

2. Is the punishment proportionate?

The evidence consists of the oral testimony of MW 1 and the documentary evidence of Ext.M1 on the side of the management.

6. Point No.1:- The worker Smt.C.Sumathy was a Typist/Clerk of State Bank of Travancore, Nallila Branch. As per charge sheet dt. 13-03-2000 the allegation is that she had taken possession of a cheque book from the bank without the knowledge or authentication of supervisory official, falsified accounts, committed forgery, using cheque leaves withdrew money from customers' accounts and misappropriated Rs.16,500 by various fraudulent transactions on different dates. She was asked to submit a

reply within 10 days of the charge sheet. However she did not reply within the stipulated time. Hence an enquiry was ordered on 27-03-2000. On 10-04-2000 she sent a reply to the management regarding the allegations against her. The enquiry commenced on 10-04-2000. The worker was represented by a union representative. The enquiry spread over many days and concluded on 16-05-2000. The management witnesses three in number were cross examined by the defence. Copies of documents 12 in number were supplied to the defence. The defence had produced five documents. The worker and the defence representative had participated in the enquiry throughout. A copy of the enquiry report was supplied to the worker. Thus there is compliance with the principles of natural justice and the terms of Bipartite Settlement.

7. In the reply to the memo of charges submitted by the worker on 10-04-2000 she denied the charges and contended that she was suffering from manic depressive psychosis and that she was under treatment of a Psychiatrist at Trivandrum since January, 1999. It is also contended that she was discharging duties without application of mind and in a mechanical manner and that she was not mentally alert and so she had written letters admitting her responsibility in the alleged transactions. It was also contended that she had remitted Rs.16,500 involuntarily. It is further stated that she has put in 13 years of unblemished service (page 28 of enquiry file-Ext.Ml).

8. Ext.PE1 and PE2 are two letters even dated admitting the charges. It is seen explained by the Branch Manager as to why two letters were given on the same day. According to him it was to furnish more details about the transactions that the 2nd letter, Ext.PE2 was given. He also says that there was no compulsion by A.G.M. or anybody else to admit the guilt. In Ext.PE1 and 2 the worker admitted the guilt and expressed her willingness to make good the loss. At the end of the proceedings the enquiry officer had asked her whether she had anything more to say about the charges and she admitted her guilt again before the Enquiry Officer. It was done in the presence of the defence representative (page 52 of Ext.Ml). The statement before the Enquiry Officer cannot at all be treated as an involuntary statement. The disciplinary authority had called for a representation of the worker regarding the findings of Enquiry Officer. She submitted her representation on 07-07-2000 to the disciplinary authority wherein again she admitted her guilt. However she also stated that she cannot remember as to how and why she had done the alleged transactions and that she was suffering from manic depressive psychosis at that time (page 8 of Ext.M1). The letters admitting guilt, Exts.PEI and 2 were given to the Branch Manager on 08-03-2000 and an amount of Rs.16,500 alleged to have been misappropriated by the worker was remitted by her in the bank on 09-03-2000. Ext.PE3 dated

09-03-2000 is a letter of the worker to the Branch Manager stating that she was sending Rs.16,500 for remittance as well as forwarding the remaining unused cheque leaves through a bearer. She was sending the money and unused cheque leaves, from her home. She was free to admit or deny the allegations in Ext.PE3 as there could have been no compulsion from any official of the bank. Similarly she could have either returned or retained the unused cheque leaves. It is relevant to note that for the first time she took up a contention of involuntary admission of guilt only in the appeal and not at any time prior to that (page 16 of Ext.M 1). The learned counsel for the worker relying on a decision reported in State v. Gopinatha Pillai 1978 K.L.T. 779 submitted that a plea of guilt by itself without corroborative evidence, does not justify conviction of an accused. It is submitted by the learned counsel that the Enquiry Officer basing on the admission of guilt by the worker came to the conclusion that she had committed the misconduct alleged and there is no other evidence to support the charge. The appreciation of evidence in a proceeding in criminal court and labour court is entirely different. The strict rule of evidence is not applicable to the proceedings in labour court. It is also contended by the learned counsel that the Enquiry officer had marked Ext, PE-12 investigation report and relied on it without examining the Investigating Officer.

9. It is not correct to say that there are no materials on record to find the guilt of the worker. But it is true that the Enquiry Officer has not properly analysed the evidence on record, but mainly relied on the admission of guilt. It is to be noted that even if Ext. PE-12 is discarded, there are other materials to prove the charges. According to PW3, the Branch Manager a customer of bank Sri. Appukuttan Pillai had reported about difference in balance shown in his pass book. When the ledger sheet concerned was perused it was seen that an amount of a previous transaction was corrected from Rs. il ,688 to Rs. 10,688. Ext.PE5 is a statement of account of Sri. Appukuttan Pillai containing the correction of the amount. Smt.Santha Ramanan is the wife of workman's husband's brother. The modus operandi of the workman was that the amounts siphoned from customers' accounts used to be credited in the account of Smt.Santha Remanan and thereafter those amounts were withdrawn by the worker. Ext.PE6 is a statement of account of Smt.Santha Remanan. Ext. PE7 is a pay in slip in respect of Rs. 10,000. Ext. PE8 is a cheque purported to have been issued by customer Santha Remanan in favour of Remanan, the husband of Smt.Santha Remanan, but forged by the worker. Exts.PE9 and 10 are transfer scrolls. Ext.PE-11 is a pay in slip for Rs.5,500. These documents relate to the alleged transactions by manipulating the accounts and fraudulently debiting and crediting the amounts as well as withdrawing various amounts on various dates. PW1 to 3 have also supported the case of the management, PWI is the Assistant Manager of the Branch., He identifies the

handwriting of the worker in Ext.PE-7 pay in slip for Rs.10,000. According to him four cheques mentioned in Ext. PE6 statement of account of Smt. Santha Remanan were passed by him for payment but they were posted by the worker and entrusted to him for passing. Believing her being a staff member and since the amounts were to be paid to the worker he had passed the cheques. PW3 is Branch Manager. He has also supported the charges. PW2 is cashier in charge. According to him the payments of four cheques mentioned in Ext. PE8 were made by him. Out of them amounts of three cheques were given to the worker. The three cheques were signed on their reverse side by Sri Remanan, the brother of worker's husband and therefore without further getting the signature of the worker the amounts were disbursed to her. He also says that Ext.PE 1 and 2 letters were given to the Branch Manager voluntarily by the worker and he is a witness to Ext.PE-2. These documents and oral testimony of PWs. 1 to 3 are sufficient to prove the allegations against the worker. Therefore it is not correct to say that the conclusions are drawn by the Enquiry Officer merely on the basis of the admission of guilt of the worker. The very fact of returning unused cheque leaves clinches the issue regarding unauthorised possession of a cheque book. Some of thecheque leaves were utilised for forging the signature of Smt. Santha Remanan, presenting them in bank and realising the amounts.

10. One of the main contentions of the worker is that at the relevant time of alleged transactions and even prior to that she was suffering from mental illness (Manic Depressive Psychosis). To substantiate the contention she has produced Exts.DE1 to 4. Ext. DE 1 is a medical certificate issued on 06-04-2000 by Dr. R. Balakrishnan, Psychiatrist (Retired) certifying that the worker was under treatment from 03-01-1999 for Manic Depressive Psychosis with anxiety overlay. Ext. D E2 is prescription of Dr. K. Santhakumari, Medical College Hospital, Thiruvananthapuram dt. 20-05-1999 for headache. Ext.DE3 is prescription by Dr.S.Madhusudanan, Medical College Hospital, Thiruvananthapuram on different dates from 24-05-1999. It contains only prescriptions of certain medicines without mentioning the illness. Ext.DE4 is a prescription of Dr.T.K.Sathees Chandran, Quilon. It also contains only prescription. Admittedly the worker had not informed the bank about her illness or treatment at anytime prior to the disciplinary proceedings. For execution of the alleged acts the presence of mind, alertness, diligence and shrewdness are necessary. A person afflicted by mental illness may not be able to do such things. Amounts were debited in the accounts of different customers fraudulently, interest accrued in different accounts were transferred to some other accounts and then pooled together and put it in the account of Smt.Santha Remanan and thereafter the amounts were withdrawn by the worker. It is a cunning way of cheating the account holders. It requires presence

of mind and deligence. It cannot be done by a person with a derailed mind. Therefore there is no merit in the contention of the worker regarding mental ill health.

There is ample evidence to prove the charges and the findings of Enquiry Officer requires no alteration.

11. Point No.2:- The punishment imposed is dismissal from service. The family is not financially unsound. Her husband is an officer of a bank. The fact that the worker has put in 13 years of unblemished service in the bank is not a reason to reduce the punishment as the misdeed committed is grave in nature, touching the honesty of the person and credibility of bank. It is not the number of instances of misconduct that is decisive of the quantum of penalty, but severity of the offence. The crafty and deceptive manner in which the mischief was committed calls for no leniency in the matter of punishment.

12. In the result an award is passed finding that the action of the management in dismissing Smt.C.Sumathy from service is legal and justified and she is not entitled for any relief.

The award will come into force one month after its publication in the official gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 23rd day of January, 2009.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

Appendix

Witness for the Workman :

Nil

Witness for the Management

MWI-1-7-2004

. M. Mohamed Gowth

Exhibit for the Workman

Nil

Exhibit for the Management M1 - Copy of Enquiry File.

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 590.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या-सीजीआईटी/एनजीपी/92/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29011/12/92-आई आर (एम)] कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 590.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.CGIT/ NGP/92/2003) of the Central Government Industrial Tribunalcum-Labour Court, Nagpur now as shown in the Annexure. in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Mineral Exploration Corporation Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on 10-02-2009.

[No. L-29011/12/92-IR (M)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRIA. N. Y ADA V PRESIDING OFFICER. CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR.

Case No. CGIT/NGP/92/2003.

Date: 14-01-2009

Petitioner

The General Secretary, Mineral Exploration Corporation Employees Union (affiliated to AITUC, Seminary Hills, Nagpur-440006.

.....Party No.1

Versus

Respondent The Chairman-cum-Managing Director, Mineral Exploration Corporation Limited, Seminary Hills, Nagpur-440006. Nagpur-440001.

..... Party No.2

AWARD

[Dated: 14th January, 2009]

The Central Government after satisfying the existence of disputes between The Secretary, Mineral Exploration Corporation Employees Union (affiliated to AITUC), Seminary Hills, Nagpur, Party No.1 and The Chairman-cum-Managing Director, Mineral Exploration Corporation Limited, Seminary Hills, Nagpur Party No.2 referred the same for adjudication to this Tribunal vide its Letter No. L-2901 1/12/92-IR(Misc.) Dt. 07-01-1993 under clause (d) of sub Section (1) and sub Section (2A) of Section 10 of Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947) with the following schedule:---

(A) Whether the action of the management of Mineral Exploration Corporation Ltd., Nagpur in not regularizing the services of S/Shri A.K. Janson and 2144 others (as per Annexure 'A' attached) and depriving them from all fringe benefits like permanent workmen is justified? If not, to what relief the concern workmen are entitled to and from what date?

(B) Whether the action of the management of MECL, Nagpur in not providing the employment to Smt. Surya

Gayee and 63 others (as per Annexure 'B' attached) as the legal heirs/dependants of the deceased employees on compassionate ground is justified? If yes, to what relief are they entitle to and from what date?

Consequent up on the establishment of this tribunal at Nagpur, the present Reference registered on transfer as No. 92/2003, earlier was referred and registered as reference No. 11 of 1993 at the C.G.I.T. Jabalpur. In response to the notices of this tribunal the parties appeared and filed their respective statements of claims.

- 2. I heard the counsels of the parties perused the papers. In the very beginning of the judgment I would like to point out that at present all the contingent workers are undisputedly retrenched by paying compensation to them as per rules. Now none of the petitioner from the list Ex. 39, is working. Mr. Awsthi learned Advocate for the Union has tried to show as to how the retrenchment is void, but entire claim petition is silent about it. The scheduled i.e. order of the Ministry (Reference) is also not directing to investigate the legality of the retrenchment. Thus the issue of the retrenchment is neither raised nor directed to be considered therefore it is not under consideration at all and the submissions of Mr. Awsthi on this point cannot be considered. Consequently it follows that the regularization up to the date of retrenchment will have to be considered in light of directions given by Hon. S. C.
- 3. From the record particularly list of retrenched workers submitted by the management shows that every member has worked as contingent workman for the period ranging from 8 to 20 years undisputedly they have completed continuous 240 days practically in each year right from their appointments. Though the management has submitted that it was practice to retrench the workers on winding up of the work of one place, there are so many workers who were even transferred to the new places of working which is one of the features of the regular employee. However according to the management those were the permanent skilled employees. In short the workers who satisfy the directions given in the judgment of Hon. S.C. and principles of the Umadevi's case are entitled for regularization.
- 4. The main contentions of the union are that the respondent Mineral Exploration Corporation Ltd. (here after referred as Corporation) carries out drilling and mining on experimental basis at various remote places in the country to see the feasibility of finding deposits of minerals to start the new mines. Though it has 90 % regular and continuous jobs requiring the regular workmen, it is employing only 40 % regular Workmen and rest employees are employed as Contingent / temporary workers. Some of the workers recruited in 1980 are still working as contingent workman. Ranging from 8 to 20 years they are continued and kept as contingent workman depriving them from the fringe benefits, such as conveyance allowance, leave facilities, loans, advances promotion etc. which amounts to unfair labour practice. They are performing the

same duties of the regular employees but are not getting the salary at par with them which are against the principles of equal pay for the similar work and it is discrimination between the workmen which is against the principle of law and natural justice.

- 5. It is contended that since the date of establishment i.e. from 1972 to 1988-89 the man power employment the management is 3500 to 8900 however the management has never exceeded the number of the regular employee more than 5000. Thus it is continuing to take regular work through contingent workers for long duration which amounts to exploitation and consequently unfair labour practice. The management at the time of starting the new exploring work on the new site locally recruits unskilled workman. The regular workmen are transferred and taken to the new place. Thus they are continuing as contingent labours for years together as alleged by the Union.
- 6. The issue No.2 is regarding not providing the employment to Smt. Gayee and 63 others (as per list attached as annexure B) though they are the dependant/legal heirs of the deceased employees of the respondent corporation on the compassionate ground. The issue of providing employment to one the legal heirs of the deceased employees listed in annexure is under consideration from long time. It is contended that in the Apex council a policy making body had taken the decision in this regard and framed the policy to grant the employment to the next of the kin of the deceased employee. According to the union in spite of this bipartite agreement which is biding on the management is not implementing it. It is contended that the management being the public sector it has power to create new posts and therefore unavailability of the posts cannot be answer for refusing appointments. Near about 800 posts are lying vacant to accommodate listed legal heirs. Thus according to the petitioner Union the management failed to honor its commitments.
 - 7. Finally the petitioner union has prayed:—
- (a) Regularize all the contingent workers (as per their list of 2145 workmen as per annexure ("A") in the respective posts from the effective date of their appointments and they should be given regular increments, promotions and fringe benefits etc. equivalent to the regular employees. They have claimed allowances and fringe benefits equal to the regular employees.
- (b) The management be directed provide suitable employment on compassionate ground to all legal heirs to the claimants listed in annexure "B"
- 8. The management appeared and filed its w. s. denying the averments of the petitioner. It has contended that it executes the work on behalf of the Government of India and the assignments offered by the sister undertaking of State and Central Government. Its work is to ascertain whether the sizable deposits exists for developing the mine. It works in different projects located in different parts of the country even in the remote area. It requires two different

categories of the workman i.e. regular workman and contingent workman. The regular workmen are skilled, technical staff working on the various Machines and maintaining them. They are of permanent nature carry out the mineral explorations and technical activities. Another category is of contingent workmen whose appointments are of temporary nature, unskilled, having physical fitness as main qualification. They are easily available in the nearby villages of the site. They are the local person of the place where the work is being carried out. They generally perform manual labour work like digging earth and removing slit etc. and engaged purely for temporary duration. The regular employees are experienced, skilled, appointed following the recruitment rules, i.e. calling applications screening tests after constituting the committee. Interview etc. They are appointed on all India basis notifying the posts all over India. It is the terms and condition of their appointment that they are liable to be posted anywhere in India. Regular persons are sent on tour. The job specification, job description, nature of the work, job duties. accountability and responsibility of the regular employees is different. On winding up the work of that area, the local persons are retrenched on paying compensation as per rules while the regular employees are transferred where the new assignment is received. On receiving new assignment at another place the local persons from that particular area preferred for the contingent category of the labours as the corporation follows the principle of engaging son of the soil. According to the corporation this procedure is followed in respect of the contingent workers. The Government of India has permitted on many occasions to close down the projects after retrenching the contingent workman. It has also submitted that after the incorporation of sub-clause (bb) u/s the corporations engaging contingent workman on specific contract. Thus the Management is following this practice while recruiting the both contingent as well as regular employees.

Further according to the corporation the petitioner Union has entered in to the agreement before C.G.IT., Jabalpur and after settlement the consent award was passed on 23rd Feb. 1980, in reference C.G.I.T./CL(R) 16.1979. It is binding on the petitioner Union as per bipartite settlement which was settled after discussions in joint bipartite committee. The settlement is still in the existence and binding on the Union. It was agreed that the union will not raise any disputes during its existence and same is replaced by another settlement. The instant dispute was raised during the operation of 3rd wage settlement. The settlement also reaffirms and recognizes that the working of the corporation entails two types of workman i.e. regular and casuals. Now in view of its participation in the settlement, the Union is estopped from raising the disputes. It is also contented that Hon. HC. of Andra Pradesh has upheld its contention that the petitioners are estopped from questioning the Award. In Writ petition No. 10764 and 19584/1988, the principles are applicable to the present dispute also.

- 10. The management, submitting the copies of the judgments of A.P. High Court in writ petition No. 10764 and 19584 both of 1988 and Copy of the Judgment of Hon. S.C. in writ petition No. 1129 of 1988 the writs filed by some of the contingent workmen, submitted that the dismissal of the above writs indicates that their regularization can not be claimed as of right.
- 11. The management having admitted that 882 casual workmen were working in Feb. 1995 has submitted that considering the nature of their work which is not similar to regular employees they can not be given the benefits and the scale of the regular workmen. According to the corporation it is facing the acute reduction of the work and looking the work order position it is required to reduce the manpower also. Further it is contended that it is facing the financial crunch and also running in loses which has forced it to resort the voluntary retirement scheme. It has retired. 888 workmen considering the work order and financial crises. The corporation is inducing the workman for voluntary retirements. The existing manpower is Surplus to the requirement and there is no scop for the regularsation. It is not able to pay their salaries. Referring the judgment of the Hon. M.P. High Court in writ petition No.1431/86 and letter of the Ministry of Labour filed in Sitanala project has contended that each project of the corporation is temporary Industrial Establishment and on completing the work casual workman are retrenched. The hon. High Court as well as the Government has given the permission for retrenchment of the contingent workmen on winding the work.
- 12. So far as the issue of appointment on compassionate ground is concern, according to the management it had formed a policy to provide the employment to one of the dependants of the diseased workman. However since it is facing financial crisis and continuous defection of the works order it is not possible to provide any employment as prayed on compassionate ground. Finely it has prayed to dismiss the claim.
- 13. Before proceeding to appreciate the evidence of the parties it will be very much essential to see the history in brief of this case as well as the specific direction of the Hon. Supreme Court. On the basis of the above pleadings, after recording evidence and hearing arguments My learned predecessor, presiding officer of this tribunal passed the Award on 24-3-1998, directing to regularize all 2145 workman as per Annexure "A" within three months from the date of publication of award (13-4-1998). It also found that they are entitled for regular pay scales increments, D.A. leave facilities The tribunal also directed to provide the employments to the dependant heirs of the deceased employees. On compassionate ground as prayed by the Union. The corporation challenged the Award before H.C. in writ petition No. 1981/1998 and since the benefits of regularisation and others were not granted with

- retrospective effect from the date reference i.e. 7-1-1993 the union has challenged the award in writ petition No. 5423/1998.Both writs were decided Hon. Single Judge of H.C. allowed the writ of Corporation and dismissed the writ of the Union by a common Judgment. The Union being aggrieved preferred the appeal before Hon S.C. in civil appeal nos. 2027 and 2028 of 2000.
- 14. During the pendency of the above appeals Hon. S.C. issued interim directions to the corporation to provide the work to the members of the union as casual labours provided the work is available and if the workmen are willing to go the places where the work is available. The Constitution Bench of Hon. S. C. by its judgment dated 26-7-06 disposed of the appeals and remanded the original claim petition to this tribunal with the certain directions as under:—
- 15. To decide it afresh strictly in accordance with and in compliance with all the directions given in the judgment, the Secretary of the state of Karnataka & others Vs. Umadevi (3) & others Reported in (2006) 4 S.C.C. particularly paragraphs No. 53 & 12 and till then the interim order dated 3-5-1991 to remain in force. There are other directions also which are asking the tribunal to scrutinize the record in regard to the genuineness and authenticity of each and every claimant for regularization who have worked for 240 days in a year. There are specific directions to consider health as to ability to work and age of each claimant i.e. as date of the superannuation, besides other guidelins of Para No. 53 of Umadevi's case reads as follows—

"One aspect needs to be clarified. There may be cases where irregular appointments (not illegal appointments) as explained S. V. Narayanappa, R. N. Naniundappa and B. N. Nagaranjan referred to in Para No. 15 above, of duly qualified persons in duly sanctioned vacant posts Might have been made and employees have continued to work for ten years or more but without intervention of the orders of the court or of tribunal. The question of regularization of the services of such employees may have to be considered on merits in the light of the principles settled by this court in the cases referred above to and in the light of this judgment. In that context, the Union of India and State Governments and their instrumentalities should take steps to regularize, as one time measures, the services of such irregularly appointed, who have worked for ten years or more in duly sanctioned posts but not under the cover of the orders of the court or of Tribunal and should further ensure that the regular recruitments are under taken to fill those vacant posts that requires to be filled up, in cases where temporary employees or daily wagers are being now employed. The process must be set in motion with in 6 months from this date. We also clarify that regularization, if any already made but not subjudice, need not be reopened based on this judgment, but there should be no further by passing of the constitutional requirements and regularizing or making permanent, those not duly appointed as per constitutional scheme."

- 16. I have gone through the evidence. The petitioner union has examined as many as 22 witnesses while the management has examined 3 witnesses. All the petitioners witnesses have repeated the same and the similar facts as mentioned in their statement of claims. The sum and substance or their evidence is that.—
 - (a) The corporation is continuing the workman as contingent or temporary labours, for years together.
 - (b) Some of them are even appointed even before 1979.
 - (c) Though they are treated as temporary are transferred from one place to other places.
 - (d) They are paid daily wages instate of regular salary. They are not getting the regular pay scale increments and other allowances though they are working continuously for more than 10 years and even some of them from 20 years.
 - (e) They neither promoted to the higher post, nor getting the leaves benefits or other allowances though the subscription for G.P.F. is deducted from their salaries. No fringe benefits are given to them.
 - (f) Old temporary workmen are removed without notice and the corporation is indulging in unfair labour practice.

All the above witnesses are cross-examined on behalf of the corporation but their evidence remained unshattered. It proves their case that they are entitled for the regularization. Similarly the witnesses examined by corporation could not deny these vital facts. In the result the evidence of the union is reliable as well as confident. It will have to be accepted.

17. I heard the counsels of the parties perused the papers. In the very beginning of the judgment I would like to point out that at present all the contingent workers are undisputedly retrenched by paying compensation to them as per rules. Now none of the petitioner from the list Ex. 39, is working. Mr. Awsthi learned adv. for the Union has tried to show as to how the retrenchment is void, but entire claim petition is silent about it. The scheduled i.e. order of the Ministry is also not directing to investigate regarding it. Thus the issue of the retrenchment is neither raised nor directed to be considered. The submissions of Mr. Awsthi on this point cannot be considered. Consequently it follows that the regularization up to the date of retrenchment will have to be considered in light of directions given by Hon. S.C.

18. The Hon S.C. in the same case (Umadevis case)in Para No. 17 observed that the state is controlled economic consideration and financial implications the viability of the department of any public employment; or the instrumentality or of the project needs to be considered.

The Hon. S.C. questioned as to whether the courts can impose financial burden on the state by insisting on regularization or permanence in the employee. The court observed that the courts are not expected to impose a financial burden on the state by such directions. The union has also no where specifically prayed to reinstate the petitioners, may be because at the time raising the dispute they were not retrenched but fact remains that at present they are not in service. Since they are out of service on the retrenchment which appears to be legal and unchallenged, the question of regularizing them or absorbing in permanent post and continuing them for further period does not arise. In such circumstances the submissions of the petitioner's c regarding reinstatement cannot be accepted. It will also not proper to direct the corporation and to increase the financial burden on it who practically has retrenched the workman considering the works order and financial restrained. There is no specific evidence to show that its work of searching the minerals or any project as part of the work is going on at particular place.

19. Similarly it is also not the case of the petitioners that the corporation has appointed some other persons avoiding the retrenched workers of the Union. As indicated above no evidence is adduced to prove the particular place where the corporation is taking the work avoiding the petitioners engaging new other workers. It is submitted that the corporation has perennial work but it is avoiding starting the work. The submissions of the Union that the corporation is deliberately not starting the work can not be accepted. Similarly the corporation cannot be forced or directed to start the new work because it requires the financial implication. In such circumstances the corporation cannot be directed to start the new work for providing it to the petitioners. In the result in my view the petitioners are not entitled to any relief than to direct the corporation to regularize the petitioners from the date of their appointments, fix their pay in regular cadre and pay the all fringe benefits and salary equal to the regular employees from the date of their respective appointments till the date of their retrenchments. They shall also be given regular increments and promotions who were eligible as per rules during the above period till retrenchment.

that the union has committed the breach of the consent Award D/23 Feb. 1980 of C.G.I.T. Jabalpur. Undisputedly there was settlement which ultimately resulted in above award. The copy of it is on record. The Union had agreed not raise any dispute during the operation of the 3rd National wage settlement. It seems that settlement was arrived after the discussion between the management and present petitioner Union. Both were the parties to that settlement. The issue of regularization was discussed on receipt of the report of the committee constituted for the same purpose. The corporation was willing to safe guard

the contingent workmen as the Union was insisting to adjust them on any job, but considering the difficulty of put up by the Union that more than 50% of the contingent workmen will not shift to the new place of job it was settled to resort the retrenchment of unwilling contingent workmen. It was also agreed that all the future employment will be made for the specific work and/or for the duration of the project. The present act of the Union is certainly demand raised during the operation of the above Settlement Award as well as against settlement. However, as they worked continuously for 10 years or more entitled for regularization till they are retrenched. The Judgment of the Hon. H. C. Andhra Pradesh referred in W. S. is guide line on this point.

20. Now let us turn to another aspect of the dispute regarding the claim of Union for the direction to appoint 66 persons as per list Annexure B on compassionate ground since they are the next akin of the deceased Employees. It is a fact that there was settlement and the management had framed a policy to appoint one person from the akin of the deceased workman, however; according to the management it is facing financial crisis and continuous defection of the works order it is not possible to provide any employment as prayed on compassionate ground. As indicated above there is nothing on record to show that there is work and the corporation is functioning and taking the work. It undisputed fact that it has reduced the manpower and also retrenched the employees. There is nothing on record to show that management has appointed other new outside persons avoiding the legal heirs of the deceased employees. In such circumstances the corporation cannot be forced to appoint these 66 persons. In my view the prayer of 66 Akins of the deceased workman will have to be rejected. I proceed to pass the following order.

Here it would not be out of place to mention that the Union total No. of the petitioners as 2145. The list received from the Ministry along with the reference does not have serial numbers it is not even visible as well as readable. Therefore the parties were directed to submit the readable list of names of the petitioner/workers. Accordingly the Union has submitted the list but it is as per seniority. The management without taking any pains zeroed the list of the union and submitted it. Both lists were tallied in the office of C.G.I.T. Nagpur, with the list received along with reference with the help of the union leader its counse! Mr. Sen who has certified about its correctness. As the list received from Ministry is illegible and not serially, the list submitted by the Union will have to form part and parcel of this Award.

ORDER

- The Corporation/Respondent/party No 1 is directed to regularize the 2145 petitioners as per list Exhibit P39, to fix their pay in regular cadre.
- Pay them the salary of the cadre of regular employees along with the all fringe benefits equal

- to the regular employees from the date of their respective appointments till the date of their retrenchments within the period of four (4) months from the date of publication of this Award in gazette.
- 3. The list of 2145 employee's P "39" shall form part and parcel of this Award.
- 4. The claim of the 66 petitioners as per list Annexure "B" regarding the appointment on compassionate ground shall stands as rejected.
- 5. The list of 66 employees Annexure "B" also shall form part and parcel of this Award.
- 6. All the exercise should be done within a period of 4 (four) months from the date of the publication of the award in the Gazette.

Dated: 14-1-2009

A. N. YADAV, Presiding Officer

SL		N. TADAY, Presiding Office
·No.		Date of
		Appointment
		3
	S/Shri	
1.	Rajeshwar Singh	16-02-1979
2.	S. Sharma	11-06-1979
. 3.	A. K. Aditya	16-08-1979
4.	Tikaram Mahato	08-10-1979
5,	N. Mishra	11-10-1979
6.	R. K. Chawla	19-10-1979
7.	Md. Harun	24-10-1979
8.	Jagdish Mahanto	09-11-1979
9.	R. N. Hazare	01-01-1980
10.	K. Chatterjee	-do-
11.	S. Mandal	-do-
12.	R. Mandal	-do-
13.	Sadanand Singh	-do-
14.	Dhaneshwar Yadav	-do-
15.	Jaglal Prasad	-do-
16.	Sheikh Shahid	-do-
17.	B. K. Singh	-do-
18.	Sheikh Sammu	-do-
19.	Sheikh Raokari	-do-
20.	Dudheswar Singh	-do-
21.	Samar Bauri	-do-
22.	Sheikh Mahassin	-do-
23.	Sudamoy Badayakar	-do-
24.	Parvesh Bauri	-do-
25.	Maksu Mahato	-do-
26.	Maheswar Sarak	-do-
27.	Nepal Bauri	02-01-1980
28.	Ravi Modak	07-01-1980
29.	Varghese	08-01-1980
30.	Joginder Pandit	-do-

1	2	3	1	2	3
31.	N. Mahanto	11-01-1980	79.	Sahadev Rajbansi	01-07-80
32.	Sailendar Singh	13-01-80	80.	Suresh Samudre	5-7-80
33.	Banamali Bera	18-1-80	81.	S.K. Mahaber	-do-
34.	Harbayan Singh	26-01-80	8 2.	Peetsam	16-76-80
35.	Sujay Banerjee	28-01-80	83.	Sharkar Rana	21-7 -8 0
36.	S.C. Gha	28-1-80	84.	Jamika Tusi	-do-
37.	Bhageswar Thakur	01-02-80	85.	B.P. Singh	22-7-80
38.	C.S. Ram	01-02-80	86.	Sharaslal Khamaji	-do-
39.	Sahadev Yadav	-do-	87.	Lsksna Miya	-do-
40.	Sharoj Prasad Yadav	-do-	88.	Madan Podar	-do-
41.	J.G. Chatterjee	04-02-80	89.	Banna Bhesa	-do-
42.	D.S. Maji	-do-	90.	Gautam Maji	-do-
43.	Ajit Kr. Pathak	12-02-80	91.	Dholla Nesa	-do-
44.	Ram Bahadur	23-02-80	92.	Nar Bahadur Jai Bahadur	-do-
45.	Sudershan Kushwaha	01-03-80	93.	Manja Paura	-do-
46.	R.N. Paul	-do-	94.	Jaggu Dhera	-do-
47.	Gopal Kushwaha	04-03-80	95.	Onkar Nathu	-do-
48.	Bijoy Gutle	05-03-80	96.	Mongba Poonja	-do-
49.	Ramkrishna Paswan	07-03-80	97.	Amaredu Lalloo	-do-
50.	Dinesh Singh	22-03-80	98.	Kanoji Lala	-do-
50. 51.	Beniprasad	28-03-80	99.	Imam Hussain	-do-
52.	S.S. Chatterjee	01-04-80	100.	Gangadhar Ghayanshyam	-do-
52. 53.	Puran Mahato	29-03-80*	101.	Nathu Nagji	`-do-
54.	Dson Bahadur Sharma	-do-	102.	Abhas Dasgupta	-do-
54. 55.	Bindeshwar Prasad	01-04-80	103.	Dharam Singh	28-07-80
56.	Gasadhar Karmakar	-do-	104.	Ram Gopal Sharma	01-08-80
50. 57.	Mubarat Ansari	-do-	105.	K.B. Prasanna Kumaran	05-08-80
57. 58.	Shankar Lal	-do-	106.	Safique	-do-
	Bhaktapada Bagh	02-04-80	107.	C.V. Verghese	11-08-80
59.	Sukhdev Yadav	06-04-80	108.	Md. Ansari	12-08-80
60.		07-04-80	109.	Kistu Raidan	13-08-80
61.	Bharat Das Ram Dutar Ram	· -do-	110.	Bhagwatilal Lakshmilal	17-08-1980
62.		20-04-80	111.	Krishna Kana	-do-
63.	-	24-04-80	112.	Hanuman Singh	-do-
64.		02-05-80	113.	-	-do-
65.	•	03-05-80	114.	*	-do-
66.	_	20-05-80	115.	•	-do-
67.		-do-	116.		26-08-80
68.		02-06-80	117.		-do-
69.		-do-	118.	-	-do-
70.		06-06-80	119.		-do-
71.		10-06-80	120.	-	26-08-80
72.		14-06-80	121.		-do-
73.		16-06-80	122.		-do-
74.		22-06-80	123.		01-09-80
75.	· ·	28-6-80	124.		04-09-80
76		28-0-80 1-7-80	125.		24-09-80
77	•	01-07-80	126.	·	01-10-80
78	. Mohanlal	U1-U/-6U	(20.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	

1	2	3	1	2	3
127.	Buddhadev Oraon	01-10-80	176.	Sibu Kr. Roy	01-07-81
128.	Ganesh Oraon	-do-	177.	C.S. Mahanto	•do-
129.	Mahadev Oraon	-do-	178.	Kishna Pathak	14-7-81
130.	John Toppo	-do-	179.	Devilal	01-08-81
131.	Lakhan Lal	-do-	180.	Sheikh Rafique	-do-
132.	Bishnu Bahadur	-do-	181.	A.K. Mukherjee	-do-
133.	Narayan Mahanto	-do-	182.	Bojiy Hait	-do-
134.	T.C. Thomas	6-10-80	183.	R.N. Chakraborty	-do-
135.	M.B. Anthrose	3-11-80	184.	Dilip Deyasi	-do-
136.	B.S. Faseda	3-11-80	185.	Sunil Kr. Mondal	-do-
137.	S. Gope	08-11-80	186.	Tapan Kr. Mondal	-do-
138.	Kurba Miya	11-11-8-0	187.	Gojan Mondal	-do-
139.	Fatie Senapati	14-11-80	188.	Lambu Maji	-do-
140.	Iswar Singh/S. Singh	18-11-80	189.	Rabilal Ghosh	-do- 01-08-1981
141.	Lalu/Manji	-do-	190.	Anandmoy Ghosh	-do-
142.	Narain Singh/L. Singh	-do-	191.	Ajoy Adhikary	-do-
143.	Tilumani Deep	29-11-80	192.	Sheikh Dhulu	-do-
144.	Ramalal Gope	03-12-80	193.	B.R. Mahale	03-08-81
145.	Z. Varghese	10-12-80	194.	P.S. Badel	-do-
146.	P. Sharma	19-12-80	195.	Nona/Khurji	
147.	Shafique Khan	-do-	196.	Prema/Nagji	22-09-81
148.	Bhutoo Ram	-do-	197.	Heera Nath/Shivnath	-do-
149.	S.N. Mishra	-do-	198.	Keshulal/Nathuji	23-9-81
150.	B.N. Ansari	-do-	199.	Sona/Kuba	-do-
151.	Ravi Sarkar	20-12-80	200.	N.N. Paramanik	-do- 26-09-81
152.	Mannalal	01-01-81	201.	Mathi Babit	
153.	Phool Singh		202.	Haneef	2 7 -9-91
154.	Somra Oraon	-do-	203.	Udailal	28-9-81
155.	Hariprasad Mahanto	-do-	204.	Durga Kr. Gorai	5-10-81 8-10-81
155. 156.	Dhun Singh	21-01-81	205.	Farid Ansari	17-10-81
157.	Barku	27-01-81	206.	Chhotu Prasad	22-10-81
158.	V.B. Shekhar	01-02-81	207.	Baiju Prasad	-do-
159.	Sedilal	05-02-81	208.	Saldev Rawat	-do- 01-11-1981
160.	D.D. Samuel	11-2-81	209.	Gopal Chetri	09-11-81
161,	Panchlal	26-2-81 01-04-81	210.	H.D. Ramatkar	16-11-81
162.	Santosh Guha	-do-	211.	Rajan Miya	20-11-81
163.	Rajkumar Yadav	12-04-81	212.	Dassaru	26-11-81
164.	Jai Nath Rai	20-4-81	213.	P.K. Phukan	-do-
165.	Surbani Mehata	-do-	214.	Chaitan Majhi	1-12-81
166.	Lalan Chaudhury	25-4-81	215.	Panchamlal	16-12-81
167.	Bharat	27-4-81	216.	Bhara Singh	18-12-81
168.	Kashi Ram	5-5-81	217.	Basir Khan	24-12-1981
169.	Munshi Hajam	13-5-81	218.	Udham	-do-
170.	Saligram	26-5-81	219.	Ramchand	26-12-81
171.	Madanial	-do-	220.	Balram	-do-
172.	Lachyram	-do-	221.	Deveka	-do-
173.	K.L. Chakraborty	16-6-81	222.	Siprakash Sippu	-do-
174.	Narayan Bauri	01-07-81	223.	Md. Eksar Khan	01-01-82
175.	Rabi Tudu	-do-	224.	Sikdeo Paswan	-do-

1	2	3	. 1	2	3
225.	Sikdeo Paswan	01-01-82	272.	Laxman	9-3-82
226.	Gaya Rai	12-01-82	273.	Santosh Ghosh	16-3-82
27.	Jagganath Rajak	16-01-82	274.	S. Thakur	17-3-82
28.	Aftar Sha	26-01-82	275.	S.C. Patnaik	18-3-82
229.	Md. Zahad Imam	30-01-82	. 276.	N.K. Behra	-do-
230.	Ramakant Ram	01-02-82	277.	Damji Keoja	- d o-
231.	D.D. Sahoo	-do-	278.	A.L. Mustakin	22-3-82
232.	L.H. Somkumar	-do-	279.	Kartika Prasad	-do-
233.	Chiranji Lal	-do-	280.	J.C. Ghosh	26-3-82
234.	Bhagat Lal	-do-	28 1.	Bharat Singh	27-3-82
235.	Shanti Lal	-do-	282.	N.N. Majhi	01-04-82
236.	Fukija Sooin	-do-	283.	Kanupriya Roy	01-04-82
237.	Manshu Lal	-do-	284.	Daitry Mahato	-do-
238.	K.C. Saimon	-do-	285.	Rajkumar Thakur	-do-
237.	Sumaran	-do-	286.	Madhusudan Baxi	5-4-82
239.	Mohan	-do-	287.	Ramdev Mahato	10-4-82
240.	Ganesh	-do-	288.	Birju Mahant	-do-
241.	C.D. Kathane	-do-	289 .	K.V. Abraham	12-4-82
242.	Choten	01-02-82	290.	Lakhan Yadav	16 -4-8 2
243.	Kaliram	-do-	291.	P. Rawat	-do-
244.	Premlal	01-02-82	292.	Ganpat	23-4-82
245.	M.P. Mishra	-do-	293.	Pratap Singh	26-4-82
246.	А. Аррагао	-do-	294.	Bagilal	-do-
247.	G.J. Prasad	02-02-82	295.	R.G. Rajurkar	1-5-82
248.	Ruplal Mahato	03-02-82	296 .	K.V. Singh	-do-
249.	G.V. Ombarkar	-do-	297. .		10-5-82
250.	Rajendra Mistry	06-02-82	298.	-	10-5-82
251.	Sitaram Yadav	07-02-82	299.	Sevakram	13-5-82
252.	Ramdas Mahato	-do-	300.	Hanif	-do-
253.	N.K. Sarak	- do-	301.	Shiva Prasad	2-6-82
254.	Kisan Singh	13-02-82	302.	D.S. Belsare	5-7-82
255.	Mongal Singh	-do-	303.	Jagdish Jha	9-7-82
256.	Hiram Chand	14-02-82	304.	Sukhaji	15-7-82
257.	Sudakar Banerjee	15-02-82	.305.	P.K. Mishra	27-7-82
258.	Mongra Solin	19-02-82	·306.		1-8-82
259.	-	22-02-82	307.	· ·	-do-
260.		23-2-1982	308.		3-8-82
261.	Kalyan Parida	26-2-1982	309.		18-8-82
262.	August Mahato	1-3-1982	310.		-do-
263.	Samar Dhihar	-d o-	311.	-	29-9-82
264.	Jamaluddin Ansari	-do-	312.	•	01-11-82
265.	B.K. Pal	3-3-1982	313.		-do-
266.	Suresh Mahato	4-3-1982	314.		2-14-82
267.	Arun Mishra	6-3-92	315.	•	4-11-82
268.	R.C. Prajapathi	-do-	316.		6-11-82
269.	Ranjit Sahu	-do-	317.	·	6-12-82
270.	- · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	7-3-82	. 318	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1-1-83
271.	·	7-3-82	319	. Rama Rao S/o Vika Ram	7-1-83

1	2	3	. 1	2	3
320.	Hanselal	1-2-83	369.	Veer Singh S/o Amar Singh	19-7-83
321.	Kalu Singh	6-2-83	370.	Shambu La!	-do-
322.	Soma Ram .	7-2-83	. 371.	Balwant Singh S/o Kan Singh	27-7-83
323.	Nimba Ram	17-2-83	372.	Gatan Khan S/o Hedar Khan	-do-
324.	Neema Ram	-do-	373.	Kesara Ram S/o Banna Ram	-do-
325.	Chunna Ram	13-3- 8 3	374.	Multana Ram S/o Ganga Ram	
326.	Lala Ram	-do-	37 4 .	Shova Ram S/o Gamdha Ram	1-8-83
327.	Jola Ram	-do-	376.	*****	-do-
328.	Ganpat Singh	16-3-83	370. 377.	Hireha Singh S/o Kaump Singh Paima Ram S/o Beena Ram	
329.	R.K. Pailkar	-do-	377. 378.	Hira Ram S/o Hari Ram	-do-
330.	Vinay Kumar	17-3-83	37 9 .		-do-
331.	Rajbeer	25-3-83		Naina Ram S/o Nanga Ram	-do-
332.	B.C. Ghosh	1-4-83	380.	Pura Ram S/o Bala Ram	-do-
333.	Magaram Maji	-do-	381.	Mangu Ram S/o Sona Ram	-do-
334.	Joydev Rai	-do-	382.	Kuna Ram S/o Pema Ram	1-8-83
335.	Jaminder Singh	-do-	383.	Jaggu Ram S/o Sona Ram	3-8-83
336.	Madhai Bauri	-do-	384.	Banwar Lal S/o Kasta Ram	-do-
337.	Dinu Bauri	01-04-1983	385.	Shiv Ram S/o Arjun Ram	6-8-83
338.	Haru Bhandary	-do-	386.	Arjun Singh S/o Damna Ram	-do-
339.	Puran Raut	-do-	387.	Ram Singh S/o Khot Singh	7-8-83
340.	G. Karmakar	-do-	388.	Mangesh Singh	9-8-83
341.	Bhairay Dhikar		389.	A.K. Ghosh	12-8-83
342.	Rasamoy Bhandari	-do-	390.	Deep Singh S/o Heer Singh	14-8-83
343.	Sheikh Kuhiruddin	-do-	391.	B.S. Rajwat	15-8-83
343. 344.		-do-	392.	Baby Singh	-do-
345.	Mohan Singh G.K. Nair	-do-	393.	K.N. Sharma	24-8-83
346.		6-4-83	394.	Bhajandar Roy	1-9-83
347.	Anand Kandpal	-do-	395.	Jama Khan S/o Mehru Khan	-do-
348.	S.C. Sutradhar	-do-	396.	Amba Ram S/o Pratap Ram	-do-
	K.C. Singh	-do-	397.	Arjun Ram S/o Taja Ram	-do-
349. 250	Shivram	18-4-83	398.	Balaram S/o Bhura Singh	2-9-83
350.	Nathulal	29-4-83	399.	Biram Ram S/o Radhu Ram	-do-
351.	Janat Kumar	3-5-83	400.	Babu Khan S/o O. Khan	5-9-83
352.	P.C. Soni	4-3-83	401.	Kamla Ram S/o Tra Ram	8-9-83
353.	M.R. Sethi	-do-	402.	Deepa Ram S/o Narayan Ram	13-9-83
354.	G.M. Kanojia	11-5-83	403.	Kisanlal S/o Tulsa Ram	14-9-83
355.	S.P. Singh	6-6-83	404.	Joy Singh S/o Hem Singh	15-9-83
356.	Kemp Singh S/o Ram Singh	1-7-83	405.	Manku Ram S/o Ganga Ram	
57.	U.B. Paswan	-do-	406.	Sawala Ram S/o Amra Ram	16-9-83
58.	Suresh Paswan	-do-	407.	Duli Ram	16-9-83
59.	Suraj Das	-do-	408.	Zakir Hussain S/o Abdul Sattar	21-9-83
60.	Chand Singh, S/o Sawatsingh	3-7-83	409.	P.S. Shah	26-9-83
61.	Bhagwana	8-7-83	409. 410.		29-9-83
62.	Hetu Ram, S/o Shankar Ram	11-7-83		Ganpat Joshi S/o Heera Lal	01-10-83
63.	M.M. Kandpal	-do-	411.	Lang Khan	-do-
64.	Jag Singh	13-7-83	412.	Bhaju Khan	-do-
65.	Tikamu Ram S/o Hantodihi	14-7-83	413.	Arjun Ram S/o Taga Ram	10-10-83
6 6.	Pana Ram S/o Madhu Ram	15-7-83	414.	K.L. Gupta	20-10-83
67.	R.K. Sheema	18-7-83		Sona Ram S/o Bhura Ram	10-11-83
368.	Laxman Lal	-do-	416 .	Dedha Ram S/o Mukna Ram	20-11-83

1	2	3	_ ,	1	2	3
417.	Ram Singh Mali	22-11-83		473 .	Binod Kumar Singh S/o Bhagat	6-1-84
418.	Sawla Ram S/o Chanda Ram	23-11-83			Singh	10.1.04
419.	Punna Ram S/o Danmana Ram	24-11-83		474 .	Laljee Urade	13-1-84
420.	Ali Khan S/o Mehru Ram	25-11-83		475 .	Prhlad Kagde	15-1-84
421.	K.J. Phukan	26-11-83		476.	Binod Kr. Sharma	16-1-84
422.	Sawai Singh S/o Bhim Singh	1-12-83		477.	M.U. Bhatt	20-1-84
423.	Fatu Mohd Khan S/o Kadar	2-12-83		478.	O.P. Kamal	-do-
425.	Khan			479.	D.N. Singh S/o Chandrika Singh	
424.	S. Singh S/o Mangal Singh	5-12-83		480 .	Foola Ram	24-1 -8 4.
425.	O.L. Giri S/o Govind Giri	-do-		48 1.	Mantu Ram	2 7-1-8 4
426.	Deena Khan S/o Suman Khan	-do-		482.	Pera Ram	30-1-84
420. 427.	Govind Prahat S/o Hakan	11-12-83		483.	Ram Lal Rawat	-do-
427.	Prahat	11 12 00		484.	Meeta Ram	-do-
428.	Motilal Sharma	12-12-83		485.	Ramjilal	Jan. 1984
429.	Lalit Kishore, S/o Raijlal	14-12-83		486.	R.P. Tiwari	-do-
430.	Raju Ram	15-12-83		487;	R.K. Nair	-do-
430. 431.	Rameshwar	-do-		488.	Puran Singh S/o Prabhu Singh	1-2-84
431.	Kanteshwar Kishanlal Sain	-do-	-	489.	Ami Lal	-do-
	Sardara Ram	15-12-83		490.	Vari Ram	-do-
433.	Ram Niwas Saini	16-12-83		491.	Mohan Lal Chaudhury	-do-
434.	· ·	19-12-83		492.	Ganesh Lal	-do-
435.	Mula Ram	20-12-83		493.	Shyam Rao Dupare	2-2-84
436.	Malu Singh	-do-		494.	Niranjan Sahu	3-2-84
437.	Data Ram			495.	Rajnarain	-do-
438.	Mahindra Singh	-do-		496.	Chandi Ram	-do-
439.	Rajendra Singh	-do-		497.	D.B. Meshram	7-2-84
440.	Prabhu Dayal	21-12-83		498.	Bilas Manitwar	8-2-84
441.	Girdharilal	-do-		499.	Sunil Madhayi	-do-
442.	Jagdish Prasad Gujra	-do-	٠.	500.	Anil Derlikar	-do-
443.	Pokra Ram S/o Danmana Ram	-do-		501.	Bharat Jambulkar	9-2-84
444.	Jagdish Prasad Sharma	-do-			Vital Takre	11-2-84
445.	Ali Khan S/o Mugrab Khan	24-12-83		502.		13-2-84
446.	Ram Avtar Sharma	-do-	1		KU Telang Ramkant Sharma	-do-
447.	Birbal Ram S/o Ganesh	26-12-83	,	504.		14-2-84
458.	Lila Ram	-do-		505.	Gautam Bhadke Deorao Amrutkar	16-2-84
459.	Mangi Lal	-do-		506.		-do-
460.	Satruhar Mishra	30-12 -8 3		507.	Bajranglal Gupta	-do-
461.	Ganesh Ram	-do-		508.	Adisal	-do-
462.	Fateh Singh	1-1-84		509.	Shyamial Sharma	-ao- 17-2-84
463.	Prakash Gurjar	-do-		510.	Ganeswar Gurumule	1/-2 -04 -do-
464.	•	-do-		511.	Tarachand	
465.		-do-		512.	Manoharlal	-do-
466.	Nabab Khan S/o Kalka Khan	2-1-84		513.	K.C. Saini	-do-
467.	J.K. Parihar	-do-		514.		-do-
468.		-do-		515.	•	-do-
469.		2-1-84		516.	the state of the s	18-2-84
470.		-do-		517.		26-2-84
471.		-do-		518.		-do-
472.	•	6-1-84		519.	Sukhdeo Madhavi	-do-

[2	3	1	2	3
520.	Laxman Singh	28-2-84	568.	Chandi Bhandari	04-08-84
521.	Mewa Ram S/o Khuma Ram	01-03-84	<i>569</i> .	U.K. Chaudhary	17-08-84
522.	Manoharlal Gurja	-do-	570.	Rameshwar Lal	22-08-84
523.	A. Gurjar	2-3-84	571.	Pagat Gope	24-08-84
524.	Ramdas Kukarde	9-3-84	572.	Wasudeo Ramtake	30-08-84
<i>5</i> 25.	Hariram Swarny	-do-	57 3.	Bhojraj Nandeshwar	-do-
526.	Ratidas Harijan	-do-	574.	Ranjit Bhandari	Aug. 1984
527.	Baladhar Gurjar	11-3-84	575.	Rameshwar Prasad	04-09-84
528.	Rajendraprasad Sarolia	12-3-84	576.	Saku Zuddin	06-09-84
529.	Mohar Singh	-do-	<i>577</i> .	Kishan Sahoo	26-09-84
530.	R.P. Sarolia	-do-	578.	Nilkant Dongare	-do-
531.	Roop Chand	-do-	579.	Sumrat Lal	-do-
532.	Ramesh Dhakate	20-3-84	580.	Jatas Meshram	01-10-84
533.	Madan Giri S/o Govind Giri	-do-	581.	Abdul Latif	-do-
534.	Jitendra Kumar	21-3-84	582.	Ashok Dahuwale	-do-
535.	O.P. Naik	-do-	583.	Madan Singh S/o Shiv Singh	-do-
536,	Shriram Gurjar	-do-	.584.	Bhanwarlal S/o Jaraji	-do-
537.	Ramdev S/o Sadma Ram	-do-	585.	Nathu Lal S/o Bisdi Chand	01-10-84
538.	Ram Avtar Gurjar	-do-	586.	Udu Ram S/o Ghisa Ram	-do-
539.	D.S. Basera	-do-	587.	Ugma Ram	-do-
540.	Sugam Singh	-do-	588.	M.P. Sharma S/o, B. Sharma	-do-
541.	Anil Kr. Tiwari	-do-	589.	Chatra Ram S/o. Shankar Lal	-do-
542,	Prakash Chand	22-3-84	590.	Balu Singh S/o. Bhanwar	22-10-84
543.	Kungumun I	23-3-84		Singh -	22 10 07
544.	Mahin Khan	26-3-84	591.	Gobardhan Majhi	25-10-84
545.	Gopal Mahapatra	-do-	59 2.	B.S. Aswai	-do-
546.	Meeta Ram	25-04-84	593.	S.D. Boarkæ	26-10-84
547.	Bharat Mishra	-do-	594.	Maubi Bawne	-do-
548.	B. Pathak	-do-	595.	Purushottam Sirpute	-do-
549.	Saka Ram	-do-	596.	Banda Chalak	-do-
550.	Amra ram	-do-	597.	Bhaskar Chadse	29-10-84
51.	Sona Ram	-do	598.	Kartik Bauri	01-11-84
552.	Dharma Ram	-do-	599.	Manohar Tijare	05-11-84
553.	Khema Ram	-do-	600.	Bandhu Bhujade	08-11-84
554.	Rajendra Sahay	-do-	601.	Baban pandey	09-11-84
555.	Punna Ram	-do-	602.	Ambadas Chawre	13-11-84
56.	Babulal Gurjar	30-04-84	603.	Subhash Gude	-do-
57.	Malab Patil	26-05-84	604.	N. Mohanan Nair	14-11-84
58.	Md. Alam	01-06-84	605.	Raju Sambhiaiah	01-12-84
59.	Chhaju Ram	-do-	606.	Ramu Bauri	-do-
60.	Sunildhar Khanduri	14-06-84	607.	Jaibeer Singh S/o. Amilal	06-12-84
61.	R.S. Pandey	-do-	608.	Baljeet Singh S/o. Daya Chand	07-12-84
62.	Ramesh Magarde	23-06-84	609.	Jaibeer Singh S/o. Manti Singh	10-12084
63,	Gorhha Ram S/o Joginal	01-07-84	610.	Sher Singh S/o. Chinna Ram	-do-
64.	Sobha Ram	16-07-84	611.	Gupteswar pandey	12-12-84
65.	Pharing Bhandary	01-08-84	612.	L. K. Sinha	19-12-84
66.	Vijay Khobragade	03-08-84	613.	B.K. Pandey S/o T.R. Pandey	-do-
67.	Abram Mathew	-do-	614.	Blkrishna kawle	21-12-84

1	2	3	1	2	3
615.	Jagdish Prasad S/o Bhatat	22-12-84	663.	1110111111 44	07-01-85
	Singh		664.	Vylas Wahde	-do-
616.	Rajbeer Singh S/o Ram Chander		665.	Bandhu Meshram	-do-
617.	Kaptan S/o. Kashi Ram	-do-	666.	Niwruti Sartupe	-do-
618.	Jaipal Singh	-do-	667.	Bhola Sripat	08-01-85
619.	Raj Singh S/o Charandas Ram	-do-	668.	Md. Ghazi	09-01-85
620.	Satya S/o Kartar Singh	-do-	669.	Prem Singh	12-01-85
621.	Jeet Ram	-do-	670.	Rajendra Singh S/o Prabhu Ram	
622.	Kartar Singh S/o Chunnilal	23-12-84	671.	Raj Singh Tank	-do-
623.	Jaylal S/o Sadhu Ram	25-12-84	67/2.	Udaibeer Singh	-do-
624.	Ujagar Singh Aswal	-do-	673.	Rajkumar Durga	14-01-85
625.	S. Rajanathan Nair	26-12-84	674.	Sanjay Kawke	-do-
626.	Rajpal Singh	-do-	67 5.	Pramod Almosta	-do-
627.	Subhash Madavi	28-12-84	676.		-do-
628.	Birendra Kumar	-do-	677.	Charandas Meshram	15-01-85
629.	Suresh Singh	-do-	678.	Bhagat Singh	-do-
630.	Iswar Singh S/o Shivlal	-do-	679.	Tirturam Meshram	16-01-85
631.	Vinayar Nande	31-12-84	680.	Subhash Chand	-do-
632.	Ashok Manidwar	01-01-85	681.	Devidas Patwar	17-01-85
633.	Ram Sarup	-do-	682.	Bilas Pakruwar	-do-
634.	Sri Ram Swamy	-do-	683.	John Mathew	18-01-85
635.	Birbal S/o Chakka Ram	-do-	684.	N.I. John	-do-
636.	Bajranglal S/o Durga	-do-	685.	Bandu Binwar	-do-
637.	Phagwara Ram	-do-	68 6.	Mangtu Ram	-do-
638.	Bhagwan Singh	-do-	68 7.	Subhash Chand	-do-
639.	Shankar Lal	-do-	688.	A.K. Pathak	19-01-85
640.	Laxman Singh	-do-	689.	Jhabar Mal	24-01-85 25-01-85
641.	Chhaju Ram	-do-	690 .	Ramavtar Yadav	
642.	Navrang Lal	-do-	69 1.	Khamam Singh S/o Bhim Singh	
643.	Ramesh Parik	-do-	692 .	Mohan Yadav	-do- -do-
644.	Kailash Chand	-do-	693.	K.C. Bauri	-do-
645.	M. Singh	-do-	694.	M.K. Singh	-do-
646.	Sonud Ram	-do-	695.	Imaque Ansari	-do-
647.	Hanuman Ram	-do-	696.	Gopal Mahanto	-ao- 06-02-85
648.	Suraj Ram	-do-	697.	Manu Ram	08-02-85
649.	Chittar Singh	-do-	698.	Prem Kumar S/o Phool Chand	
650.	Ashok Kr. Sharma	-do-	699.	Ramedh Kumar S/o Suret Singh	11-02-85
651.	·	-do-	700.	Ruttan Singh S/o Bhagwan Singh	11-02-65
652.	, -	-do- -do-	· 701.		h -do-
653.		-do-	701. 702.		-do-
654.		-ao- 02-01-85	, 702.	A.K. Mukherjee	
655:		02-01-85 04-01-85	703.		12-02-85
656.		-do-	704.		15-02-85
657.	•	-do-	705.		16-02-85
658.	•	-do-	706.	and the same of th	-do-
659		-uo- 07-01-85	707.		-do-
660 661		-do-	708.		
	a i Lanimanto	-uu-		Giri	

l	2	3	I	2	3
709.	Uka Ram S/o Pila Ram	16-02-85	756.	Birbal Ram	01-04-85
710.	Vira Ram S/o Purkha Ram	-do-	757.	Mali Ram	-do-
711.	Swaroop Chand S/o Ramjee	-do-	758.	M.S. Negi	-do-
712.	Sona Ram S/o Dimjra Ram	17-02-85	759.	Suresh Kr. Sharma	-do-
713.	Champa Ram S/o Deben Singh	-do-	760.	Kishan Lal Gurjar	-do-
714.	Chattu Singh S/o Ram Singh	-do-	761.	Bajranglal Harijan	-do-
715.	Chtha Ram S/o Pachha Ram	18-02-85	762.	Babulal Saini	-do-
716.	Tulsa Ram S/o Bhola Ram	-do-	763.	Babu Ram	-do-
717.	Taga Ram S/o Moola Ram	-do-	764.	Shiv Pal	-do-
718.	Shambu Ram S/o Bhika Ram	-do-	765.	Uttam Patak	-do-
719.	Vinod Kr. Yadav S/o R.S.	20-02-85	766 .	Basant Bera	-do-
	Yadav		767.	Shiv Yadav	-do-
720.	Babulai S/o Jana Ram	21-02-85	768.	Ratan Kumar	-do-
721.	Mohan Majhi	24-02-85	769.	P.D. Vijayware	24-04-85
722.	P.R. Inchalwar	25-02-85	770.	Hindu Singh S/o Roop Singh	01-05-85
723.	Sidharth Umre	26-02-85	771.	Gama Ram S/o Upa Ram	-do-
724.	M. Bhowmik S/o H.N. Bhowmik	01-03-85	.772.	Askar Khan S/o Rashem	02-05-85
725.	Ram Gurjar	-do-	•	Khan	
726.	Mohar Singh	-do-	773.	Sashi Nath Jha S/o G. Jha	-do-
727.	Krishna Kumar	04-03-85	<i>7</i> 74.	Anil Bakshi	-do-
728.	Kishan Kumar, Amilal	12-03-85	<i>7</i> 75.	R.N. Kashyap	-do-
729.	Bhagwan Das S/o Ram Niwas	-do-	776.	N.K. Jain S/o Sal Chand Jain	06-05-85
730.	Rajseer Singh S/o Ratan Singh	-do-	<i>7</i> 77.	S.B. Naidu	-do-
731.	Ombu Singh S/o Prabhu Singh	-do-	<i>77</i> 8.	Om Prakash S/o Ram Niwas	16-05-85
732.	Rana Ram S/o Amra Ram	14-03-85	779.	Bhim Singh S/o Bharat Singh	20-05-85
733.	Chhattar Singh	16-03-85	780.	Bishan Kumar S/o Mala Ram	-do-
734.	Kailash Sharma S/o P.L. Sharma	18-03-85	781.	Raghubir Singh S/o Munshi Ram	-do-
735.	Dilip Rauth	19-03-85	782.	Jaibeer Singh S/o Man Singh	-do-
736.	Jaibeer Singh S/o Amilal	20-03-85	78 3.	Krishan Singh S/o Gaje Singh	21-05-85
737.	Deep Singh S/o Lal Singh	23-03-85	784.	Ganesh Ram S/o Deva Ram	29-05-85
738.	Darnodar Pipashande	26-03-85	785.	M.R. Kulkarni	01-06-85
739.	Pratap Singh S/o Dhanna Ram	29-03-85	786.	Kashinath Nayak	-do-
740.	Kishor Bhale	31-03-85	78 7.	Patal Mahanto S/o Rupal	-do-
741.	Kallu Majhee	-do-		Mahanto	
742.	Omprakash S/o Banwari	01-04-85	788 .	Satpal S/o Prabhu Ram	03-06-85
743.	K.A. Pillai	-do-	789 .	Deo Raj S/o Pooran Singh	-do-
744.	G. Ranganathan	-do-	790.	Rajendra Prasad S/o Devraj	-do-
745.	P. Krishnamurthy	-do-	791.	Pyarelal S/o. Pharuka Ram	-do-
746.	M. Arummugan	-do-	792.	Mahabir Singh S/o Ramu Ram	-do-
747.	V. Sambundam	-do-	793.	Bani Singh S/o H. Singh	-do-
748,	K. Rajenderan	-do-	794.	James Oomen	13-6-85
749.	N. Velayudhan	-do-	79 5.	Tusir Ali	16-06-85
750.	K. Kalia Perumal	-do-	796 .	Utpal Samanta	22-06-85
751.	Ragavlil	-do-	<i>797</i> .	Puran Singh	26-06-85
752.	V. Sundaresan	-do-	798 .	V.K. Rafalwar	276-85
753.	V.M. Vasudevan	-do-	799.	Lalla Ram S/o Ram Chandaran	01-07-85
754.	M.N. Nathan	-do-	800.	Prakash Chand S/o B. Ram	-do-
755.	V. Ramchandran	-do-	801.	M. Raja Sab	-do-

1	2	3	. 1	2	3
1	2	01-07-85	- 851.	Ajub Singh	01-08-85
	В, Кашрри	-do-	852.	Kamia Prasad	-do-
	14mgappa	-do-	853.	Nanag Ram Meena	02-08-85
	Аууаларра	-do-	854.	Sita Ram Sadh	-do-
	Gadappa	02-07-85	855.	Y.S. Bhati	-do-
	Giriraj Prasad	03-07-85	856.	Bajranglal Bhatt	03-08-85
-	Bhagwana Ram	-do-	857.	Sugna Ram	-do-
	Nand Kishore	-do-	858.	Mala Ram	04-08-85
	Padam Dan	-do-	859.	Mohan	-do-
810.	Shambhu Nath Prasad	-do-	860.	Naru Ram	-do-
811.	Chandra Singh		861.	Prabhu Ram	-do-
812.	Ashok Patel	-do-	862.	Tara Chand	-do-
8 13.	Shivder Singh	04-07-85	863.	Mahabir Prasad	05-08-85
814.	C. Earappa	06-07-85		Ganga Singh	-do-
815.	Jagdish Prasad	08-07-85	864.	B.N. Sharma	06-08-85
816.	Hakim Khan	-do-	865.	Rameshwar Lal S/o. Mool	10-08-85
817.	Laxmi Narayan Baghole	-do-	866.	Chand	, ,
818.	Ghashi Ram	09-07-85	867.	Jai Singh S/o. Keshori Bagh	-do-
819.	Pameshwar Lal	-do-		Shiv Shankar Prasad	-do-
820.	Gheternal Sharma	-do-	\$68 .		-do-
821.	R.L. Sharma	-do-	869 .	Sasanappa Ram Das Kewat S/o. H. Kewat	
822.	Mohinder Kumar S/o. Neki Ram		87 0.	Ram Das Kewat 5/0. H. Kewat R. Bandi Niwas	-do-
823.	Banwari Lal	10-07-85	871.	= -	12-08-85
824.	Hanuman Ram	-do-	872.	Dhana Lat	-do-
825.	Ramji Lal	-do-	87 3.	Dhanna Ram	13-08-85
826.	Nokhta Ram S/o. Kishori Lal	-do-	874.	Mangu Ram	14-08-85
827.	Rajbeer Singh	11-07-85	875.	Ratan Singh S/o. H. Singh	14-06-63 15-08-85
828.	Danna Ram	-do-	876.	Ganesh Prasad	
829.	Bannu Ram	-do-	877.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	16-08085
830.	Nemai Dutta	-do-	878.		18-08-85
831.	Babu Lal	12-07-85	87 9.	•	20-08-85
832.	Bairang Singh	13-07-85	880.		-do-
833.	Ram Niwas S/o. Tirkha Ram	15-07-85	881	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	22-08-85
834.	Harpal Singh S/o. Munshi Ram	-do-	882		-do-
835.	Rayappa	17-07-85	88 3	. Mohan Lai	23-08-85
836.	Madukappa	22-07-85	884	K. Hanumanthri	30-08-85
837.		-do-	8 85	Hela Bauri	-do-
837. 838.		01-08-85	886	, A. Kelia Perumal	01-09-85
		-do-	887		-do-
839.		-do-	888		01-09-85
840.	-	-do-	889		- d o-
841.	·	-do-	890	* ******* *	-d o-
842.		-do-	89		-do-
843.		-do-	89	•	- d o-
844		-do-	89		-do-
845		-do-	89		- d o-
846		-do-	. 89		-do-
847	_	-do-	89		02-09-85
848		-ao- -do-	. 89		-do-
849	Md. Anul	-do- -do-	. 8 9		-do-

1	2	3	1	2	3
899.	R. Basappa	02-09-85	947.	Md. Monger	04-11-85
900.	Shivappa/Hanumantha	-do-	948.	S. Kanupian	11-11-85
901,	Bhopal Chetri	09-09-85	949.	T. Govindraj	-do-
902.	A. Mani	-do-	950.	Chendappa	14-11-85
903.	G. Sahithivel	-do-	951.	Devaraja/Thimmappa	-do-
904.	K. Elawarasan	09-09-85	952.	Amanta Singh	17-11 -8 5
905.	A.M. Mallikarjun	-do-	953.	Navad Khan S/o. Meer Khan	20-11-85
906.	Chandar Singh	10-09-85	954.	Jamin Khan S/o. Sadik Khan	-do-
907.	Rajendar Singh	-do-	955.	Satten KK S/o. Krishna Nair	-do-
908.	Seenappa/Gundeappa	-do-	956,	Sher Singh S/o. Mool Singh	24-11-85
909.	Ramkaran Mina	15-09-85	957.	C. Mahanto S/o. G. Mahanto	-do-
910.	Laxminarayan Bhathi	-do-	958.	Ganga Ram	-do-
911.	Shyam Lal	22-09-85	959:	Kukku Ram S/o. Bheru Lal	-do-
912.	P. Hussain Sab	-do-	960.	Jagdish Singh S/o. R. Singh	-uo- 29-11-85
913.	Mallaiah/Mudi Basariah	24-09-85	961.	Nabu Lal S/o. Ganga Ram	01-12-85
914.	B. Siddappa	-do-	962.	Kishan Singh	-do-
915.	T. Siddappa	-do-	.963.	Amarappa/Piddappa	-do-
916.	N. Hanumantha	-do-	964.	P.C. Majhi	-do-
917.	D.S. Arivalagan	27-09-85	965.	Nandlal Patra	-do-
918.	K. Rammurthy	-do-	966.	Manu Ghosh	
919.	Madan Lal	30-09-85	967.	Sridhar Ghosh	-do- -do-
920.	H. Kassim Sab	01-10-85	968.	Santosh Kr. Mondal	
921.	Shivageneappa	-do-	969.	Kanchan Ghosh	-do- -do-
922.	Narayan Das	-do-	970.	S.K. Lakhu	-do-
923.	Mohan Lal	-do-	971.	H. Ram S/o. Ishra Ram	02-12-85
924.	Md. Ali	-do-	972.	P. J. Shorte S/o. J. Shorte	-do-
925.	P.N. Jena	-do-	973.	Hussain Sab	
926.	Karasthalappa	06-10-85	974.	Sabyali Sab	-do- -do-
927.	S. Ravichandaran	09-10-85	975.	B. Amarappa	
928.	Varghese John	-do-	976.	Anthonappa	-do-
929.	P. Pemamuthy	18-10-85	977.	Moulu Sab	-do-
930.	B.V. Ramanajee	19-10-85	978.	Ramappa/Durgappa	-do- -do-
931.	Smt. Ragawathi Ranawat	21-10-85	979.	Marippa/Durgappa	-do-
932.	S. Thunjurajan	22-10-85	980.	Amaragaoda	-au- -do-
933.	Hariba	26-10-85	981.	H. Bandiniwas	-do-
934.	Nakam Khan S/o. Ridmal Singh	-do-	9 8 2.	Puran Mahanto	-do-
935.	M. Ubaide	-do-	983.	G. Seenappa/Gavindappa	03-12-85
936.	S. Mudhuligam	01-11-85	984.	Nagappa	-do-
937.	R. Ganesan	-do-	985.	В. Еггарра	-do-
938.	G. Dhanapal	-do-	9 8 6.	Burmappa	-do-
939.	D.R. Ramalingam	-do-	987.	Mariappa	-do-
940.	G. Ambalgam	-do-	988.	Ganesh Ghosh	-uo- -do-
4 1.	T. Dhanpal	-do-	989.	Anath Ghosh	04-12-85
4 2.	T. Murugan/Thankraj	-do-	990,	Chinmoy Sutradhar	-do-
143 .	Mohan Gope	-do-	991.	Ujjal Mondal	05-12-85
344 .	Kumar Sankar	-do-	992	Basak Ghosh	-do-
45.	Ramotar S/o. Bhala Ram	04-11-85	993.	Bhanilal Ghosal	-do-
46.	Amba Bhandari	-do-	9 94 .	Sudershan Ghosh	-uv-

1	2	3	1		3
95	Sisir Ghosh	05-12-85	1044.	N. Raju Sab	01-02-86
95. 196.	Pinu Mondal	-do-	1045.	Mallkarjun	-do-
997.	Adhirath Nayak	-do-	1046.	Huohhappa/Sharanappa	-do-
998.	Nirath Ghosh	-do-	1047.	Nabi Sab	-do-
998. 999.	Mool Chand s/o. Deepa Ram	10-12-85	1048.	Naresh Ch. Negi	-do-
	H.S. Negi	13-12-85	1049.	Ashok Rajput	-do-
000.	Mokul Ram	14-12-85	1050.	Miha Kapil	-d o-
1001	M. Mudiarauen	15-12-85	1051.	Ketan Kurma	-do-
002.		16-12-85	1052.	Gogen Bauri	-do-
003.	Jacob Philipose	20-12-85	1053.	Varghese John	-do-
004.	Narayan Gurjar	21-12-85	1054.	Nathias Kundana	-do-
005.	P. M. Arivalgan	-do-	1055.	Sup Chand	03-02-86
006.	V. J. Ramakrishna Raju	-do-	1056.	Md. Yammnuddin	04-02-86
007.	Smt. N. Baghya Rekha	-do-	1050.	Shivdayal S/o Gaju Ram	-do-
008.	Uttam Kr. Mondal	24-12-85	1057.	P. Anandram	-do-
1009.	Narasappa	01-01-86	1058.	S. Ravindaran	-d o-
1010.	Nathu Singh	-do-	1060.	P. Shilvaraju	-do-
1011.	C. Karthikayan	-do-		P. Rajendran	-do-
1012.	Sujit Bhattacharjee		1061.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	-do-
1013.	T. Lingamaiah	-do-	1062.		-do-
1014.	B.P. Bhandary	-do-	1063.	*	5-2-86
1015.	Gangadhar Ghosh	-do-	1064.		7-2 -8 6
1016.	Ram Raj Deb	-do-	1065.		/-2- 0 0 -do-
1017.	Janthu Kr. Pathak	-do-	1066.	· ·	-do-
1018.	S. K. Dohariya	04-01-86	1067.		
1019.	S. Kr. Gayan	06-01-86	1068.		-do-
1020.	K. Sangappa	08-01-86	1069.		-do-
1021.	A.K. Thakur	09-01-86	1070		10-2-86
1022.	Palle Rao	13-01-86	1071	. Suresh Nayak	-do-
1023.	D.S. Rawat	-do-	1072	Katappa	-do-
1024.	Dilip Kr. Pandey	14-01-86	1073		-do-
1025.		16-01-86	1074	. Pradip Roy	12-2-86
1026.	•	19-01-86	. 1075		14-2-86
1027	•	23-01-86	1076		-do-
1028		24-01-86	1077		-do-
1029		-do-	1078		18-2-86
1030		27-01-86	1079		19-2-86
1031		Jan., 86	1080	•	21-2-86
1032		Jan., 86	108	•	-do-
1033	·	01-02-86	⁻ 108.	•	22-2-86
1034		-do-	108	•	28-2-86
1035	·	-do-	108		-do-
1036		-do-	108	·	-do-
103	· ·	-do-	108	= =	-do-
103		-do-		· ·	-do-
103		-do-	108	•	-do-
		-do-	108		Feb. '86
104	· ·	-do-	108	-	-do-
104	•	-do-	109	· _	1-3-86
104	2. Snivappa 3. Lingamma	-do-	109	91 P.P. Diwakar	1-3-00

1	2	3		2	[FART II—SEC. 3(II)
1092	. K. Ambadas	01-03-86	_ <u>l</u>	2	3
1093		-do-		Chaita Kol	I2-5 -8 6
1094		-do-		Premial Kol	-do-
1095		-do- -do-		Munnalal Kol	-do-
1096.		-do-		Ramlal Kol	-do-
1097.		-do-		Tankdhar Sahoo	16-5-86
1098.	F F -	8-3-86		Binod Kr. Pali	-do-
1099.		6-3-86		A.K. Nayak	-do-
1100.		8-3-86		Bison	20-5-86
1101.	1 -			Omprakash Verma	28-5-86
1102.	Ashish Bhandari	8-3-86		omnath Chakraborty	May 1986
1103.		10-3-86		ekkal Turkar	1-6-86
1104.	A. Basappa	13-3-86		tammilan Verma	-do-
1105.	Mohan Lal S/o Babulai	-do-		lhaiyalal kol	-do-
1106.	Sudhan Sinden	14-3-86		lathulal Yadav	-do-
1107.		23-3-86		agdish Yadav	-do-
1107.		-do-	1156. N	larayan Das	-do-
1100.	Maner Prasad	28-3-86	_	fathura Prasad	-do-
1110.	Heeru Ram	-do-	1158. Si	ika Bhutia	2-6-86
	V.K. Saini	1-4-86	,1159. A	.K. Jaisan	5-6-86
1111.	Dwarika Prasad	-do-	1160. D	uryodhan Parida	9-6-86
1112.	T.C. Raut	3-4-86		C. Sahoo	-do-
1113.	I.C. Chaudhury	-do-	1162. S.	K. Rao	13-6-86
1114.	Rangappa	-do-	11 6 3. R.	K. Pradhan	-do-
1115.	H. Prasad	4-4-86	1164, M	ani Singh S/o. Missar Singh	
1116.	V. Nagarajan	9-4-86		ydeb Mukherjee	-do-
1117.	Banapada Ghosh	-do-		mar Sai	-do-
1118.	Naresh Sharma	17-4-86	1167. Pr	abhu Kol	-do-
1119.	Neednan	18-1-86		nt Ram Kol	-do-
1120.	Dasarath Ghosh	19-4-86		isali Kol	-do-
1121.	Mukesh Ch. Mahanto	-do-	1170. Bi	swajit Manna	2-7-86
1122.	P.K. Mahanto	-do-		mpat Ram	4-7-86
1123.	Amar Singh Paul	23-4-86		Prasad Babu	5-7-86
1124.	Mahabir Saw	-do-		rkha Ram S/o Durga Ram	8-7-86
1125.	Panchu Ram	April 1986		meshwar Mahanto	16-7-86
126.	Tej Singh	-do-		jay Mahanto	-do-
127.	Mohan Singh	-do-	•	iju Mahanto	-do-
128.	A.M. Mondal	3-5-86		aresh Singh	-do-
129.	Ganesh Kol	4-5-86		. Singh	-do-
130,	Smt. Radha Bai	5-5-86		endra Kr. Pathak	-do-
131.	Indar Singh	8-5-86		m Singh S/o Rawat Singh	24-7-86
132.	Shyamlal Yadav	-do-		agirath Singh/Asa Ram	30-7-86
133.	Santosh Kol	11-5-86		nsha Bouri	
134.	Jaggu Kol	-do-		eita Ram S/o Bhola Ram	July 1986 1-8-86
135.	Kallu Kol	-do-		var Mal S/o Hemraj	-do-
136.	Chotte Lal	-do-		nar Singh S/o Ranjilal	5 -8- 86
137.	K. Kol	-do-		Singh S/o Bhim Singh	
138.	Sansidhar Sahoo	12-5-86		ad Ram	-do-
139.	Kisab Linka	-do-		un Singh S/o Manjit Singh	6-8-86
140.	Prafulla Ch. Sahoo	-do-		nga Ram S./o Hem Raj	8-8-86

1	2	3	1	2	3
190.	Bisen Ukey	13-8-86	1235.	Lakhiram Mahanto	01-10-86
	Naresh Chowdhury S/o	14-8-86	1236.	L.D. Sharma	-do-
	P. Chowdhury		1237.	Chakradhar Behra	03-10-86
192.	K. Jiyanandan	1 6-8-8 6	1238.	Purna Ch. Khilar	-do-
193.	Khetha Ram S/o Rikmal Singh	18-8-86	1239.	Anil Kr. Jha	06-10-86
194.	Kishan Lal S/o Harilal Ganju	20-8-86	1240.	Lata Tamaney	-do-
195.	Manna Prasad S/o. Nathu	22-8-86	1241.	K.B. Thapa	- d o-
	Prasad		1242.	Ram Shankar Yadav	-do-
196.	Jamal Khan/Beta Khan	-do-	1243.	Samar Majumdar	-do-
197.	Jamal Khan/Moti Khan	-do-	1244.	Pona Ram Barua	-do-
198.	Sadah Singh	-do-	1245.	Gopal Roy .	09-10-86
199.	Suresh S/o Kanaiyalal	23-8-86	1246.	Shyam Prasad	11-10 -8 6
200.	P. Mathai	26-8-86	1247.	Radhya Shyam	15-10-86
201.	G. Unnikrishnan Pillai	26-8-86	1248.	Bhagirath/Maya Ram	20-10-86
202.	Samar Bhandari	Aug. 1986	1249.	Sohan Lal	01-11-86
203.	Budhan Ram	1 -9-8 6	1250.	Mithu Singh	-do-
204.	P.L. Mohad	-do-	1251.	Shyam Lal Sharma	-do-
205.	Ramnath Rathore	-do-	1252.	Ganpat Lal	-do-
206.	Bhola Prasad	-do-	1253.	Shivsankar Singh	-do-
207.	Munna Prasad	-do-	1254.	Babu Lal S/o. Pyare Lal	. -do-
208.	Mohan Singh	-do-	1255.	Prahalad	-do-
209.	Pabanial Mahanto	-do-	1256.	Charan Singh	03-11-86
210.	Arjun Mahanto	-do-	1257.	B.K. Behera	07-11 -8 6
211.	Kinkar Rai	-do-	1258.	Sitan Turi	08-11-86
212.	C.R. Chowdhury	-do-	1259.	-	10-11-86
213	Mohan Mali S/o Nandaji	4-9-86	1260.	T. Mayaram	17-11-86
	Mali	4 .	1261.	S. Prathappan	21-11 -8 6
214.	Salim Khan S/o Nawab Khan	-do-	1262.	K. Raman	24-11 -8 6
215.	Awad Bihari Singh S/o	9-9 -8 6	1263.	Nepal Kishan Sharma	Nov. 1986
	Tulsi Singh	10-9-86	1264.	Sephal Chakraborty	-do-
216.	Ayub Khan S/o Barkat Khan		1265.	Baria Ram S/o. Sadique	01-12- 8 6
217.	Loppal Singh	12-9-86	1 266 .	Roshan Lal	-do-
218.	Iswar Ram	-do-	1267.	K. Samadhan	-do-
219.	Bhanwar Singh	-do-	1 268 .	Kuwara Kol	-do-
220.	Ashok Kumar	16-9-86	1269.	M. Samad	-do-
221.	V.H. Chandurkar	16-9-86 19-9-86	1270.	Pyarilal Tiwari	-do-
1222.	Kebai Ram S/o I. Ram	19-9-86	1271.		05-12-86
1223.	Badri Lal S/o Heera Lal	-do-	1272.	Mithilesh Singh	-do-
1224.	Ratna Ram	-ao- 24-09-86	, 1273.		06-12-86
1225.	P.C. Purohit	24-09-86 25-09-86	. 1274.		07-12-86
1226.	Ram Nandan	25 - 09 -8 6	1275.		08-12-86
1227.	Hari Singh	01-10-86	1276.	•	09-12-86
1228.	Bhagwat Mondal	-do-	1277.		-do-
1229.	Gopal Sharma	-ao- -do-	1278.		16-12-86
1230.	Bhapalu Pasi		12 7 9.	-	-do-
1231.	Din Bandhu	-do-	1280		22-12-86
1232.	Adalt Mahanto	-do-	1281.		-do-
1233.	Shiv Prasad Mahanto	-do-	1282.	Tulsi/Besta Ram	25-12-86

1	2	3	1	2	3
1283.	Bhawar Singh	01-01-87	1331.	Daitary Ghosh	26-01-87
1284.	Arjum	-do-	1332.	Mirza Murmu	-do-
1285.	R.S. Pandey	-do-	1333.	Jagdish Mahanto	-do-
1286.	Amra	-do-	1334.	Tarapada Mahato	-do-
1287.	Ghanshyam Singh S/o Deen	-d o-	1335.	Prasad Sudar	-do-
	Dayal		1336.	Sahdeo Mahto	-do-
1288.	Dheera Ram/Beera Ram	-do-	1337.	Dukku Soren	-do-
1289.	Purkha Ram/Dhara Ram	-do-	1338:	Omen Ram Murmu	-do-
1290	Hari Singh/Ram Singh	-do-	1339.	Tujhar Hansda	-do-
1291.	Bhera Ram/Mora Ram	-do-	1340.	Sumai Murmu	-do-
1292.	Diganna Ram/Moola Ram	-do-	1341.	Ganeshwar Gope	-do-
1293.	Musha Khan/Pandi Khan	-do-	1342.	Sukhdeo Mahto	
1294.	Kamla Ram/Bela Ram	-do-	1342.	Kantosh Jha	-do-
1295.	Roopa Ram/Usha Ram	-do-			26-01-87
1296.	Ramakant Sharma	-do-	1344.	Naku Baske	-do-
1297.	Palit Lohar	-do-	1345.	Magut Tudu	-do-
1298.	Shyam S. Vishwakarma	-do-	1346.	Meghrai Soren	-do-
1299.	Van Singh/Jhola Singh		1347.	Lal Singh Murmu	-do-
1300.	Bani Kr. Ghosh	06-01-87	1348.	Janmboy Mahto	-do-
	Jetha Ram	12-01-87	1349.	Durga Naik	-do-
1301.		13-01-87	1350.	Dejopada Majhi	do-
1302.	Bhawar Singh Sekhawat	13-01-87	1351.	Udai Hansda	-do-
1303.	Kalu Singh S/o. Madan Singh	14-01-87	1352.	Makru Mahto	-do-
1304.	Ahakka/Panajee	-do-	1353.	J.L. Dhal	-do-
1305.	Mahaveer Prasad/B, Ram	-do-	1354.	Bhoglu Soren	-do-
1306.	W.A. Khan	15-01-87	1355.	Madru Majhi	-do-
1307.	G.M. Singh	16-01-87	1356.	Mohan Mahato	-do-
1308.	P.K. Sarkar	-do-	1357.	Bhajana Ram	29-01-87
1309,	Hanman Prasad	16-01-87	1358.	Shyam Singh Sen	01-02-87
1310.	Mool Singh	-do-	1359.	Raghubheer Singh	-do-
1311.	Mool Chand	-do-	1360.	A.K. Parida	-do-
1312.	Mithulal	-do-	1361.	Roop Lal	-do-
1313.	Sunderlal	-do-	1362.	Karan Sai	-do-
1314.	Mohan Singh	-do-	1363.	Agar Sai	01-02-87
1315.	B. Poddar	-do-	1364.	Lalu Ho	-do-
1316.	Gula Ram S/o. Sewak Ram	17-01-87	1365.	Suresh	-do-
1317.	Hari Ram S/o, Laxman Ram	-do-	1366.	Shiv Charan	-do-
1318.	Ram Niwas	-do-	1367.		
1319.	Gyan Singh	-do-		Pradeep Banerjee	-do-
1320.	Ramen Lal	19-01-87	1368.	P. Prasad	-do-
1321.	E. Bairagi	-do-	1369.	Gautam Majhi	-do-
1322.	Kuldeep Singh	-do-	1370.	Shivbharat Singh	-do-
1323.	Bhagwan Das	-do-	1371.	Sankar Dhaman Dal	-do-
1324.	Shivaprasad	20-01-87	1372.	Dharam Pal	-do-
1325.	.R.N. Sutar	26-01-87	1373.	Bhadur Mol	02-02-87
1326.	B. Giri	-do-	1374.	Ramdeo Singh	-do-
1320. 1327.	M. Murmu		1375.	Purmi Dhan S/o Deva Ram	-do-
		-do-	1376.	Rohitas Gurjar	-do-
1328.	A.K. Banerjee	-do-	1377.	Amin Khan	-do-
1329.	L. Mahapatra	-do-	1378.	Hari Singh	-do-
1330.	B.N. Singh	-do-	1379.	Jagdish Prasad Naik	-do-

1	2	3	1	2	3
380. B	auri Ram	02-02-87	1428.	Protap Roy	17-5-87 19-5-87
		-do-	1429.	Prabhu Ram S/o Bista Ram	19-5-67 1-6-87
		-do-	1430.	Budda Ram	
		-do-	1431.	Ravi Shankar Pd/Dama Sah	-do-
	AI MORGINION	-do-	1432.	Niha Singh	-do-
	Main Mann Comment	-do-	1433.	Mahendra Pal	-do-
	VIII PLAKASII 100 1100	03-02-87	1434	Thakara Ram/Kana Ram	2-6-87
	(a)cums outremen)	-do-	1435.	Dibakar Das	5-6-87
	Jma Kant Basad	05-02-87	1436.	Chhunni Lal	6-6-87
	AUTH LEISHOLD LINDAG C	0.5-02-07	1437.	A.C. Sivabera S/o. R.S. Prasad	25-6-87
	G. Prasad	-do-	1438.	Bhava Ram	1-7-87
	ala Ram S/o. Chama Rama	14-02-87	1439.	Newa Ram	- d o-
	Amin Khan/Sadik Khan	15-02-87	1440.	Chotu Ram	-do-
	Ram Lal	18-2-87	1441.	Bala Ram	-do-
	A.K. Abihatir		1441.	Manjana Ram	-do-
	Mohan Lal/Uham Ram	19-2-87	1442. 1443.	Tapan Roy Chowdhury	2-7-87
	Ali Sher Khan/Lakha Khan	-do-		Prasanta Kr. Sarkar	-do-
370.	Toni Sharma	21-2-87	1444.	Keshra Ram/Daraj Ram	3-7-87
1396.	Rajendra Singh	28-2-87	1445.		7-7-87
1397.	Nepal Chakraborty	Feb. 87	1446.	Nagar Khan/Pandi Khan	-do-
1398.	M. Nanda	1-3-87	1447.	Dharamveer	-do-
	Tikal Enlea	-do-	1448.		-ao- 9-7-87
	Banat Gurjar	1-3-87	1449.	Noor Mohammad S/o. Majid	y- /-0)
1401.	Babulal	2-3-87		Khan	10 7 97
	Bhanwaru Deen/Abdul Gon	14-3-87	1450.		10-7-87
1403.	Beekha Ram/Prahlad Ram	-do-	1451.		12-7-87
	B.L. Kalwani	17-3-87·	1452.		21-7-87
1405.	Koher Singh	19-3-87	1453.		21-7-87
1405. 1406.	Vijay Parik S/o. Babulal Parikh	27-3-87	1454.	Raghuman Chandey S/o.	26-7-87
1400. 1407.	Harinarayan Meena	1-4-87		Chulian	
	Sish Ram Gurjar	-do-	1455		27-7-87
1408.	Man Singh	-do-	1456	. Sukhdhar Lohar S/o G. Lohar	
1409.	Pilatus Panna	-do-	1457	. Tayub Khan/S/o. Amarudeer	30-7-87
1410.		2-4-87	1458		1-8-87
1411.	D.J. Kawale	3-4-87	1459	the second secon	-do-
1412.	G. D. Salame	6-4-87	1460		-do-
1413.	B.H. Lokhande	7-4-87	1461	The second secon	-do-
1414.	Mitu Behara	12-4-87	1462		-do-
1415.	Jagdish Prasad Saini	-do-	1463		-do-
1416.	Smt. Saiman Bibi	-ao- 19-4-87	1464		-do-
1417.	Ramjatan Das	21-4-87	146	··	-do-
1418.	Ladha Ram	21-4-87 1-5-87	146		-d o -
1419.	Suresh K.B. S/o. B. Nair			·	-do-
1420.	Surta Ram/Dama Ram	-do-	146		-do-
1421.	Pradip Naik	-do-	146		-do-
1422.	Shiv Sampath	-do-	146		-do-
1423.	Manoj Kumar S/o. Kanwarlal	5-5-87	147		-do-
1424.	Gohul Singh S/o. Pusa Singh	-do-	147		-do-
1425.	Mohan Singh S/o. Amar Sing	h -do-	147		-do-
1426.	Prasanta Dev	7-5-87	147		
1427.		11-5-87	147	74. Ram Kripal Vishwakarma	

I	2	3	1 2	[PART II—SEC. 3(ii)]
1475	Johar Toppo	1-08-87		3
1476		-do-	1524. Shodh Ch. Shah	1-11 -8 7
1477		-do-	1525. A. Paramanik	-do-
1478		-do-	1526. Bhkan Bauri	-do-
1479		-do-	1527. Soapan Modi	-do-
1480		-do-	1528. Fidha Hussain	-do-
1481		-do-	1529. K. Vankaiah	11-11-87
1482			1530. M. Ramaiah	26-11-87
1483.		3-8-87	1531. Paidakuly Modi	-do-
1484.		10-8-87	1532. Ashok Walmiki	1-12-87
1485.		12-8-87	1533. Alim Khan	-do-
1486.		20-8-87	1534. Potuly Kodari	-do-
1487.		-do-	1535. D. Kishan Rao	-do-
1488,	Lakhan Naik	25-8-87	1536. A. Munay	-do-
1489.		-do-	1537. Vijay Raghu N.	-do-
1490.		-do-	1538. S.K. Jena	-do-
	Jaglesh Kumar	1-9-87	1539. N. Subramanyam	-do-
1491.	Rajendra Kumar	-do-	1540. Sreniwas	-do-
1492.	R.S. Tiwari	4-9-87	1541. Khela Murmu	-do-
1493.	Layakat Khan	7-9-87	1542. Haldar Singh	-do-
1494.	Bedri Pd. Dubey	-do-	1543. Damu Murmu	-do-
1495.	Jothan Ram	1-10-87	1544. Kishan Ho	
1496.	Bhura Ram	-do-	1545. Awashish Mistry	-do-
1497.	Dhulra Ram	-do-	1546. Arjun Naik	-do-
1498.	Naina Ram	1-10-87	1547. Chaudhary Patro	-do-
1 49 9.	Mana Ram./Mortajee	-do-	1548. Chinagu Patro	-do-
1500.	Sishupal S/o Kanhaiya Lal	3-10-87	1549. Dharmu Murmu	-do-
1501.	Laxman	-do-	1550. Ful ch. Mukhi	-do-
502.	Pawa Ram	6-10-87	1551. Gourkasi Patro	-do-
503.	Kalu Prasad	10-10-87		-do-
1504.	Paudan	17-10-87	1552. Samarath 1553. C. Sailu	-do-
505.	M. Puchelu	24-10-87		2-12-87
506.	A. Ramamurthy	-do-	1554. Ganpat Singh	3-12-87
507.	Smt. K. Arundahti	27-10-87	1555. Bagga Ram	4-12-87
508.	Amar Chand S/o. Kanjee	1-11-87	1556. T. Radha Kishan	-do-
509.	Puran Chatter	-do-	1557. Brodidi Pahaiah	~do-
510.	Shivnath Bauri	-đo-	1558. Naina Ram	5-12-87
511.	Mahadev Mudi	-do-	1559. Balu Ram	-do-
512.	Pdhik Bhuiya	-do-	1560. Pona Ram	-do-
513.	Dalit Bauri	-do-	1561. Ch. Ravider	-do-
514.	Swapan Kr. Mondal	-do-	1562. Ravulu Ramalingam	-do-
515.	Lakkiram Murmu	-do-	1563. Indrapu Narasaiah	-do-
516.	Roy Ranjan Kabi	-do-	1564. Karma Ram	7-12-87
517.	Swapan Kabi	-do-	1565. Dalla Ram	-do-
518.	Kamal Kant Dey	-do-	1566. Puna Ram	-do-
519.	Daymey Majhi	-do-	1567. Sewa Ram	8-12-87
520.	Prabhadhar Mondal	-do-	1568. Burla Rajaiah	-do-
521.	Jheru Bauri	-do-	1569. V. Sankaraiah	-do-
522.	Khokan Mondla	-do-	1570. Ponthala Bamaiah	-do-
523.	Bhikari Ram	-do-	1571. Ramidi Rajasammajah	-do-
		-40-	1572. B.N. Thakur	10-12-87

1 2		3	1	2	3
	ey Ram	12-12-87	1621.	Narasai	28-01-88
	di Majhi	15-12-87	1622.	K.J. Chakko	29-01-88
	Poddu Pochaiah	-do-	1623.	K. Banaiah	01-02-88
	lu Udalu	-do-	1624.	Azeem Md.	-do-
	hottam Gohokar	21-12-87	1625.	B. Malaiah	-do-
	akar Waghmare	-do-	1626.	B. Rajaiah	-do-
	h Meshram	-do-	1627.	K. Madukar	-do-
	ar Kasulkar	-do-	1628.	Bablu Kr. Pal	-do-
	ti Keram	-do-	1629.	Lalit Sanwal	-do-
		01-01-88	1630.	A. Handique	-do-
82. Mang		-do-	1631.	R.N. Banshi	-do-
	lad Ram	-do-	1632.	Karna Bahadur Chetri	-do-
-	ndra Singh	-do-	1633.	B.B. Chetri	-do-
85. Raja I		-do-	1634.	Nehera Lusai	-do-
-	na Ram	-do-	1635.	Prem Bahadur Leema	- do-
	Ram		1636.	Bhusiai Singh	-do-
•	an Lal	-do-	1637.	Damdhar Malta	-do-
89. Kuku		-do-	1637.	Dasarath Basak	-do-
	rath Hansda	-do-		Santosh Mahto	-do-
	n Mardi	-do-	1639.	Ranjit Mahto	-do-
-	ibhu Naik	-do-	1640.	Subhash Mahato	-do-
593. Argu	ıma Hansda	-do-	1641.		-do-
594. C.D.	Soren	-do-	1642.	Dasrath Murmu	-do-
	lukherjee	-do-	1643.	Domeu Baske	-do-
	d Rajak	-do-	1644.	Sasadhar Mahto	-do-
	ai Mardi	-do-	1645.	Uttam Das	-do-
	o Mardi	-do-	1646.	Ram Lakhan Mahato	-do- 05-02-8
_	han Ram	-do-	1647.	Murlidhar ·	-do-
	ind Paswan	-do-	1 648 .	-	
	tam Kr. Sen	-do-	1649.	Agnuram	-do-
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	ga Ram Mahanto	-do-	1650.	Vishnu	-do-
	na Bahadur Bhakal	-do-	1651.	Smt. Sajan Devi	-do-
	ayan Mahato	-do-	1652.		6-2-88
_	Umar Khan	06-01-88	. 1653.	Sukta Ram	-do-
	Jameel	07-01-88	1654.		-do-
- -	Varayana	10-01-88	1655.		08-02-8
	una Behera	14-01-88	1656.	. Sankar Mahalik	11-02-8
	una Benera Satyanarayana	16-01-88	1657.	S.N. Poddar	12-02-
_	Satyanarayana Malleshan	-do-	1658	. S.M. Ali	18-02-
		20-01-88	1659	•	18-02-
	etan Ram	-do-	1660		19-02-
	V. Jha	23-01-88	1661	•	01-03-
	a Lal	-do-	1662		-do-
1614. Rar		-do- 24-01-88	1663		-do-
•	haram Singh		1664	,•	-do-
	etehar Singh	-do-	1665		-do-
1617. Isa		25-01-88	1660		-do-
_	gee	-do-	166	-	-do-
1619. C.	Ganpati	26-01-88			-do-
1620. K.I	B. Chetri	-do-	1669	o. Danieshwat	

1	2	3	1	2	3
1669	. Manihar	1-3-88	 1718.	M.K. Majumdar	
1 67 0	. Ram Roop	-do-	1719.	Unkta Kania	2-5-88
1671	. Shiv Tandon	-do-	1720.	K. Premkumar	3-5-88
1672	. Ram Sai	-do-	1720. 1 72 1.	· ·	4-5-88
1673	. Paras Ram	-do-	1721. 1722.	L. Ragundran K. Govindraj	-do-
1674	. Ram Lal	-do-	1723.	R. Thanka Mathur	-do-
1675.	. Bikaram	-do-	1723.	A. Jasvanadam	-do-
1676.	Kailash	-do-	1724.		5-5-88
1677.	Dhanitar	-do-	1725. 1726.	Jimka Anjaneyulu Murari	8-5-88
1678.	Bachan Lal	-do-	1720. 1727.		10-5-88
1679.	Sewak Ram	-do-	1727. 1728.	Y. Rangareddy	11-5-88
1680.	Kamtam Seniwas	07-03-88		V. Chandel	13-5-88
1681.		20-12-87	1729.	A.P. Shelokar	-do-
1682.	Pooni Ram	8-3-88	1730.	R.N. Mishra	-do-
1683.	T. Mallesh	9-3-88	1731.	A.K. Singh	17-5-88
1684.		10-3-88	1732.	P.K. Radhakrishan Nair	18-5-88
1685.	Sadanand Kuldeep	17-3-88	1733.	Pradip Mukherjee	21-5-88
1686.	A.H. Jeelani		1734.	D. Mehataiy	-do-
1687.	Jiten Bhandary	-do-	1735.	R.K. Chakraborty	-do-
1688.	_	22-3-88	1736.	Mohan Kapil	25-5-88
1689.	Pradeep Kr. Kuldeep Ram Nath	1-4-88	1737.	M.S. Vadival	1-6-88
1690.		-do-	1738.	Monaranjan Mondal	-do-
	Ram Sai	-do	1739.	S.K. Sasmal	-do-
691.	Rameshwar Mahanto	-do-	1740.	Anil Dutta	3-6-88
1692.	Nand Lal	-de-	1741.	Neosa Soma .	4-6-88
1693.	Sadhu Ram	-do-	1742.	Bidyut Koyal	7-6-88
694.	Shajan Lal	-de-	1743.	T. Narayana	8-6-88
695.	Birju Ram	-do-	1744.	B. Satanarayana	-do-
696.	Jokra Singan	4-4-88	1745.	Mulukulo Osholy	12-6-88
697.	B. Ragagopal Rao	1-5-88	1746.	B.N. Rauth	14-6-88
698	Thomas John	-do-	1747.	Dulasi Singh	17-6-88
699.	G. Chandran Nair	-do-	1748.	Chinivas Thakur	21-6-88
700.	K. Kannon	-do-	1749.	A.K. Mukherjee	-do-
701.	K. Elangavan	-do-	1 75 0.	Bishnu Chetri	22-6-88
702.	S. Selvaraj	· -do-	1751.	Murari	24-6-88
703.	S. Balanxergam	-do-	1752.	SK. IA Saga	-do-
704.	Elanxeran S.	-do-		M.V. Varghese	26-6-88
705.	R.K. Jaffar	-do-		Smt. Anu Mathai	27-6-88
706.	Mathew T. John	-do-		K.K. Shaw	29-6-88
707.	K. Manikam	-do-		N. Ganesh	1-7-88
708.	K. Premkumar	-do-		B.S. Rawat	-do-
709.	Netai Ghosh	-do-		Jananneth Sengui	-do-
710.	Govardhan	-de-		Mukul Nayak	-do-
711.	N.K. Mondal	2-5-88		P. Parmanik	-do-
712.	Hena Routh	-do-		Astom Roy	-do-
713.	S. Sadhu	-do-		H. Bhandari	-ao- - do-
714.	Sukha Bauri	2-5-88		N. Kulloriya	
71 5 .	Bharat Pani	-do-		Bidan Ch, Roy	-do-
716.	Sibu Mondal	-do-		Debraj Gupta	-do-
717.	Sadhu Baouri	-do-		Chote Lal	-do- -do-

1	2	3	1	2	3
767. Sw	apan Mukherjee	7-7-88	1816.	Sanoslal	10-9-88
	nil Bauri	-do-	1817.	Dasanata Sahoo	14 -9-8 8
	anab Mondal	-do-	1818.	B.K. Pradhan	-do-
	bash Roy	-do-	1819.	Dayanidhi Sahoo	-do-
	run Mukherjee	-do-	1820.	Bhajamam Khilar	-do-
	K. Das	11-7-88	1821.	Binod Khilar	14-9-88
	tam Ghosh	16-7-88	1822.	Shiv Prasad Sharma	19-9-88
	Bhandari	18-7-88	1823.	Jhanaram Chetia	-do-
	ankar Naik	-do-	1824.	Bijoy Kr. Jha	20-9-88
	idip Ganguly	19-7-88	1825.	Rattan Lal	21-9-88
	han Lal	20-7-88	1826.	Mishri Lal	22-9-88
	ee Kant Maity	22-7-88	1827.	Sanjib Behury	23-9-88
	aghupati Yadav	26-7-88	1828 .	H.B. Gadatia	-do-
	nanmugam N.M.	1-8-88	1829.	Niranjan Naik	-do-
	N. Rajsekaran Nair	-do-	1830.	Bheru/Narayanji	25-9-88
	gannath Mondal	-do-	1831.	Gautam Das	2 6 -9 -88
	lok Acharjee	-do-	1832.	Milan Dhibar	7-10-88
	.B. Das	-do-	1833.	Golcha B. Samal	-do-
	airam Das	-do-	1834.	Sadhan Kaliraj	5-10-88
	fangalandan	3-8-88	1835.		10-10-88
	andev Lal	4-8-88	1 83 6.	Kuldeep Singh	-do-
	ianas Layak	5-8-88	1837.	Mahendra Singh	-do-
	.K. Ghosh	-do-	1838.	Bhog Chand	-do-
	.C. Mondal	-do-	1839.	Ghasi Ram	-do-
	ilip Kr. Tiwari	11-8-88	1840.	Panna Singh	-do-
	Lajal Kanti Dey	-do-	1841.	Babu Singh	-do-
	I.N. Chakraborty	12-8-88	1842.	Chandra Biyai Das	-do-
	I.C. Badayakar	16-8-88	1843.		21-10-88
	Madhale Mahatary	16-8-88	1 84 4.	Moloy Sen	24-10-88
	Cartik Mondal	-do-	1845.	Dharam Pal	-do-
	P. Mukherjee	-do-	1846.	Jhanardhan	-do-
	Tapan Majhi	21-8-88	1847.	•	26-10-88
	N. Ghosh	22-8-88	1848.		7-11-88
	Saroj Kr. Ghosh	-do-	1849.		10-11-88
	Md. Aktar Hussain	-do -	1850.	<u>-</u>	-do-
-	LS. Tiwari	24-8-88	1851.		11-11-88
	Kamal Choudhury	-do-	1851. 1852.		-do-
	Samir Akbar	-do-	1853.	•	-do-
	P.K. Ragunathan	25-8-88	1854.	• -	-do-
	Sagar Chatterjee	26-8-88	1855.	•	17-11-88
	Sukumar Ghosh	27-8-88	1856.		18-11-88
	S. Sab	4- 9-8 8	1857	·	1-12-88
	Giridhailal	6-9-88	1858		-do-
	Bidyut Bauri	7-9-88		•	2-12-88
	Ramgopal	8-9-88	1859	_	-do-
	Shambhu Singh	-do-	1860	•	15-12-88
	Birdi Chand	-do-	1861	•	30-12-88
	Devilal	- d o-	1862		1-1-89
	Bansilal	-do-	1863	John George	1-1-07

_1	2	3	1	2	3
1864.	Chunu Ram Goyalu	1-1-89	1913.	Ashok D. Chabbi	2-5-89
1865.	Daliram	1-2-89	1914.	Hanumanthappa B. Malani	-do-
1 866 .	Makhan Lai	-do-	1915.	Lachuppa J. Malani	-do-
1867.	Budhwanshu	-do-	1916.	Erappa B. Kanwar	-do-
1868.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	-do-	1917.	Shivappa Y. Devatar	-do-
1869.	Yathi Raju A.	-do-	1918.	Basavraju C. Gaddi	-do-
1 87 0.	Thafazud Khan	-do-	1919.	Mallappa S. Jamedev	-do-
1871.	A. Sengupta	-do-	1920.	Krishnappa H. Pawar	-do-
1 87 2,	Bikash Majhi	-do-	1921.	Gurappa G. Lamani	-do-
1873.	Samir Mahanta	-do-	1922.	S. Siman	05-05-89
1874.	B. Pandey	-do-	1923.	Y. Yalamanda	-do-
1875.	Badri Paswan	-do-	1924.	Nuruyan Gop	-do-
1 87 6.	Bhukan Mahanta	-do-	1925.	Devnarayan Yaday	-do-
1877.	Bijay Bauri	-do-	1926.	Jopeswar Yaday	-do-
1878.	H.N. Majhi	-do-	1927.	Dan Singh	-do-
1879.	Arjun Sadhu	-do-	1928.	Divakar Kumar Singh	-do-
1880.	Manohar Ghosh	-do-	1929.	Naresh Banerjee	-do-
1881.	Koriken Narak	2-2-89	1930.	Satish Bauri	-do-
1882.	Santu Marak	6-2-89	1931.	Sadana Rai	
1883.	A. Putaniswamy	13-2-89	1932.	Sanjay Mukherjee	-do-
1884.	R. Thomaraj Seinam	-do-	1933.	Bahadur Badyakar	-do-
1885.	N. Setvaraj	-do-	1934.	Kalpu Badyakar	01-06-89
1886,	Madan Mohan Singh	16-2-89	1935.	Mukti Bauri	-do-
1887.	Mohanlal Soner	20-2-89	1935. 1936.		-do-
1888.	Shaila Pradhan	1-3-89	1930.	Terain Khusrama	-do-
1889.	Frelington	-do-	1937. 1938,	Suresh Singh	05-06-89
1890.	Pedestan	-do-	1938.	Bhawarkar Rai	-do-
1891.	Yerless Lyngden	-do-		J. Hajang	01-7-89
1892.	C.P. Simon	11-3-89	1940. 1941.	Hiranmoy Paul	01-08-89
1893.	Venkatachary T.	-do-	1941. 1942,	G. Satyanarayana	03-08-89
1894.	C. Sonai Murty	16-3-89		Thomas Mathew	12-08-89
1895.	Vijayrathan Singh	26-3-89	1943.	G. Shanmugam	19-08-89
1896.	Purushottam	1-4-89	1944, 19 45 ,	Pramodh Sharma	24-08-89
1897.	Manilal	-do-		R.K. Zokhar Hussain	26-08-89
1898.	Prasad Singh	-do-	1946.	S. Selvaraj	31-08-89
1 899 :	Yuilson Marak	-do-	1947,	Vijay Babu	04-09-89
	Johasi Marak	-do-	1948.	Drinly Sylman	21-09-89
	Ram Kumar Singh	-do-	1949.	M. Vishnukam	01-10-89
	Buduram	-do-	1950.	B. Kotaiah	-do-
	Parsana Ram	-do-	1951. 1952	V. Rosaiah	-do-
	Ashok Kr. Sharma	1-5-89	1952.	R. Shekhar Babu	-do-
	Suraj Kumar Verma	-do-	1953.	N. Punnaiah	-do-
	Sishir Kumar Ghosh	-do-	1954.	P. Peddu Saidulu	-do-
	Sukhen Kumar Chakraborthy	-do-	1955.	V. Subha Rao	-do-
	Ganesh Pradhan	-do-	1957.	K. Mennaiah/Nugaiah	-do-
	Maithurious Marak	-do-	1958.	V. Beemlu Nair	-do-
	Lochapathi R. Rathod	02-05-89		G.V.R.V. Achary	-do-
	Thippanna R. konapur	-do-		N. Puraiah	-do-
1912.	Ningappa R. Pandi	-do-	1961.	D. Balaiah	-do-

1	2	3	<u>i</u>	2	3
	P.R. Seshaiah	01-10-89	2011.	Ram Singh	1-1-90
	N. Yohan	17-2-0	2012.	Mohit Ram	-do-
	G. Das	-do-	2013.	Kamal Singh	-do-
	G.V. Ramamurthy	-do-	2014.	Bhanu Pratap Singh	-do-
	Vogoulu Veeraiah	-do-	2015.	Narayan Singh	-do-
	Z.A. Khan	-do-	2016.	Devi Singh	-do-
	Kwin Hahshah	03-10-89	2017.	Shribhajan Singh	-do-
	L.D. Shiru	16-10-89	2018.	Dharam Singh	- d o-
	Sagi Mathe	26-10-89	2019.	Paresh Ch. Ghosh	2-1-90
	T. Ganesharan	06-11-89	2020.	Sukru	12-1-90
		16-11-89	2021.	J.K. Joting	23-1-90
	Fakeerappa H. Lamani	-do-	2022.	Raj Singh	- d o-
	Balappa N. Lamani	-do-	2023.	P. Palanna	1-2-90
	Kullappa S. Lamani	-do-	2024.	G. Narasimhalu	-do-
	Rutiyappu S. Lamani	-do-	2025.	Siba Saraiah	-do-
	Lalappu R. Pammar	-ao- -do-	2026.	D.N. Reddy	-do-
	Basaparaju T. Lamani	-do-	2020.	Ayuk Sangma	-do-
	Hanumanthuppua N. Lamani	-ao- -do-	2027.	D.R.N. Maidu	-do-
	Humuppa D. Lamani	-uo- 26-11-89	2029.	K, Devadanam	-do-
	P. Kasinathan		2030.	G. Paramatmuđu	-do-
	K.Z. Loher/Nathuji	3-12-89	2030.	Siba Saraiah	-do-
	Panduppa M. Lamani	21-12-89	2031.	T. Vampalkumar	-do-
983.	Monappa M. Lamani	-do-	2032.	Arun Sangma	-do-
984.	Ranjeet Singh	1-1-90	2033.	Ayuk Sangma	-do-
.985.	Babu C. George	-do-	2034.	Dhira Sangma	-do-
1986.	B.N. Mahato	-do-		Rosaddin Sangma	-do-
98 7.	D.C. Mahapatra	-do-	2036.	Aditya Mishra	12-2-90
1988.	Azim Ali	-do-	2037.		-do-
1 98 9.	D.K. Chakraborty	-do-	2038.	Sanjay Naik Harideo Wahane	-do-
1990.	Kashu Lal	-do-	2039.	T	16-2-90
1991.	Gyan Das	-do-	2040.	Sudhir Naik	-do-
1992.	Kumar Singh	-do-	2041.	Durga Ch. Nayak	-qo-
1993.	B.N. Mahato	-do-	2042.	P. Kr. Nayak	
1994.	S.S.P. Yadav	-do-	2043.	Kundra Majhi	-do-
1995.	Ram Singh	-do-	2044.		-do- -do-
1996.	Rajendra Prasad	- do-	2045.	7	
1997.	Ramkripal	-do-	2046.	Shir Singh Mardi	16-2-90
1998.	Chain Singh	-do-	2047.	Sankar Hasda	-do-
1 99 9.	Kanta Prasad	-do-	2048.	•	-do-
2000.	Ganesh Kumar	-do-	2049.		-do-
2001.	Ramtan Singh	-do-	2050.		-do-
2002.	Devi Singh	-do-	2051.		-do-
2003.	Manhar Singh	-do-	2052.	the state of the s	-do-
2004.	Gyan Das	-do-	2053.	and the second s	-do-
2005.	Ranga Lal	-do-	2054.	_	-do-
2006.	Antu Mahanto	-do-	2055.		-do-
2007.	Mahendra Singh	-do-	2056.		-do-
2008.	Chain Singh	-do-	2057	_	-do-
2009.	Jairam Singh	-do-	2058		-do-
2010.	Kashulal	-do-	2059	. Dwarikesh Tiwari	17-2-90

1	2	3	1	2	3
2060.	Raj B. Singh	17-2-90	2109.	P. Rama Raju	
2061.	Matka Majhi	24-2-90	2110.	Hemraj Gurjar	29-5-90 30-6-90
2062.	E. Konappa	1-3-90	2111.	K. Anjaneyulu	
2063.	B. Pothanna	-do-	2112.	B. Kamappa	1-7-90
2064,	D.H. Naidu	-do-	2113.	M. Laxmiprasad	-do-
2065.	N. Ramanjaneyulu	-do-	2114.	S. Kumar Das	4-7-90
2066.	G. Pothanna	-do-	2115.	A.K. Jha	11-7-90
2067.	H. Anjaneyulu	-do-	2116.		-do- -do-
2068.	N. Naganna	-do-	2117.	P.C. Modi	
2069.	N. Anjanneyulu	-do-	2118.	P. Sivaiah	July, 1990
2070.	P. Naganna	-do-	2119.	Joby Verghese	1-8-90
2071.	D. Hanumanthuyudu	-do-	2120.	Triloknath Yadav	2-8-90
2072.	K. Sanjeevarayudu	-do-	2120.		11-8-90
2073.	N. Naganna	-do-	2121.	K. N. Singh	-do-
2074.	G. Narasimhulu	-do-	2122.	Sriloo N. Yadav	-do-
2075.	Anki Adinarayana	-do-		B. C. Mahanta	-do-
2076.	Y. Sanjeevudu	-do-	2124.	Upendra Patra	15-8 -9 0
2077.	P. Chandrasekher Raju	-do-	2125.	Indradeo Yadav	-do-
2078.	S. Venkatasubbaiah	-do-	2126.	Devendra Rai	-do-
2079.	G. Venkataramudu	-do-	2127.	B. K. Pathak	-do-
2080.	G. Narayanna	-do-	2128.	Bhaktu Rajak	-do-
2081.	P.K. Narayanappa	-do-	2129.	Baldeo Singh	18-8-90
2082.	Jogendra Mallah	-do-	2130.	B. K. Das	-do-
2083.	Bairamji Chand	·do-	2131.	Bhagwan Shaila	-do-
2084.	S. David	5-3-90	2132.	Neelappa Hassur	1-9-90
2085.	M.K. Harinath	8-3-90	2133.	Gopal Bahadur	-do-
2086.	U. Mohalikrishna	22-3-90	2134.	Md. Safi Khan	18-9-90
2087.	E.R. Ramchandran	-do-	2135.	Ravinder Kumar	22-10-90
2088.	Lal Mohan Gorai	6-4-90	2136.	M.A.Ram	26-10-90
2089.	A. Raghupati	1-5-90	2137.	Arun B. Singh	1-11-90
2090.	R. Ashokan	-do-	2138.	Harendra Singh	-do-
2091.	M. Krishnaih	2-5-90	2139.	Dinesh Kumar Singh	-do-
2092.	N. Venugopal Rao	-do-	2140.	Sujay Kr. Saha	8-11-90
2093.	Siddalingappa V. Guddi	3-5-90	2141.	M. Sachidanandan	21-11-90
2094.	Ramappa P. Lamani	-do-	2142.	K. S. Anil Kumar	22-11- 9 0
2095.	Chinnakesappa B. Vadari	-do-	2143.	Keswar Mahanta	23-11-90
2096.	Devappa E. Lamani	-do-	2144.	Rajesh Singh	1-12-90
2097.	Thokurappa I. Lamani	-do-	2145.	B. K. Mahapatra	-do-
2098.	Bheemappa R. Lamani	-do-	2146.	Surendra P. Mukherjee	11-12-90
2099.	Bheemappa R. Lamani	-do-	2147.	Bajnath Yadav	5-1-91
2100.	Simyogi Channaya	-do-	2148.	Tapus Kr. Dey	12-3-91
	Basarappa P. Pundi	-do-	2149.	A. Bramhaiah	1-4-91
	Muthappa H. Hitalmani	-do-	2150.	N. Karan	1-5-91
2103.	Devappa V. Kanpur	-do-	2151.	D. Chinnadwai	-do-
2104,	Sellappa I. Lamani	-do-	2152.	M. Babu	15-7-91
	Y. Basha	10-5-90	2153.	Binu Mathew	1-9-91
	Subhash Ch. Naik	12-5-90	2154.	C. G. Vijaykumar	30-9-91
	Y.Y. Bhaskar Reddy	21-5-90	2155.	D. Karthikeyan	-do-
	Swapan Kr. Naik	23-5-90	2156.	Harisingh Sippu	-uo- 24-2-92

निम्न के मृतक कर्मचारियों के आश्रितों की अनुकंपा के आधार पर रोजगार मिलने हेतु रुके हुए मामलों का विवरण ।

संख्या	मृत का नाम	पदनाम	मृत्यु की तारीख	मुख्यालय	रोजगार मिलने हेतु आश्रितों के नाम	मृतक का सम्बंध	टिप्पणी
 1	2	3	4	5	6	7	8
	गौतम दास	सुरक्षा गार्ड	8-11-85	के. मुख्यालय	पत्नी तथा भाई		
	प्रकाश हिंगल	अस्थाई कर्मचारी	8-12-85 लापता	हैदराबाद	श्रीमती नायोनी	पत्नी	·
	कुमारी मीना घोष	_	7-7-80	कलकता	श्री अशोक घोष	भाई	
•	आर्शिवाद		8-10-83	के. मुख्यालय	श्रीमती ई. आशिवाद	पत्नी	
	लूटा मंडल	_	2-6-82	रांची	श्री एस. आर. मंडल	दामाद	
	नरेश जांमूतकर	_	22-4-86	नागपुर	-	-	
	जानकी राम	_	18-3-86	रांची	श्री चंदा राम	पुत्र .	
•	मनबेन्द्र घोष	ਫੀ. ਟੀ. −II	9-1-87	-	श्रीमती गोपाली घोष	पत्नी	
).	मित्थू घिता	अस्थाई कर्मचारी	19-2-85	जयपुर	श्रीमती शामावाई घिता	पत्नी	Offer issued but not
-	•						turned for joining
0.	गेन्डू गोराई	_	5-6-85	कलकत्ता	श्री गोवर्धन गोराई	पुत्र	•
1.	मवता साह्	चपरासी	2-3-87	के. मुख्यालय	श्रीमती सुकती साहू	पत्नी	•
2.	शिव चरन जल	अस्थाई कर्मचारी	-	कलकत्ता	· <u>-</u>		
13.	जी. कुम्भारे		2-3-87	नागपुर	<u>-</u> '		
14.	गौतम अलोने		3-3-87	_	· 		
15.	एम. आई. टोपो	_		_	_		
16.	मोहम्द हातीक मली	क ड्राईवर	8-5-87	संची	श्रीमती मेहरू खातून	पत्नी	
17.	वी. एस. चलपे	कॅ. अटेन्डेंट	8-10-83	के. मुख्यालय	श्री आई. सी. चौधरी		अस्थाई कर्मचारी के रू
							में कार्यरत हैं
18.	के. एम. मथाई	ਟੀ. ਟੀ. 4	27-8-87	हैदराबाद	श्रीमती अन्तु मथाई	पत्नी	_
19.	कैधर महालोक	चपरासी	5-1-88	कलकत्ता	श्री एस. महालोक	पुत्र	_
20.	जोखन सिंह	ड्राईवर	8-8-87	हैदराबाद	श्रीमती नागमनी देवी	पत्नी	_·
21	साधु बाउरी	सुरक्षा गार्ड	19-8-87	कलकत्ता	श्री कित्य बाउरी	पुत्र	
22.	नॉडू गोप	अस्थाई कर्मचारी	23-2-85	_	श्री पामल गोप	पुत्र	
23.	डामन महतो	सुरक्षा गार्ड	10-3-87	हैदराबाद	श्री गूना राम	पुत्र	
24.	के. सी. बेतरा	- .	10-5-87	कलकत्ता	श्रीमती मालती बेतरा	पत्नी	Offer issue but not joined
25.	स्वपन बाउरी	एम-ए-एच	20-5-82	कलकत्ता	श्रीमती मलीका बाउरी	पत्नी	मृतक का भाई अस्थाई कर्मकार के रूप में कार्यरत है

l	Į	34	
---	---	----	--

THE GAZETTE OF INDIA: MARCH 7, 2009/PHALGUNA 16, 1930

1	^			, 2005/11	HALGUNA 16, 1930	[PART	II—SEC. 3(ii)
1.	2	3	4	5	6	7	8
26.	रतन हरी	सफाई कामगार	23~1~86	रांची	श्रीमती साजन देवी	पत्नी	अस्थाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत है
27.	गोपाल मुखर्जी	ਤੀ . ਟੀ. −J	31-5-88	कलकत्ता	श्रीमती प्रनोती मुखर्जी	पत्नी	जगजरत ह
28.	पी. धीम्माराजू	सुरक्षा गार्ड	24-4-88	हैदराबाद	श्री पी. चंद्रशंखर राजू	पुत्र	
29.	एन. वाय. ए. जोसफ	ड्राईवर	4-3-88	हैदराबाद	श्री एन. विजय साद्	ुर पुत्र	
30.	गंगा राम	एम-ए-एच	17-6-89	जयपुर	श्रीमती भूरीदेवी	उन पत्नी	
31.	एस. एल. सैनी	डी. टी. ॥	11-12-88	जयपुर	श्रीमती मेवा देवी	पत्नी पत्नी	
32.	पी. एस. मीश्रा	के. टी. ए-एस डी	21-10-89	नागपुर	श्री संतोष मीश्रा	पुत्र	
33.	सुदामा सिंह	सुरक्षा गार्ड	5~12-89	कलकत्ता	श्री सिताराम	उन पुत्र	
34.	वी. बी. ठाकुर	अस्थाई कर्मचारी	21-3-90	रांची	श्रीमती कबिता ठाकुर	उ॰ पत्नी	
35.	जगदीश तारा	सुरक्षा गार्ड	3-5-90	के. मुख्यालय	श्रीमती रेक्तीबाई	पत्नी	
36.	के. पी. साहू	डी. टी. ।	26-11-89	नागपुर	श्री ष्रदीप कुमार		
37.	एम. जी. चल्लावार	मशीनिस्ट-5	13-5-90	के. मुख्यालय	श्रीमती कालूवाई	पुत्र पत्नी	
38.	एन. आर. काकेरी	वरिष्ठ ड्राईवर	13-6-90	हैदराबाद	श्रीमती के. अनुसूया	पत्नी	
39.	हरीश चंद्र केडा	एल. डी. सी.	7-5-89	जयपुर.	श्रीमती तारा केडा	पत्ना पत्नी	
40.	वारीयाती महतो	अस्थाई कर्मचारी	11-10-89	रांची	श्रीमती सुशीला देवी	पत्ना पत्नी	
41.	एन. एन. शाहा	एन-ए-एच	5-9-90	रांची	श्रीमती वीमला देवी		
42.	एस. आर. नेवारे	वरिष्ट ड्राईवर	25690	नागपुर	श्रीमती मंदा नवार	पत्नी	
43	नेपाल दास	अस्थाई कर्मचारी	19-7-86	कलकत्ता	श्रीमती हेनूबालाटेटी	पत्नी	
44.	सुदीपा मजुमदार	डी. टी. 4	17-8-90	कलकत्ता	श्रीमती मोइना मजुमदार	पत्नी कारी	
45.	पायडीकोंड <u>ा</u>	ड्राईवर	4-2-90	हैदराबाद -	श्रीमती क्रिषणावेनी	पत्नी	
46.	जोसेफ तुरूक	खलासी	5-11-90	के. मु ख्या लय	त्रानता स्क्रमणावना श्री सुकांत तुरूक	. पत्नी	
47.	मधू नाहा	माइनिंग मेट	22 1-91	नागपुर	त्रा सुकात तुरूक श्रीमती रीना नाहा	पुत्र	
48.	अंजन नायडू	ड्रिलमेन-ब्लास्टर	3-12-90	_{हैदराबाद}	श्री खींद्र नायडू	पत्नी	
49.	उत्तम जांमुलकर	स्टोर अटेंडेंट	3-3-91	के. मुख्यालय		पुत्र ^	
50.	जॉर्ज ओमेन	अधोक्षक (सामग्री)	1-3-91	यः नुख्यालय नागपुर	श्रीमती अनीता जांमुलकर श्रीमती लीलम्मा जॉर्ज	पत्नी 	
51.	संत कुमार	सहायक लेखा	23~2'89	कलकत्ता		पत्नी	
52.	वी. वी. रतनम्	चपरासीं	23-12-90	हैदराबाद	श्रीमती कमलेश कुमारी श्री वी. आर. बाब	पत्नी	
53.	एच. एस. राधोड	ड्राईवर -॥	16-5-90	रुपराजाप् कलकत्ता	•	पुत्र	
54.	गौतम मुर्तजा	वरीष्ठ ड्राईवर	29-12-90	कलकत्ता	श्रीमती कारीबाई	पत्नी	
55.	के. बी. गुरूंग	ड्राईकर	23-1-91		श्री सनवर अली	पुत्र	
56.	सिंधा टंटी	डी. टी. II	19-12-90	नागपुर नागपुर	श्रीमती बंस गुरूंग श्रीमती विलता टंटी	पत्नी	
57.	ब्रीजलाल परामी	डੀ. ਟੀ. 4	25-5-90	नागपुर नागपुर		पत्नी	
58.	अबदूल वहाब	टेक्नीशीयन 5	24-8-89	नानपुर के. मुख्यालय	श्रीमती सुरबाई	पत्नी	
59.		लैब. अटेंडेंट	17-10-91	क. मुख्यालय हैदराबाद	श्री एजाजअनवर	पुत्र	
50.		वैधन अभियंता	11-11-91		श्रीमती टी.आर. बसंती	पत्नी	
51.		ड्राईवर	30-6-91	नागपुर उत्पार	श्री योगेश श्राम	पुत्र	
52.	पी. बी. शिवरामचंद्रप्पा		6-1-91	नागपुर हैदराबाद	श्रीमती कन फुलमाली	पत्नी	
	* .	सहायक लेखा	18-5-91		श्रीमती हंसौदेवी	पत्नी	
54.		सुरक्षा गार्ड	28-10-91	नागपुर कें परवा वक	श्रीमती अन्तमा मधाई	पत्नी	
	के आर कटीच	उप-मुख्य वेधन अभियंता	22-4-92	कें. मुख्यालय नागपुर	श्रीमती फिरह अखतर श्रीमती स्वर्णा कटौच	पत्नी पत्नी	
	उदयसिंग वेलवाल	सुरक्षा गार्ड 10,12,13,14,15,22,3	6-5-92	जयपुर	श्री	पुत्र	

क्रम संख्या नं. 2,3,4,5,6,7, 9,10,12,13,14,15,22,34,40,43,62 के

कर्मचारी कॉन्टीनजंट (अस्थायी कर्मचारी) थे।

के. एस. नेगी, उप प्रबंधक (कार्मिक एव प्रशा.)

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ 591.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन ऑयल ब्लेंडिंग लिमिटेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय सं. -II, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी-2/45/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-31011/22/2001-आई आर(एम)] कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 591.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT-2/45/2002) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court No. II, Mumbai now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian Oil Blending Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 10-2-2009.

[No. L-31011/22/2001-IR (M)] KAMAL BAKHRU, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNALNO, II AT MUMBAI

Present: A.A. LAD, Presiding Officer
Reference No. CGIT-2/45 of 2002

Employers in relation to the management of Indian Oil Blending LTD.

Pir Pau, Trombay,
Post Bag No. 8803,

...First Party

AND

Their Workman, Shri H. Yunoos Vishwa Shanti Apartment, E-1,22,C-9, Sector 8, Nerul, New Mumbai, Mumbai-400 076

..... Second Party

APPEARANCES

For the Employers

Mumbai-400 074

M/s. Negandhi Shah & Himayatulla, Advocates

For the Workmen

: Mr. Jaiprakash Sawant, Advocate

Date of Passing the Award: 7-1-2009

AWARD PART II

(1) The dispute was raised by the Second Party Workman H. Yunoos stating that, he joined the First party with effect from 22nd September, 1978 as an Operator. He did his work on the same post since then. On 8th August, 1996 Charge sheet was served on him alleging that, he disobeyed the orders of his superiors. The said charge

sheet was replied by the Second Party workman stating that, the orders given by his superiors were not part of his work and as such he was not supposed to attend the said work, ordered by his superiors. In the said reply he also pointed out that, instead of ordering same work refused by the Second Party workman, another work be allotted to him out of his usual work. However, no work was allotted to him and as such he was compelled to sit idle. The ground taken by the First Party of not attending the work and not obeying the orders of his superiors have no meaning. In fact, it was not his intention not to attend any work but on the contrary work was not provided to him as per his status and as per his duty list, hence he did not work. If at all for sitting idle if anyone has to be blamed, it is the Management who is responsible for compelling the Second Party workman to sit idle and cause and create ground of not attending the work as a result of which the enquiry is conducted by appointing Enquiry Committee. The Enquiry Committee did not conduct the enquiry by following the principles of natural justice. Besides it is case of the 2nd Party that, findings given by the Enquiry Committee are perverse as well as punishment of dismissal is shocking disproportionate which, requires to be quashed and set aside.

(2) The reference is sent to this Tribunal by the Under Secretary of Central Government, the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, by its order No.L-31011/22/2001-IR(M) dated 2nd May, 2002 in exercise of the powers conferred by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 to decide:

"Whether the action of the management of Indian Oil Blending Ltd., Mumbai in terminating the services of Sh. H. Yunoos by way of dismissal w.e.f. 9-4-99 is legal and justified? If not, what relief the workman is entitled to?"

- (3) To prove the grievances Second Party filed his Statement of Claim at Exhibit 6.
- (4) The claim of the Second Party is disputed by the 1st Party by filing reply with its rejoinder at Exhibit 7 stating that, the Second Party Workman has admitted that, he did not work as well as did not obey the orders of his superiors. It is stated that, the work allotted to him of cleaning the drums was part of his duty as listed in para 5(a) of the Written Statement of First Party. It is stated that, work was provided to the Second Party workman by the First Party of his status and qualifications and he is responsible for not attending work. It is also stated that, the First Party is not responsible for sitting idle of the Second Party Workman. Even charges levelled against the Second Party Workman are admitted by him. He admits that, he did not work on that day. Even he admits that, he sat idle and did not work for that day. The charges of not obeying the orders of superiors and sitting idle are almost proved since admitted by him. By said he accepted the charges levelled against him. It is denied that, enquiry was not fair and proper. It is dent that, findings are perverse. It is also denied that, the punishment awarded to the Second Party, Workman is disproportionate. The charge sheet was served on Second Party Workman and he gave acknowledgement on 30th August, 1996. Enquiry Officer explained the charges

and since admitted by the Second Party under the guise of work allotted to him or work ordered to him was not party of his duty list and he admits that, he refused to carry out the said work. Proper procedure was followed by appointing Enquiry Committee. Full opportunity was given to the sacked workman to represent in the enquiry. His representative was attending Enquiry Committee for Second Party Workman. He participated in the Enquiry. Crossexamined the witness of the First Party and lead proper and cogent evidence. By all this First Party succeed in proving the charges levelled against the Second Party Workman. When charges are proved now there is little scope for the Second Party Workman to say that, the charges are baseless and are not proved. The witnesses examined by the First Party, by name Mr.M.G. Gharat and Mr.M.R. Shaikh, clearly establishes the charges levelled against the Second Party Workman and on the basis of the said findings and considering the cross taken by the defence representative Shri M.D. Patil who appeared for Second Party Workman, findings were given by the Enquiry Committee which has based on the evidence and on that ground he concluded that, the Second Party Workman did not obey the orders of his superiors and sat idle. Said findings were served on him. Report was submitted before competent authority. Relying on the findings, action of termination was taken by following due process of law by offering legal dues to the Second Party Workman. Now Second Party Workman cannot challenge the decision taken by the First Party on the basis of such genuine Enquiry and the findings given by it. So it is submitted that, the action taken by the First Party does not require any interference.

- (5) In view of the above pleadings my Ld. Predecessor framed Issues at Exhibit 11. By passing Award Part I on 29-3-2006, I decided the issue of fairness of the enquiry and perversity of the findings of the Enquiry Committee observing enquiry was fair and proper and findings were not perverse.
- (6) Now, following issues are taken for discussion which I answer as under:

ISSUES

FINDINGS

(3) Whether the action of the Management of Indian Oil Blending Ltd., Mumbai in terminating the services of Sh. H. Yunoos by way of dismissal w.e.f. 9-4-99 is legal and justified?

No.

(4) What relief the workman is entitled to?

2nd Party is entitled for re-instatement but without back wages.

REASONS:

Issue No.3:

(7) 2nd Party was charge-sheeted on the charges of misconduct and wilful insubordination and disobeying or disobedience of lawful and reasonable orders of the

superiors and wilfully showing down in performance of work and even commissioning any act of subversive of discipline or good behaviour on the premises of the Plant particularly mentioning the incident dated 26th July, 1996 when 2nd Party refused to work in drum filling area. When he refused to work there as per the order of his superior Mr. D.R. More and then as per directions Mr.M.G.Gharat still the concerned workman did not did that work in Drum Filling Area. He replied to the said charge sheet by his reply dated 24-8-1996 saying that, he is ready to work any where in drum filling area other than work of cleaning the stencils as he never did said work. On the basis of that, Enquiry was initiated and Enquiry Officer observed charges levelled against him are proved. Even Enquiry Officer observed concerned workman has committed said act of misconduct which amounts to insubordination, disobeying the orders of his superiors which affect on the production of the 1st party.

- (8) The stand of the 2nd Party is that, that was the only incident which took place and for that, punishment of dismissal is harsh and not just and proper and is highly disproportionate. Whereas case of the 1st party is that, since 1st party purposely disobeyed the orders of the superior and which he has admitted it affected on the production of the 1st party and it gave bad signal as well as bad impression on the other employees as it find difficult for management to get work done from the employees if such behaviour is tolerated.
- (9) To prove that, 2nd Party filed his affidavit in lieu of the examination-in-chief at Exhibit 22 reiterating the same thing stating that, that was the only incident and for that punishment of dismissal is not just and proportionate. Then he closed his evidence by filing closing purshis at Exhibit 28.
- (10) Against that, 1st Party examined its witness Babanrao Dyandas Chougale by filing his affidavit in lieu of his examination-in-chief at Exhibit 30 who states that, the concerned workman committed misconduct of disobeying orders of his superior which create very bad impression. He states that, as per the standing orders punishment of dismissal is legal and proper on the proved misconduct and is just and proper. In the cross he states that, he acted as Presenting Officer in the enquiry. He admits that, he was not present when the work was given to the concerned workman and when he refused the work. On that 1st Party closed its evidence by filing closing purshis at Exhibit 31.
- (11) 2nd Party filed written arguments with citations at Exhibit 32 and the 1st Party replied it by filing written arguments at Exhibit 34 with citations.
- (12) As stated above incident dated 26-7 1996 was the only incident of that type on which the concerned workmen refused to do the work in Drum Filling Area. The explanation given by the concerned workmen which is on record reveals that, he has no objection to give work anywhere in Drum Filling Are except the work of cleaning stencils. For that he explains that, he never attended work of cleaning of stencils and he requested to give any work other than the work of cleaning stencils. It is to be noted that, that was the only incident took place of that type which is not disputed at all. It is also brought on record by

the 1st Party by cross examining the concerned workman at Exhibit 22. Even in the cross he admits that, he refused to attend the work of cleaning the stencils. When concerned workman says that, he refused to attend the work of cleaning stencils and when in writing he states that, he never did that work and that was the only incident in his service life when he worked for 25 years with 1st Party. In my considered view definitely punishment for such an isolated incident termination cannot be treated proportionate as well as just and proper.

13) 1st Party has filed copy of Standing Orders with Exhibit 17. But it is not pointed out which standing orders are attracted to the concerned workman, who once in the service life refused to work on the work which he never did. Even it is not the case of the 1st party that he was doing that work but he purposely refused to attend that work just to disobey his superiors or just to insult their order. Even it is not the case of the 1st Party that, 2nd Party has that habit and has repeated the same time and again to invite such an action. It is to be noted that, termination of services is rather capital punishment in the labour jeuoperndence. If any person commits acts of misconduct and such charges are proved against him he can be convicted considering the gravity of the act done by that person. Besides IPC in various convictions are suggested but considering the act done by the accused and considering the consequences of that act the victim is punished. Here only one i.e. isolated act of refusing the work that too of cleaning stencils is brought on record which he never did in his service life was noted in the service life of the concerned workman of 25 years. When that was the only incident which he committed in the 25 years' service, I am of the considered view that, for a single and isolated incident punishment of termination is harsh and cannot be sustained.

14) Ld Advocate for the 1st Party placed reliance on the citation published in 1997 I CLR page 13 where Apex Court while deciding the Civil Appeal between New Shorrock Mills and Maheshbhai T. Rao observed that, when Court observe enquiry is fair and proper and finding not perverse in that case generally Court need not interfere in the punishment. At the same time it is observed that, such a punishment should not be given by way of victimization and there should be such a serious and grave misbehaviour proved against the concerned workman. Here such a serious misbehaviour cannot be said to have been proved and it being an isolated act of refusing to work of cleaning the stencils work in Drum filling area, which was never job of the concerned workman or which he never did during his service life and which is not disputed by the 1st Party it cannot be treated as a misconduct of serious nature as observed by the Apex Court in the above case Supra. Citation published in 1999 II CLR page 926 while deciding the case of Maharashtra State Road Transport Corporation v/s Bhimrao s/o Ganpatrao Gunde where our Hon'ble High Court observed that, the Court should take into consideration the record of the workman while conferring with the punishment. Here no such record is produced by the 1st Party as happened in the above case Supra. There was a charge sheet but on a different cause. It cannot be said that, 2nd Party has repeated it and service record produced of the 2nd Party does not show that, that such thing had happened even in the past as happened in that case. Besides citation published in 2005 of 1 CLR page 1074 in the case of Madhya Pradesh Electricity Board V/S. Jagdish Chandra Sharma where Apex Court observed that:

"...when punishment of termination is awarded for hitting and injuring a superior officer in that case with no extenuating circumstances established, it cannot be said to be not justified and it cannot be termed unduly harsh or disproportionate.

However, facts of that, case were that, the workman involved in that case was charge sheeted for hitting and injuring his superior officer at workplace which is not the case with the 2nd Party involved in this. So the said decision does not invite us to confirm the punishment given by the 1st Party. The same view can be taken about the citation published in 2007 II CLR page 845 where Apex Court in deciding the case of Management of Coimbatore District Central Co-op. Bank vs Secretary, District Central Coop. Bank Employees Association & anr. observed that, Enquiry Officer observed that, the concerned workman is guilty of the charges in that case, Court cannot interfere in the punishment. However, in that case there was illegal strike and notice was issued under the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947 and that, the Union was informed not to go on strike when settlement took place and though strike was called off. However, the concerned employees refused to join the duty as per the settlement and remained absent. But here case and facts of the workman at hand is quite different than those Citation referred published in 2008 I CLR page 847 while deciding the case of U.P. State Road Corporation vs Vinod Kumar where it was observed that, once the Enquiry is observed as fair and proper and finding not perverse, in that case it is not necessary to interfere with the punishment awarded. However, in that case workman was appointed as a Conductor in U.P. Road Transport Corporation. He was conductor at that time on a bus which was on scheduled route from Kalsi to Chinnai which was checked and on inspection it was found that, out of 45 passengers 28 passengers from Kalsi to Chinnai were without tickets and the inspecting team found that, the conductor had already recovered fare from the said passengers without issuing ticket and found only 6 tickets were issued which were not in seriatim too. So definitely that was a serious charge as compared with the charge levelled or said proved against the present employee.

15) Taking into consideration the case laws on which 1st Party rely to show that, this Court cannot interfere in the punishment I am of the view that, there was isolated incident which in my considered view does not permit 1st Party to terminate the services of the employees. For that, giving such punishment there should be charges of that type and for that punishment should be proportionate to the act done by the concerned workman. When act of misconduct is proved but when the nature of the said act is isolated incident which occurred for the first time in the service life of 25 years of the concerned workman and for that, he was terminated for ever from the employment. I feel it is not just and proper or proportionate to act proved. So I conclude that, punishment of dismissal imposed upon the workman for the isolated act is harsh one and is not just and proper. So I answer this issue accordingly.

ISSUE NO. 4:

16) When concerned workman succeeds in showing that, for isolated act punishment is harsh one, in my considered view, he is entitled for reinstatement. He states that, he has no work and he is managing the family any how and he also states that he did not get any work though he tried. Here he has not shown that, he tried for the job but he could not get it and able to gain. He does not utter any word about his financial crisis which he might have suffered as a result of termination. He has not stated anything about family crisis and is silent how his family suffered as a result of his termination. Besides charge of disobeying order of superior is proved. Though it is isolated act some punishment must be there. Besides he did not work from termination till then. So not giving back wages is the sufficient punishment for that proved misconduct which is sufficient to my consideration. So, in my considered view the 2nd Party is not entitled for back wages as he failed to prove the claim for payment of back wages.

17 At the same time I am of the view that he must be reinstated on the pay scale on which he was terminated immediately by the 1st Party till he retires on attaining the age of superannuation.

18) In view of the discussions made above I conclude that, the reference require to be partly allowed. Hence, the order:

ORDER

- a) Reference is partly allowed;
- b) 1st Party i.e. Indian Oil Corporation now renamed as Indian Oil Blending Ltd. is directed to reinstate the workman H. Yunoos on the post on which he was terminated w.e. f. 9-4-1999 and is directed to continue him in the employment till he attain the age superannuation;
- c) prayer of the 2nd Party of back wages is rejected;
- d) in the circumstances there is no order as to its costs. Bombay, 7th January, 2009

A. A. LAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ 592.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का [4] की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में. दोरबासाव बी. खुसेटजी सन्स (मुम्बई) प्रा.लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय सं. -।।, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी-2/26/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-31011/16/2001-आई आर(एम)] कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 592 .- In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT-2/ 26/2002) of the Central Government Industrial Tribunal/ Labour Court No. II, Mumbai now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Dorabashaw B. Crusetjee Sons (Bombay) Pvt. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 10-2-2009.

> [No. L-31011/16/2001-IR (M)] KAMAL BAKHRU, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNALNO. II AT MUMBAI

Present: A.A. LAD, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/26 of 2002

Employers in relation to the management of M/s. Darabshaw B. Cursetjee Sons (Bombay) Pvt. Ltd.

1. The Managing Director, M/s. Darabshaw B. Cursetjee Sons (Bombay) Pvt. Ltd. Darabshaw House, Ballard Pier, Mumbai 400 010.First Party

2.Mumbai Port Trust Vijay Deep, S.V. Marg, Ballard Estate, Mumbai-400 001.

AND

Their Workman, Shri Rajbhan Santbhan, Singh R.No. 27, Zakaria Bunder Road, Sewree, Mumbai-400 015.

.... Second Party

APPEARANCE

For the Employers

(1) Mr. B.K. Ashok, Advocate.

(2) Mr. Umesh Nabar, Advocate

For the Workman Date of Passing the Award: 22-12-2008

: Mr. R.R. Yadav, Advocate

AWARD

The reference is sent to this Tribunal by the Under Secretary of Central Government. The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-31011/16/2003 (IR-M) dated 28th February, 2002 in exercise of the powers conferred by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 to decide:

"Wherther the action of the Management of M/s. Darabshaw B. Cursetjee Sons (Bombay) Pvt. Ltd., Contractor, M/s. Mumbai Port Trust in terminating the services of Shri Rajbhan Santbhan Singh, Carpenter w.e.f. 3-9-99 is legal and justified? If not what relief the workman is entitled to ? "

2) Statement of Claim is filed by the concerned Workman at Ext. 5. Said was replied by the 1st Party (1) by filing Written Statement at Exhibit 9. It was replied by the concerned Workman by filing rejoinder at Exhibit 27.

- (3) Issues were framed by my Ld. Predecessor at Exhibit 11 and Reference was posted for recording evidence.
- (4) Meanwhile concerned Workman came with a proposal of settlement at Exhibit 28 and informed that, the dispute is settled and he requested to take the Reference before Lok Adalat.
- (5) Accordingly Reference was placed for consideration before the Lok Adalat on 22nd December, 2008. Hence, the order.:

ORDER

In view of the Exhibit 28 and 29 Reference is disposed of in Lok Adalat.

Bombay,

A.A.Lad, Presiding Officer.

22nd December, 2008.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUS-TRIAL TRIBUNAL NO. 2 AT MUMBAI

Reference No. CGIT-2/26 of 2002

BETWEEN

- 1, M/s. Darabshaw Cursetjee's Sons (Bombay) Ltd.
- 2. Employers in relation of the Management of Mumbai Port Trust

V/s.

Mr. Rajbhan Santbhan Singh.

MAY IT PLEASE THIS HON BLE COURT

The Second Party workman states that he has settled all his claim, dispute with the Frist Party above named, monetarily and hence he does not wish to proceed with the Reference further. A memorandum of Settlement to that effect have been executed between the parties.

It is therefore, prayed that the Hon'ble Court may be pleased to pass an Award disposing of the Reference as settled out of Court.

Mumbai:

Date:11-11-2008

(Second Party Workman)

Explained & Identified by me

R.R. Yadav

B.K. Ashok

Advocate for

Advocate for

Second Party.

1st Party No.1

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Under Section 2 (p) of Industrial Disputs Act, 1947.

This Memorandam of Settlement is made and entered into at Mumbai on this 11th day of November, 2008, Between:-

M/S. DARABSHAW B. CURSETJI'S SON (BOM) LTD.,

Darabshaw House, Ballard Pier,

Mumbai-200 001.

(hereinafter referred to as the "Employer") of the party of the first Part,

And

(1) Mr. Rajbhan Santbhan Singh, Room No. 27, Zakaria Bunder Road, Sewree, Mumbai-400 015

(2) Mr. A. Abdul Kadar, Room No. 3, Bharati Nagar, Tilak Nagar, Chembur, Mumbai-400 089.

(hereinafter referred to as the "Employees") of the party of the Second Part.

Whereas the party of the second party were employed with the Party of the First Part, as Carpenter-cum-Sewing man. They raised an Industrial Dispute challenging termination of their service by the First Party company. The said dispute was referred before the Hon'ble Central Government Industrial Tribunal No. 2, Mumbai, under Reference No. CGIT-2/26 of 2002 and Reference No. CGIT 2/9 of 2002 respectively of both the above named second party. The party of the first part have contended that both the second party were legally retrenched by following due process of law and by complying very strictly with all the provisions of law, specially Section 25F of Industrial Dispute Act, 1947. The First party company have further contended that the stevedoring business of the company had gone down miserably and it was not possible for the company to continue its stevedoring business and in the circumstances the company surrendered their stevedoring Licence to the Mumbai Port Trust by their letter dated 24th April, 2000. The first party company have further contended in their W.S. that after surrendering the stevedoring Licence to the Mumbai Port Trust almost all the employees of the company who were engaged in stevedoring work were retrenched by the company and paid according to the Law. The said both the Reference is pending for hearing before the said Hon'ble Tribunal.

And whereas the Second party employees and the First Party employer negotiated with the matter/claim and after discussions, both the parties arrived at the settlement on the following terms and conditions:

- 1. The party of the First Part doth paid to the second Party No. 1 a sum of Rs. 1,60,000 (Rupees one lac sixty thousand only) and an amount of Rs. 1,40,000 (Rupees one lac fourty thousand only) to the Second Party No. 2 towards full and final settlement of all their claim dispute raised in above mentioned ?References. The receipt of the amounts, both the Second party admit and acknowledge in this Memorandum of Settlement.
- 2. The First Party company hereby agree to take immediate steps for payment of Provident Fund amount accumulated along with interest to the Second Party workmen, at the earliest possible.
- 2A. The Second Party employees hereby declares that they have settled all their claim, dispute in full and final and on receipt of the said amounts, and they shall not have any claim of reinstatement, re-employment, back wages, earned wages, leave wages, bonus, retrenchment compensation, Gratuity, overtime wages and/or any other claim of whatsoever nature against the First Party employer.
- 3. The Second Party employees further undertake that they will not raise any claim of whatsoever nature against the First Party or against its Directors or against Mumbai Port Trust, at any time in future.

4. The Second Party employees hereby undertake to file settlement purshish before the said Hon'ble Tribunal, praying disposal of both the Reference, as settled out of Court.

Shri D. Kapadia. For M/s. Darabshaw

(1) Shri, Rajbhan Santbhan Singh

Cursetji's Sons (Bom) Ltd.,

(2) Shri. A. Abdul Kadar, Second Party Employees

First Party Employer

Witnesses:

1. 2.

Receipt

I, Mr Rajbhan Santbhan Singh, Received with thanks from M/s. Darabshaw Cursetji's Sons (Bom) Ltd., the First party employer, a sum of Rs. 1,60,000 (Rupees one lac Sixty thousand only) towards full and final settlement of all my dues and claims made in Reference No. CGIT-2/9 of 2002. I hereby declare that hereafter I shall not have any claim of reinstatement, re-employment, back wages, earned wages, leave wages, Commission, bonus, Gratuity, overtime wages or any other claim of watsoever nature against the said M/s. Darabshaw Cursetji's Sons (Bom) Ltd. I also hereby declare that hereafter I shall move an application to dispose of the said Reference as settled out of Court. I further undertake not to initiate any proceeding against the said employer at anytime in future.

I say that I received the above mentioned amounts as follows:

Rs. 1,60,000 (Rupees one lac sixty thousand only) by Cheque No. 006696 dated 7-11-08 drawn on Bank of India Branch, Ballard Estate.

Mumbai,

Dated 11-11-08

(Mr. Rajbhan Santbhan Singh)

Witnesses:

I. R. R. Yadav Advocat

2. R. M. Roshan Singh

Signed Illigible

Receipt

I, Mr A. Abdul Kadar, received with thanks from M/s. Darabshaw Cursetji's Sons (Bom) Ltd., the First party employer, a sum of Rs. 1,40,000 (Rupees one lac fourty thousand only) towards full and final settlement of all my dues and claims made in Reference No. CGIT-2/26 of 2002. I hereby declare that hereafter I shall not have any claim of reinstatement, re-employment, back wages, earned wages, leave wages, Commission, bonus, Gratuity, overtime wages or any other claim of watsoever nature against the said M/s. Darabshaw Cursetji's Sons (Bom) Ltd. I also hereby declare that hereafter I shall move an application to dispose of the said Reference as settled out of Court. I further undertake not to initiate any proceeding against the said employer at anytime in future.

I say that I received the above mentioned amounts as follows:

Rs. 1,40,000 (Rupees one lac fourty thousand only) by Cheque No. 006695 dated 7-11-08 drawn on Bank of India Branch.Ballard Estate.

Mumbai,

Dated 11-11-08

(Mr. A. Abdul Kadar)

Witnesses:

1. R. R. Yadav Advocat

2. R. M. Roshan Singh

Signed illigible

Proceedings of the Lok Adalat held on 22nd December, 2008. Panel Members:

(1) Mr. H. B. Anchan, Advocate

(2) Mr. S. B. Kedam, Advocate

(3) Mr. R. S. Pai, Advocate

Reference No. CGIT-2/26of 2002

D.B.E. Sons (Bom) P. Ltd. and their V/s. R. S. Singh

Present :-

R. S. Singh -- Workman

Mr. D. Kapadia — Rep. of Management No. 1

Mr. Umesh Nabhar, Advocate for Management No. 2

Parties have amicably settled the abve matter. Settelment filed at Ex. 28 sent to Tribunal for award.

(Umesh Nabar, Adv. Manager No. 2)

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 593.— औद्योगिक विवाद अधिनयम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कोचीन रिफाईनरी लिमिटेड के प्रबंधतंत्र के सबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, इर्नाकुलम के पंचाट (संदर्भ संख्या आई. डी.-14/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30011/33/2005~आईआर (एम)] कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

Signed illigible Signed illigible Signed illigible New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 593.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. I.D. 14/2005) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Ernakulam now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Cochin refinery Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 10-2-2009.

[No. L-30011/33/2005-IR (M)] KAMAL BAKHRU, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM

Present: Shri P. L. Norbert, B.A.L.L.B., Presiding
Officer

(Wednesday the 28th day of January, 2009/8th Magha 1930)

LD. 14 OF 2005

Union

The General secretary,

Cochin Refineries Employees'

Association, Cochin Refineries Limited, Ambalamughal-682302. By Adv. Sri. C. S. Ajith

Prakash.

Management

The Dy. General Manager

(HRD&IR)

Cochin Refineries Ltd., Ambalamughal-682302. By Adv. M/s. Menon &Pai.

AWARD

1. This is a reference made by Central Government under Section 10 (1) (d) and (2A) of Industrial disputes Act, 1947 to this court for adjudication. The dispute referred is:—

"Whether the action of the management of Cochin Refinery Ltd. in promoting a few workmen to grade IV with same designation of Typist Clerk Trainee even without notifying the vacancy as per the requirement of promotion policy settlement is right? If not what is the relief to the eligible workers?"

2. Though parties entered appearance and filed their pleadings when the matter came up for evidence the union has been taking time to lead evidence. At last the case was posted finally for evidence of the union on this day. But today also the counsel as well as the union representative are absent. A representation is made for adjournment. A representation is made for adjournment. The case has been pending for adjudication for the last 4 years. Nobody benefits by merely keeping the case pending indefinitly. It appears from the attitude of the union that they have no grieveance and there is no existing dispute for adjudication.

In the result, an award is passed finding that the action of the management, in promoting a few workmen to Grade-IV with the same designation of Typist Clerk Trainee without notifying the vacancy, is legal and justified and the workers are not entitled for any relief.

695 GI/09-26

The award will come into force one month after its publication in the offical gazette.

Dictated to the Personal Assistant transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 28th day of January, 2009.

P.L. NORBERT, Presiding Officer

Appendix

Witness for Union

WW 1- Shri . Surendran Nair (By Proof Affidavit)- dt. 22-02-2006.

Witnesses for Management:

Nil.

Document for the Union:

W1— Photostat copy of Memorandum of Promotion Policy Statement dated 31-07-1973

W2— Photostat copy of representation submitted by the Union to RLC(C) dated 21-12-2004.

W3--- Photostat copy of statement submitted by the mangenment to ALC(C) dated 07-02-2005.

W4— Photostat copy of statenment submitted by Union to ALC(C) dated 11-02-2005

W5— Photostat copy of statement filed by the management before ALC (C) dated 31-03-2005.

W6— Photostat coyp of statement filed by the Union before ALC(C) dated 05-04-2005.

Document for Management

Ni

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2009

का.आ. 594.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 6/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/61/2005-आईआर (सीएम II)]

अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th February, 2009

S.O. 594.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 6/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1 Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 11-02-2009.

[No. L-22012/61/2005-IR (CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH.

CASE No. 6/2006

Shri Nafe Singh C/o Sh. Dharampal, Village-Chandana, The. & district, Kaithal, Haryana.Applicant

Versus

The Sr. Regional Manager, FCI, SCO, 120-122, Sector 17C, Chandigarh.Rospondent

APPEARANCES

For the Workman

None

For the Management

Shri N.K.Zakhmi

AWARD

Passed on: 30-1-2009 Camp Kurukshetra >

Central Govt vide notification No. L-22012/61/2005-IR(CM-II), dated 21-12-2005 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the mangement of Food Corpration of India, Karnal in terminating the services of Shri Nafe Singh instead of regularizing is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the managnement is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Govt. because the workman is not interseted in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government. Central Govt. be informed.

Chandigarh. 30-01-2009 Camp at Kurukshetra

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2009

का.आ. 595.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 8/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/59/2005-आईआर (सीएम II)] अजय कुमार गौड्, डेस्क अधिकारी New Delhi, the 11th February, 2009

S.O. 595.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 8/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, received by the Central Government on 11-02-2009.

[No. L-22012/59/2005-IR (CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM- LABOUR COURT- 1, CHANDIGARH.

CASE No. 8/2006

Shri Prem Chand, C/o Sh. Dharampal, Village. Chandana, The. & District Kaithal, Haryana.Applicant

Versus

The Sr. Regional Manager, FCI, SCO, 120-122, Sector 17C, Chandigarh. Rospondent

APPEARANCES

For the Workman:

None

For the Management

Shri N. K. Zakhmi

AWARD

Passed on: 30-1-2009 Camp Kurukshetra

Central Govt *vide* notification No. L-22012/59/2005-IR(CM-II), dated 21-12-2005 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

- "Whether the action of the management of Food Corporation of India, Karnal in terminating the services of Shri Prem Chand instead of regularizing is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken upseveral times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Govt. because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Government be informed.

Chandigarh. 30-01-2009 Camp at Kurukshetra

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2009

का.आ. 596.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 2/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/66/2005-आईआर (सीएम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th February, 2009

S.O. 596.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 2/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, received by the Central Government on 11-02-2009.

[No. L-22012/66/2005-IR (CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer
ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM- LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. 2/2006

Shri Sarna Ram, C/o Sh. Dharampal, Village. Chandana, Th. & District, Kaithal, Haryana.Applicant

Versus

The Sr. Regional Manager, FCI, SCO, 120-122, Sector 17C, Chandigarh.Respondent

APPEARANCES

For the Workman:

None

For the Management:

Shri N.K.Zakhmi

AWARD .

Passed on: 30-1-2009, Camp Kurukshetra

Central Govt. vide notification No. L-22012/66/2005-IR(CM-II), dated 21-12-2005 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

- "Whether the action of the management of Food Corporation of India, Karnal in terminating the services of Shri Sarna Ram instead of regularizing is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM.

At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Govt. because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Govt. Central Govt. be informed.

Chandigarh, 30-01-2009 Camp at Kurukshetra

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2009

का.आ. 597.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 4/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/63/2005-आईआर (सीएम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th February, 2009

S.O. 597.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 4/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, received by the Central Government. Central Government on 11-02-2009.

[No. L-22012/63/2005-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH.

Case No. 4/2006

Shri Raghubir, C/o Sh. Dharampal, Village. Chandana, Teh. & District, Kaithal, Haryana.Applicant

Versus

The Sr. Regional Manager, FCI, SCO, 120-122, Sector 17C, Chandigarh.Respondent

APPEARANCES

For the Workman:

None

For the Management

Shri N.K. Zakhmi

AWARD

Passed on: 30-1-2009, Camp Kurukshetra

Central Government *vide* notification No. L-22012/63/2005-IR(CM-II), dated 21-12-2005 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, Karnal in terminating the services of Shri Raghubir Singh instead of regularizing is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Govt. Central Government be informed.

Chandigarh, 30-01-2009

Camp at Kurukshetra

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2009

का.आ. 598.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 5/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/62/2005-आईआर (सीएम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th February, 2009

S.O.598.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 5/2006) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, received by the Central Government on 11-02-2009.

[No. L-22012/62/2005-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. 5/2006

Shri Satyawan, C/o Sh. Dharampal, Village- Chandana, Teh. & District, Kaithal, Haryana.Applicant

Versus

The Sr. Regional Manager, FCI, SCO, 120-122, Sector 17C, Chandigarh.Respondent

APPEARANCES

For the Workman

None

For the Management

Shri N.K. Zakhmi

AWARD

Passed on: 30-1-2009, Camp Kurukshetra

Central Government *vide* notification No. L-22012/62/2005-IR(CM-II), dated 21-12-2005 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the mangement of Food Corpration of India, Karnal in terminating the services of Shri Satyawan instead of regularizing is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

Q. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Govt. because the workman is not interseted in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Govt. Central Government be informed.

Chandigarh, 30-01-2009 Camp at Kurukshetra

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2009

का,आ. 599.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रवंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 3/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/65/2005-आई.आर. (सीएम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th February, 2009

S.O. 599.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 3/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, received by the Central Government on 11-02-2009.

[No. L-22012/65/2005-IR (CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. 3/2006

Shri Bundu, C/o Sh. Dharampal, Village. Chandana, Teh. &Applicant District Kaithal, Haryana.

Versus

The Sr. Regional Manager, FCI, SCO, 120-122, Sector 17C,Respondent Chandigarh.

APPEARANCES

For the Workman

None

For the Management

Shri N.K. Zakhmi

AWARD

Passed on: 30-1-2009 Camp Kurukshetra

Central Govt vide notification No. L-22012/65/2005 -IR(CM-II), dated 21-12-2005 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:-

- " Whether the action of the management of Food Corporation of India, Karnal in terminating the services of Shri Bundu instead of regularizing is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present, Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Govt. Central Government be informed.

Chandigarh. 30-01-2009 Camp at Kurukshetra

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2009

का,आ. 600.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण न. 1, चण्डीगढ़ पंचाट (संदर्भ संख्या 1/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22012/67/2005-आई.आर. (सीएम-II)] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th February, 2009

S.O. 600.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 1/2006) of the Central Government Industrial Tribunal/ Labour Court, No. 1 Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 11-02-2009.

[No. L-22012/67/2005-IR (CM-II)] -

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA'KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. 1/2006

Sh. Dharampal, Village. Chandana, Teh. & District, Kaithal,Applicant Haryana.

Versus

The Sr. Regional Manager, FCI, SCO, 120-122, Sector 17C,Respondent Chandigarh.

APPEARANCES

For the Workman

None

For the Management

Shri N.K.Zakhmi

AWARD

Passed on: 30-1-2009 Camp Kurukshetra

Central Government vide notification No. L-22012/ 67/2005-IR(CM-II), dated 21-12-2005 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:-

- " Whether the action of the management of Food Corporation of India, Karnal in terminating the services of Shri Dharam Pal instead of regularizing is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. Workman is not present. No representative of the workman is present. Representative of the management is present. Since morning, this reference was taken up several times. None was present for the workman. It is now 4 PM. At this stage I have no option otherwise than to return the reference as such to the Central Government because the workman is not interested in adjudication of this reference. Accordingly, the claim petition filed by the workman is dismissed and the reference is returned as such to the Central Govt. Central Government be informed.

Chandigarh, 30-01-2009

Camp at Kurukshetra

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2009

का.आ. 601.-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं इण्डियन वेटरनरी रिसर्च इन्स्टीटयूट के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, लखनऊ के पंचाट (संदर्भ संख्या 27/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/85/2004-आई.आर.(सीएम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th February, 2009

S.O. 601—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.27/2005) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Lucknow as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Indian Veterinary Research Institute and their workmen, received by the Central Government on 12-2-2009.

[No. L-42012/85/2004-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, LUCKNOW

Present: Shri N. K. PUROHIT, Presiding Officer

I.D.No. 27/2005

Ref. No. L-42012/85/2004-IR (CM-II) dated: 29-6-2005

BETWEEN

Shri Maya Ram, S/o Shri Mohan Lal, Village-Hamir pur, PO.-Tiuliya, Distt & Tehsil- Bareilly (U.P.)

AND

The Director, Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar, Bareilly (U.P.)-243122

AWARD

Dated, 5-2-2009

1. By order No. L-42012/85/2004 -IR (CM-II) dated 29-6-2005 the Central Government in the Ministry of Labour, New Delhi in exercise of powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) referred this industrial dispute between Shri Maya Ram, S/o Shri Mohan

Lal, Village-Hamirpur, P.O.-Tiuliya, Distt. & Tehsil-Bareilly and the Director, Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar, Bareilly for adjudication.

- 2. The reference under adjudication is:
- "क्या प्रबंधन भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इञ्जतनगर, बरेली द्वारा श्री मायाराम, दैनिक श्रमिक को दिनांक 12-11-1992 से नौकरी से निकाला जाना उचित तथा न्यायसंगत है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"
- 3. The case of the workman in brief is that he was appointed for indefinite period as regular labour on 16-1-92, without any appointment order, by the management of IVRI for performing regular and perennial work after due selection and was paid monthly salary, initially computed @ Rs. 17.35 per day along with other regular employees. The workman has alleged that although he continued to work continuously since his appointment, but the management reflected some artificial breaks in its records so as to deprive him of the benefits of the continuous service and on 12-11-92 all of sudden his services were terminated, orally, all of sudden without assigning any reason therefor, which amounts to unfair labour practice under section 2 (ra) and violates provisions contained in section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947. It has been alleged by the workman that the management has not complied with the requirement of Rule 77 of Industrial Disputes Act (Central) Rules, 1957 in not preparing any seniority list of daily wages employees and has violated the provisions of section 25 G of the Industrial Disputes Act, 1947 by adopting pick and choose method and not following last come first go method, whereby it has retained the services of several workmen who were junior to him. The workman has further alleged that the retrenchment of his services is wholly illegal and unjustified as there was neither reduction in work load not there was any shrinkage of cadre rather the work-load has increase with the expansion of the establishment. Accordingly, the workman has prayed that the oral order of termination dated 12-11-92 be set aside with consequential benefits including full back wages.
- 4. The workman has filed following documents to substantiate his averments in the statement of claim:
 - (i) Photo copy of work certificate dated 7-2-92 w.e.f. 17-1-92 to 7-2-92, paper No. 6/1.
 - (ii) Photo copy of work certificate dated 9-5-92 for 88 days, paper No .6/2.
 - (iii) Photo copy of work certificate dated 11-11-92 for 89 days, paper No .6/3.
 - (iv) Photo copy of mark sheet, Jr High School Exam, 1981, paper No. 6/4.
 - (v) Photo copy of transfer Certificate, paper No. 6/3.
 - (vi) Photo copy of application dated 20-2-2004, addressed to ALC (C), Dehradun, paper No. 6/6.

- (vii) Photo copy of application dated 23-2-2004, addressed to ALC (C), Dehradun, paper No. 6/7.
- (viii) Photo copy of Letter dated 25-6-86, 22-1-87 and 10-9-88 of ICAR regarding engagement/appointment of casual labourers, paper No. 6/8, 6/9.
 - (ix) Photo copy of muster roll, skilled/non-skilled labour for the month of March, 1994, paper No. 6/10.
 - (x) Photo copy of muster roll, of the month of March, 1994, paper No. 6/11.
 - (xi) Photo copy of muster roll and payment sheet, paper No. 6/12.
- (xii) Photo copy of muster roll, period not legible, paper No.12.
- (xiii) Photo copy of muster roll for February, 95, paper No. 6/13.
- (xiv) Photo copy of circular dated 2-5-95 regarding vacancy in IVRI, paper No. 6/14-6/17.
- (xv) Photo copy of advertisement in newspaper regarding vacancy in IVRI, paper No. 6/18.
- (xvi) Photo copy of quotation notice pertaining to IVRI, paper No. 6/19-6/20.
- (xvii) Photo copy of tender notice pertaining to IVRI, paper No. 6/21.
- (xviii) Photo copy of quotation notice pertaining to IVRI, paper No. 6/22.
- (xix) Photo copy of office order dated Feb, 97 to discourage the practice of carrying out work through contract labour, paper No. 6/23.
- (xx) Photo copy of office order dated 17-8-98 regarding drawl of pay by certain workmen who have been granted temporary status paper No. 6/24.
- (xa) Photo copy of office memorandum dated 13-10-83 regarding regularization of casual employees in Group 'D' posts, paper No. 6/25.
- (xxii) Photo copy of some circular, not legible, paper No. 6/26.
- (xxiii) Photo copy of office memorandum dated 7-6-89 regarding recruitment of casual workers and persons on daily wages—review of policy, paper No. 6/27-6/29.
- (xxiv) Photo copy of letter dated 16-9-88 regarding guidelines relating to appointment of casual labourers in the ICAR institutes, paper No. 6/30.
- (xxv) Photo copy of letter dated 16th December, year not legible, regarding guidlines relating to appointment of casual labourers in the ICAR institutes, paper No.6/31.
- (xxvi) Photo copy of office memorandum dated 7-2-90 regarding recruitment of casual workers and persons on daily wages—review of policy, paper No. 6/32.

- (xxvii) Photo copy of circular dated 8-8-94, paper No. 6/33.
- (xviii) Photo copy of office memorandum dated 10-9-93 regarding grant of temporary status and regularization of causal workers, paper No. 6/34-6/37.
- (xix) Photo copy of minutes of meeting with casual labourers, paper No. 6/39.
- (xx) Photo copy of a portion of newspaper dated 14-2-97, paper No. 6/40.
- (xxi) Photo copy of work certificate dated 19-8-92 for 90 days, paper No. 17/2.
- 5. After filing of statement of claim with documents by the workman, the registered notice was issued to the opposite party, requiring to file their written statement with relevant documents on 28-10-2005. On the date fixed i.e. 28-10-2005 the opposite party filed its authority and an application was filed by the representative of the opposite party for adjournment, seeking four weeks time to file written statement. Subsequently, on three consecutive dates i.e. 18-11-2005, 9-12-2005 and 10-1-2006, whereby the opposite party was directed to file its written statement with documentary evidence and list of witness with advance copy to the workman.
- 6. The opposite party did not file any written statement in spite of providing several opportunities and finally 16-5-2007 was fixed for ex-party evidence of the workman. The workman concluded its evidence on 10-1-2006 and date was fixed for ex-parte arguments.
- Heard arguments of the learned representative of the workman and perused evidence on record.
- 8. At the outset it is pertinent to mention that the opposite party has not disputed the claim of the workman by filing its written statement. Upon perusal of the record, it appears that on 10-1-06 none was present on behalf of the opposite party, therefore, order to proceed ex-parte against the opposite party was passed, subsequently, an application was moved by the representative of the opposite party on 25-1-06 to set aside the ex-parte order which was allowed at the cost of Rs. 1000 but despite of this neither written statement was filed nor cost was paid, therefore, on 28-4-06 case to proceed ex-parte order against the opposite party was passed. Again on 9-6-06 on payment of the cost by the opposite party, an opportunity was given to file written statement within 15 days but, on next date i.e. 21-7-06 neither written statement was filed nor representative of the opposite party appeared, thus court again order for ex-parte proceeding against the opposite party, subsequent to this an application dt. 13-9-06 was moved to set aside the order dt. 13-9-06. In the interest of justice that application was also allowed and opposite party was directed to file written statement on next date i.e. 20-10-06. Third application was moved on behalf of the opposite party to recall the ex-parte order which was again

allowed on the cost but inspite of providing several opportunities written statement was not filed and none remain present on behalf of the opposite party.

- 9. Now, it is to be seen whether on the basis of oral and documentary evidence adduced by the workman he has proved his case. In this regard the workman Maya Ram stated in his statement on oath that he was appointed on 7-1-92 as labour and his services were terminated on 11-11-92. He had further stated that he had worked continuously during the above period. He has further alleged that before termination of his services neither notice was served upon him nor any compensation was given. In support of his case he has produced document Exbt C-6/1 to Exbt C-6/38.
- 10. The workman has adduced copies of 3 certificates dt. 7-2-92 (C-6/1), 9-5-92 (C-6/2) and 11-11-92 (C-6/3) to prove that he had worked for more than 240 days. These certificates have been issued by Incharge Farm Section, IVRI, Bareilly. Upon perusal of above certificate, it reveals that workman had worked continuously as casual labour on daily wages @ 17.35 from 17-1-92 to 11-11-92. Although he has filed copies of the attendance register, mustor roll alongwith circulars pertaining to appointment of casual labour but the name of the workman does not find place in the muster roll or attendance register. Copies of remaining documents filed are not relevant on this point that workman had worked for more than 240 days.
- 11. The opposite party has not filed written statement disputing the claim of the workman and workman has stated in statement on oath that he had worked from 17-1-92 to 11-11-92 and copies of certificates issued dt. 7-2-92, 9-5-92 and 11-11-92 also support case of the workman that he had worked during above period as casual labour. Since there is no evidence in rebuttal of the workman's evidence therefore, it is proved from his statement on oath and aforementioned certificates that he had worked for more than 240 days continuously as casual labour. The workman has alleged that before terminating his services neither notice was given to him nor compensation was paid to him, therefore, in absence of any evidence in rebuttal, it is proved that services of the workman terminated in violation of section 25F of the 1.D. Act.
- 12. Now, it is to be considered whether the workman is entitled for reinstatement. From the evidence produced by the workman it is not proved that his appointment was as a regular worker. Even from the certificates dt. 7-2-92, 9-5-92 and 11-11-92, it reveal that he had worked as casual labour. Admittedly, services of the workman were terminated on 11-11-92 and present industrial dispute has been raised in the year 2005. The workman has neither pleaded nor stated in his statement why he kept mum till the reference was made for such a long period. Although merely on the ground of delay, claim can not be rejected while considering the request of back wages and

reinstatement, above unexplained delay in raising industrial dispute is to be considered.

13. In (2005) 5 SCC 591: 2005 SCC (L&S) 716 between Haryana Roadways v Rudhan Singh Hon'ble Apex Court while considering the question regarding award of back wages has observed:

"There is no rule of thumb that in every case where the Industrial Tribunal gives a finding that the termination of service was in violation of section 25 F of the Act, entire back wages should be awarded......

14. In 2008 (119) FLR 877 Deepak Ganpat Tari V.N.E. Theater Pvt. Ltd. Hon'ble Bombay High Court relying on the Hon'ble Apex Court' sjudgment in 2008 (117) FLR 1086 (SC) APVK. Brahmandandam 2008 (118) FLR 376 (SC) Telephone DM vs Keshab Deb 2006 (111) FLR 1178 (SC) JDA V Ram Sahai, while awarding compensation of Rs. 15000 to the concerned workman considering his daily wages as Rs. 45 and in view of the fact that the workman had put in about 3 years of service, has observed as under:

- "It is apparent that termination of services of a daily wager does not amount to retrenchment and for violation of section 25-F in such circumstances, the employee cannot be given benefit of reinstatement with continuity and back wages. Hon. Apex Court has hold that in such circumstance employee is entitled to benefit of compensation only."
- 15. In the light of pricriple laid down in aforementioned case laws and in view of the inordinate unexplained delay in raising this industrial dispute by the workman, it would not be just, if after such a long lapse of time, the workman is directed to be reinstated in service. The ends of justice would meet by paying compensation to the workman instead and in place of relief of reinstatement in service.
- 16. Having regards to these facts that the workman had worked as casual labour only and he was getting Rs. 17.35 daily wages per day at the time of alleged termination and keeping in view the entire facts of the case, the interest of justice would be subserved, if management is directed to pay lump sum amount of compensation only.
- 17. Accordingly, the management is directed to pay a sum of Rs. 8000 (Rs. Eight Thousand only) to the workman

as compensation for termination of his services in violation of Section 25F of the I.D. Act. The said amount should be paid to the workman with in 8 weeks of publication of the award failing which the same shall carry interest @ 8% per annum.

- 18. The reference is answered accordingly.
- 19. Award as above.

Lucknow

N. K. PUROHIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2009

का.आ. 602.-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं डब्स्नू.सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद मे केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 53/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल-22012/275/1989-आई.आर.(सी-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th February, 2009

S.O. 602.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.53/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Nagpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of WCL and their workmen, which was received by the Central Government on 12-2-2009.

[No. L-22012/275/1989-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI A. N. YADAV, PRESIDING OFFICER, CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR

Case No. CGIT/NGP/53/03

Date: 4-2-2009

Petitioner/Party No. 1

The President, Koyla Khadan Karmachari Sangh (AITUC), W.C.L., Sillewara, Distt. Nagpur-441 109 on behalf of Shri Chotelal

Versus

Respondent/Party No. 2

The Sub-Area Manager, Sillewara Colliery of WCL, PO: Sillewara, Distt. Nagpur-441 109.

695 61/09-28

AWARD

(Dated: 4th February, 2009)

- 1. The Central Government after satisfying the existence of dispute between the President, Koyla Khadan Karmachri Sangh (AITUC), W. C. L., Sillewara, Distt. Nagpur-441 109 on behalf of Shri Chotelal (Party No.1) and the Sub-Area Manager, Sillewara Colliery of WCL, PO: Sillewara, Distt. Nagpur-441 109 (Party No.2) referred the same for adjudication to this Tribunal vide its letter No. L-22012/275/89-IR (Coal-II) dated 18-5-1990 under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) with the following schedule.
 - 2. "Whether the action of the management of M/s. W. C. Ltd, Sillewara Colliery Nagpur in not protecting wages of Shri Chotelal, General Mazdoor Cat.1 on his being given job of Fan Khalasi after being declared unfit by the Medical Board to perform the job of Loader due to an accident while working in the mine is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"
- 3. It seems that originally the reference was made and referred to the CGIT, Jabalpur in the year 1990 for adjudication since the CGIT, Nagpur was not established. However, consequent to the establishment of this CGIT, Nagpur, the references pending on the file of CGIT, Jabalpur were transferred to this Court. On transfer this Court the reference whatever in the month of June, 2005. At the time of transferring the reference to this Court, the Statement of Claim as well as Written Statement by the management again the rejoinder by the petitioner and the reply of the Rejoinder by the management were filed on record. It also seems that the petitioner had filed his affidavit also in support of his claim.

On 13-2-1992 and the case was fixed for cross-examination for the petitioner. On transfer, a notice was issued to the petitioner directing him to appear before the court on 13-9-2005 for further proceeding. Further, the petitioner in response to the notice as well as suo moto never appeared in the Court and further continued the reference. All the Rojnama indicates that he never attended the court on transfer. It seems that he has no interest in further prosecuting the reference. There are no reasons to continue the same waiting for his appearance. In such circumstances, the case is dismissed for his default. Accordingly the reference is dismissed for his default and no dispute award is passed. Hence Award.

Date: 4-2-2009.

A.N. YADAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2009

का.आ. 603.-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पी.एन्ड टी. डिपार्टमेन्ट ऑफ आर. एम. एस. सब डिविजन, पटना के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय पटना के पंचाट (संदर्भ सं. 37/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-2-2009 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/118/2005-आई.आर.(डी.यू.)]

सुरेन्द्र सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th February, 2009

S.O. 603.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 37/2006) of the Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Patna as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of P. & T. Department of RMS Sub-division, Patna and their workmen, which was received by the Central Government on 12-2-2009.

[No. L-40012/118/2005-IR (DU)] SURENDRA SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, SHRAM BHAWAN, BAILEY ROAD, PATNA

Reference Case No. 37 of 2006 No. 1 (C) of 2007.

Between the management of G. P. O., Patna and their workman Shri Surendra Kumar, S/o. Rajendra Kumar, Raghunath, Anisabad, Patna (Bihar).

For the Management: Shri Phanishwar Nath Paswan,

Management Representative.

For the Workman : Shri Surendra Kumar (Workman

himself)

Present

Vasudeo Ram, Presiding officer

AWARD

Patna, dated the 3rd February, 2009.

By adjudication Order No. L-40012/118/2005-IR (DU) dated 9th June, 2006, the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi in exercise of the powers conferred under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereafter called 'the Act' for brevity) referred the dispute between the management of G.P. O., Patna and their workman Shri Surendra Kumar, s/o Sh. Rajendra Kumar, Raghunath, Anisabad, Patna (Bihar) to Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-II, Dhanbad for adjudication on the following:

"Whether the action of the management of P. & T. Department of RMS Sub-division, Patna in terminating the services of Shri Surendra Kumar w.e.f. 1-5-2005 and in not considering him for re-employment, while

engaging fresh hands after 1-5-2005 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

Subsequently vide adjudication Order No. L-40012/118/2005-IR(DU) dated 15th November, 2006 the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi in exercise of the powers conferred by Section 7A read with sub-section (1) of Section 33B of the Act withdrew the proceeding from Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-II, Dhanbad and transferred the same to this tribunal for disposal in accordance with the law.

- 2. The parties appeared on notice and filed their statement of claim and the written statement respectively. The case of the workman is that he was employed by the management as 'Mailman' on 31-12-2002 and he continued to work as such till 30-4-2005. He performed his duties from 3 P.M. to 10.30 P.M. every day, He used to be paid @ Rs. 39.70 per day through vouchers. The workman claims to have put in more than 240 days of continuous service in a calendar year within the meaning of Section 25B of the Act preceding to the date of termination of his services on 1-5-2005. The services of the workman was terminated on 1-5-2005 by the P & T Departmental authorities without any notice, notice pay or compensation. Further the case of the workman is that after the termination of his services on 1-5-2005 the management made appointments for the same work which the workman was performing but the workman was neither informed nor was given apportunity for employment as provided under Rule 78 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. After termination of service on 1-5-2005 the workman sent demand notice to the management of P & T. Depaartment under registered A/D post on 1-5-2005 but the management made no response. Thereafter the workman raised industrial dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central), Patna being the Conciliation Officer under the act. The Conciliation Officer held Conciliation Proceedings which ended in failure and on his report this reference was made for adjudication. According to the workman the action of the management of P. & T. Dapartment is illegal and unjustified and he deserves to be reinstated/re-employed with full back wages.
- 3. The contention of the management, in short, is that Shri Surendra Kumar was neither appointed nor any appointment letter was issued to him by the P & T. Department. Neither his name was called for from any agency/employment exchange nor any procedure of appointment was followed. The workman was not employed or appointed against any vacant post. He was engaged casually and his services was utilized by the management in the interest of department depending upon the urgency of work so that Postal Department Mail Dak Seva may not be hampered. The management contends that the said workman worked part-time as Coolie on daily wages basis and the wages was paid to him on hand-receipts as per

guidelines of the Government on daily wages rates fixed by the Government. Since the said workman was not appointed by the management/Department there was no occasion of termination of his services nor the services of the workman was terminated by the management. According to the management the said workman cannot claim regularisation or continuation of his services in the department. Further, according to the management the workman cannot claim to have remained in continuous service of the management as defined under Section 25B of the Act. According to the management the case/claim of the workman is illegal, baseless, concocted, false and fabricated and hence the reference is not maintainable in law or facts. According to the management the workman is not entitled to any relief claimed and the reference is fit only to be decided against the workman and in favour of the management.

- 4. Upon the pleadings of the parties and the terms of reference the following points arise out for decision:
 - "(i) Whether the action of the management of P & T Department, RMS Sub-Division, Patna in terminating the services of Sri Surendra Kumar w.e.f. 1-5-2005 is legal and justified?
 - (ii) Whether the action of the management of P & T in not considering Sri Surendra Kumar for reemployment while engaging fresh hands after 1-5-2005 is legal and justified?
 - (iii) Whether the Reference Case is maintainable?
 - (iv) To what relief or reliefs, if any, workman Surendra Kumar is entitled?"

FINDINGS.

Point No. (1) >

- 5. Both the parties have adduced evidence, oral as well as documentary in support of their respective contentions. The management examined altogether 6 witnesses out of which one witness Vijay Shankar Prasad (M.W.1) claimed to have remained posted as Inspector, Railway Mail Service, Patna and the remaining witnesses namely Suresh Prasad (M.W.2), Hriday Narain Singh (M.W.3), Shailendra Narayan Chowdhary (M.W.4), Janak Prasad (M.W.5) and Ashok Kumar Jha (M.W.6) are Sorting Assistants in Patna R.M.S. As. against that the workman has examined himself only as W.W.1. The management got exhibited photocopy of Vouchers (Exts. M to M/79) and the workman got the photocopy of vouchers marked Exts. W to W/401.
- 6. It is an admitted fact that neither the name of this workman was called for from any agency or employment exchange nor any procedure of appointment was followed in engaging him on work. He was also not given any letter of appointment. But the management also admitted that this workman worked in RMS, Patna, according to the management he was engaged casually and he worked part-time as Coollie on daily wages basis.

As already mentioned above M.W.1 claimed to have remained posted in Railway Mail Service (RMS in brief). Patna as Inspector while the remaining witnesses of the management (M.W.2 to M.W.6) were/are Sorting Assistants in the same department. They all appear to be senior staff having remained posted in Patna for more than 12 years. Altogether 402 photocopies of payment vouchers have been exhibited (Exts. W to W/401) on behalf of the workman out of which 341 (Exts. W to W/340) have been proved by M.W.1 who admitted his signatures thereon while the remaining witnessess of the management (M.Ws. 2 to 6) have also claimed their signatures on the payment vouchers and proved the vouchers (photocopy) produced by the management (Exts. M to M/6). All the M.Ws. have admitted in their statement made before this tribunal that Surendra Kumar worked in R.M.S., Patna and was paid through vouchers @ Rs. 39.70, the daily rate of labourers fixed by the Government. Payment to the workman through vouchers at the rate fixed by the Government is also supported from the photo-copy of vouchers exhibited (Exts.M to M/79) and (Exts. W to W/401) produced by both the parties. All the above-said witnesses of the management have stated that the workman worked occasionally as part-time-coollie when the work-load increased in the department. The workman (W.W.1) has claimed and stated that he worked from 3 P.M. to 10.30 P.M. which is also supported from the fact that he was paid full daily wages, and not the part of it. M.W.5 in crossexamination has admitted that Surendra Kumar (the workman) did the work of a Mail-man. In other words he worked as mail-man.

7. The workman (W.W.1) has contended and has stated before this tribunal that the put-in continuous service of mail-man from 31-12-2002 to 30-4-2005. He worked on the orders of Senior Superintendent of Post Offices. It has come in the cross-examination of the workman (W.W.1) that the proof of payment made to him is in the Payment-Register which is in the custody of the management, M.W.4 in his cross-examination also supported that all payments made is recorded in Payment Register. It is needless to say that payment Register is the document of the management and it is the management in whose custody it is expected to be. I may mention here that during the trial/proceeding the workman through this tribunal made a request to the management to produce the Payment Register and the Payment Vouchers concerning the payment made to him but the management avoided and escaped by saying that those documents could not be located, either the same have been destroyed or have been kept some where in godown. That simply meant that the management did not produce the documents called for nor any satisfactory reason for non-production of the same was shown. The management has not produced any evidence to show that the said documents have been destroyed. Under the circumstances the inference must be drawn against the

management that the management knowingly and deliberately did not produce the Payment Register and Payment Vouchers because the same supported the contention of the workman that he worked continuously from 31-12-2002 to 30-4-2005 meaning thereby that the workman put in continuous service of 240 days in the year 2003 and also in the year 2004, the year before the termination of his services by the management. The workman claimed to have worked 339 days in 2003, 338 days in the year 2004 and 115 days in 2005 till his services were terminated. Thus there remains no doubt that the workman put in continuous service under the management as defined under Section 25B of the Act.

- 8. The definition of 'workman' as laid down under Section 2(s) of the Act reads as follows:—
 - "'Workman' means any person (including an apprentice) employed in any industry to do any manual, unskilled, skilled, technical, operational, clerical or supervisory work for hire or reward, whether the terms of employment express or implied, and for the purpose of any proceeding under this Act in relation to an industrial dispute, includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched in connection with or as a consequence of, that dispute, or whose dismissal, discharge or retrenchment has led to that dispute, but does not include any such person—
 - (i) who is subject to the Air Force Act, 1950 (45 of 1950) or the Army Act, 1950 (46 of 1950), or the Navy Act, 1957 (62 of 1957); or
 - (ii) who is employed on the Police Service or as an Officer or other employee of a prison; or
 - (iii) who is employed mainly in a managerial or administrative capacity; or
 - (iv) who, being employed in a supervisory capacity, draws wages exceeding one thousand six hundred ruppes per mensem or exercise, either by the nature of the duties attached to the office or by reason of the powers vested in him, functions mainly of a managerial nature."

Under the circumstance there is no doubt that Surendra Kumar was a workman as defined in the abovenoted provision of the Act. He put in continuous service as defined under Section 25B of the Act under the management of P&T Department.

9. There is no dispute on the point that the workman was removed from the services on 1-5-2005. There is also no dispute on the point that no Notice, Notice Pay or Compensation according to Section 25F of the Act was given to the workman by the management. According to the management the workman being daily wager Coollie was neither employed by the management nor the occasion

of termination of his services arose. Besides that termination of employment of daily wage employee cannot give rise to an industrial dispute. According to the management the removal of the workman from service does not come under retrenchment and as such compliance of the provisions laid down under Section 25F of the Act i.e, giving one month's notice, or making payment of one month notice pay or compensation was not required from the management. Section 2 (00) of the Act defines retrenchment' as follows:—

- " 'retrenchment' means the termination by the employer of the service of a workman for any reason whatsoever, otherwise than as a punishment inflicted by way of desciplinary action but does not include—
- (a) voluntary retirement of the workman; or
- (b) retirement of the workman on reaching the age of superannuation if the contract of employment between the employer and the workman concerned contains a stipulation in that behalf; or
- (bb) termination the service of the workman as a result of the non-renewal of the contract of employment between the employer and the workman concerned on its expiry or of such contract being terminated under a stipulation in that behalf contained therein; or
- (c) termination of the service of a workman on the ground of continued ill-health."
- 10. The management has cited as many as 7 (seven) decisions on this point including the decisions of our own Hon'ble High Court in the case of Sanjay Kumar Tiwary & Others Vs. the State of Bihar and others reported in B.B.C.J.-2008-460. The decision in the case of Dhampur Sugar Mills Ltd. Vs. Bhola Singh reported in AIR 2005 Supreme Court-1790 has been cited on behalf of the management in para 18 of which it has been observed that, 'when a workman is appointed in terms of a Scheme on daily wages he cannot derive any legal right to be regularised in service'. It is now well settled that completion of 240 days continuous service in a year may not by itself be a ground for directing regularisation particularly in a case when the workman had not been appointed in accordance with the extant rules. As regards this decision I find that it relates to a person/ workman employed in terms of a Scheme. In the present case the workman was not employed in any Scheme nor the reference speaks for regularization of the services of the workman. Hence this ruling does not apply in this case. Likewise the decisions in the case of M. P. Electricity Board Vs. Hari Ram reported in AIR 2004 Supreme Court-4791 and in the case of Executive Engineer, Z. P. Engineering Division and Others Vs. Digmbara Rao reported in AIR 2004 AC 4839 relate to Project workers employed against some Scheme and as such the facts of those decisions do not apply in the instant case. Another decision cited on

behalf of the management is M/s Essn Dinki Vs. Rajiv Kumar (AIR 2003 Supreme Court-38). In that case the services of a workman terminated due to non-satisfactory work and in evidence stage it was admitted by the workman that he did not put in continuous service of 240 days. Hence the said ruling does not tally with the facts of the case and as such do not apply in the present case. Another decision cited on behalf of the management is AIR 2005-1729 (Manager RBI Banalore Vs. Mani & Others to show In law 240 days continuous service by itself does not give rise to claim of permanence. Section 25F provides for grant of compensation if a workman is sought to be retrenched in violation of the condition referred to therein. This decision does not apply in the instant case because the instant case is not for permanence of the workman nor the reference is for making the workman permanent or regular. The management has cited the decision in Regional Manager SBI Vs. Rakesh Kumar Tiwary (PLJR-2006(i)-436). The said ruling is concerning Sec. 25G and 25H of the Act which relates to 'last come first go' and Retrenched workman to be given preference in employment to other persons and thus does in no way help the management.

11. In citing the decision BBCJ-2008-460 (Sanjay Kumar Tiwary & others Vs. the State of Bihar & others the management intended to show that a casual worker on daily wage basis is covered by clause (bb) of section 2(oo) of 'the Act' and termination of employment of such person does not attract the provisions of Section 25F of the 'Act'. The termination of a casual worker on daily wage does not give rise to industrial dispute. The employer terminating the employment of such worker is not required to serve notice or pay notice pay or compensation etc. In this regard I would like to mention that Sub-Section (bb) of Section 2(00) of the Act purports to exclude from the ambit of the definition of retrenchment (i) termination of service of a workman as a result of the non-renewal of the contract of employment and (ii) termination of contract of employment in terms of a stipulation contained in the contract of employment in that behalf. The first part relate to termination of service of a workman as a result of nonrenewal of the contract of employment between the employer and the workman on its expiry and the second part of Sub-Section (bb) refers to such contract being terminated under a stipulation in that behalf contained therein. It also may be noted here that non renewal of contract presupposes an existing contract of employment which is not renewed. Even in respect of a daily wager a contract of employment may exist. In the instant case I do not find that there was any contract between the parties or any stipulation therein between the employer and the workman. In that way I find that the facts of the instant case differs from the facts of the abovenamed case cited on behalf of the management. Under the circumstances discussed above I find that the employer in this case by terminating the services of the workman has retrenched him.

- 12. Section 25F of the Act reads as follows:
- "No workman employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by that employer until;
- (a) the workman has been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment and the period of notice has expired, or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice;
- (b) the workman has been paid, at the time of retrenchment, compensation which shall be equivalent to fifteen days' average pay (for every completed year of continuous service) or any part thereof in excess of six months; and
- (c) notice in the prescibed manner is served on the appropriate Government (for such authority as may be specified by the appropriate Government by notification in the Officeial Gazette.)

Under the circumstances I find that retrenchment without compliance of the provisions laid down under Section 25F of the Act is illegal and unjustified. Point No. (1) is decided accordingly.

Point No. (ii):

13. From the statement of the management witness, Nos. 5 and 6 it appears that every year the mailmen working on sanctioned posts retire. About 30 to 40 mailmen working on sanctioned posts have retired and no appointment on those posts have been made and the work is being taken from the daily wagers 7-8 in number. Section 25H of the Act reads as follows:

"Where any workman are retrenched, and the employer propses to take into his employ any persons, he shall, in such manner as may be prescribed, give an opportunity (to the retrenched workmen who are citizens of India to offer themselves for re-employment, and such retrenched workmen) who offer themselves for re-employment shall have preference over other persons.

It can not denied that the nature of work of mailman in P & T Department, R. M. S., Division, Patna is permanent and essential. When the sanctioned posts are vacant and the work is being taken from the daily wagers; not one or two rather 7 or 8 in numbers there is no justification in throwing the workman out of employment and not engaging him on work. Under the circumstances and keeping in view the decision reported in PLJR-2006(i) S. C. 436 (cited on behalf of the management). I find and hold that the action of the management in not considering Sri Surendra Kumar for re-employment while engaging fresh hands

after 1-5-2005 is illegal and unjustified. This point is decided accordingly.

Point No. (iii):

14. According to the management the workman being daily wager can not claim the benefits of section 25F of 'the Act'. The claim of the workman, according to the management is illegal and as such the reference is not maintainable. I have already discussed and held above that the workman was employed on daily wages and as such he worked under the management as mailman from 31-12-2002 to 30-4-2005 putting in continuous service in the years 2004 and 2003. He was retrenched from the service without making compliance of Sec.25F of the Act, which is wholly illegal. The dispute raised by the workman is an industrial dispute. Under the circumstances I find that this reference case is maintainable. Point No. (iii) is decided accordingly.

Point No. (iv):

- 15. Keeping in view the discussions made above and the findings arrived at on different point I hold that the workman deserves to be reinstated with full back wages. This point is decided accordingly.
- 16. Under the circumstances discussed above I find and hold that the action of the management of P & T., Department, R. M. S. Sub-Division, Patna in terminating the services of Sri Surendra Kumar w.e.f. 1-5-2005 and in not considering him for re-employment while engaging fresh hands after 1-5-2005 is illegal and unjustified. The workman deserves to be reinstated with full back wages calculated @ the wages last paid. The management is directed to comply the same within two months from the date of publication of the Award.
 - 17. And that is my Award.

VASUDEO RAM, Presiding Officer